Page 11 | Page 10
जन-जन की वाणी...
हिन्दी दैनिक
सोन वर्षा वाणी
औरंगाबाद, पटना, आरा एवं रांची से प्रकाशित

खेल

शमा मोहम्मद ने विराट कोहली को भी बताया था विदेशी, शादी को लेकर भी उठाया था...

देश

संतोष देशमुख हत्याकांड : धनंजय मुंडे का मंत्री पद से इस्तीफा

मूल्य ₹ 2.00
शुक्ल पक्ष, कृतिका, विक्रम संवत् 2081
• औरंगाबाद • बुधवार • 05 मार्च 2025 • वर्ष 27 • अंक 85 • पृष्ठ 12

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 87,380	₹96,900

आज का इतिहास

- **1824 : प्रथम एंग्लो-बर्मी युद्ध, ब्रिटिश भारतीय इतिहास का सबसे लंबा और सबसे महंगा युद्ध था।**
- **2008 : भारत ने समुद्र से जमीन पर हमला करने वाले 'ब्रह्मोस' मिसाइल का सफल परीक्षण किया।**

न्यूज बाइट्स

आरक्षण कोटा बढ़ाने के मुद्दे पर विधानसभा में विपक्ष का हंगामा

पटना (नि.सं.)। बिहार विधानसभा में मंगलवार को विपक्षी सदस्यों ने आरक्षण कोटा को 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत किए जाने तथा इसे संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर सदन में जोरदार हंगामा किया।

बिहार विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा

बिहार में चुनाव से पहले 50 लाख युवाओं को नौकरी और रोजगार

निज संवाददाता | पटना

बिहार विधानसभा के बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बड़ा ऐलान किया। उन्होने कहा कि हम लोग चुनाव तक राज्य के 50 लाख युवाओं को नौकरी और रोजगार दे देंगे। सीएम नीतीश ने कहा कि वर्ष 2020 में हमलोगों ने जो घोषणा की थी, उससे अधिक 50 लाख युवाओं को नौकरी और रोजगार इस साल तक दे देंगे। 10 लाख की जगह 12 लाख नौकरी और 10 लाख की जगह 38 लाख रोजगार चुनाव तक युवाओं को दे देंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि दस लाख नौकरी में 935000 नौकरी दी जा चुकी है। अब इसे 12 लाख कर दिया गया है। 38 लाख रोजगार करने का लक्ष्य रखा है। दोनों मिलकर 50 लाख कर दिया गया है। उन्होने कहा कि पंचायती राज और नगर निकाय में 50% महिलाओं को आरक्षण दिया। 2013 में महिला पुलिस को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया। बिहार में महिला पुलिस की जितनी संख्या है, पूरे देश में किसी राज्य में इतनी संख्या नहीं है। स्वयं सहायता समूह का गठन किया जिसका नाम जीविका रखा।

वहीं जब जल-नल के बारे में जब मुख्यमंत्री कहने लगे तो विपक्ष ने कहा कि नल का टोंटी टूट गया है। तेज प्रताप यादव ने इशारा किया सब विरोध करो तब पूरा विपक्ष विरोध में खड़ा होकर विरोध करने लगा। नारेबाजी करते हुए विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह लोग तो भाग गया क्यों कि इन लोगों को समझ में कुछ आ रहा है? चुनाव में इन लोगों को कुछ मिलने वाला नहीं है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि बिहार के विकास में केंद्र का भी सहयोग मिल रहा है। एक बार फिर दोहराया कि बीच में दो बार इधर-उधर हुए थे। लेकिन अब मिलकर काम करेंगे। प्रधानमंत्री का नाम लेते हुए उन्होंने कहा मैं धन्यवाद कहा। सरकार की कामना है कि समाज में सद्भाव और बिहार विकास के पद पर अग्रसर रहे। विपक्ष भाग गया है इन्हें भी हम इसको धन्यवाद देते हैं।

राज्य में पांच हजार डॉक्टरों की जल्द होगी बहाल

निज संवाददाता | पटना

बिहार में पांच हजार से अधिक डॉक्टरों की बहाली जल्द होगी। इनमें 3623 विशेषज्ञ चिकित्सक, 667 सामान्य एवं 808 दंत चिकित्सक शामिल हैं। मंगलवार को बिहार विधान परिषद में प्रश्नोत्तर काल के दौरान मो. फारूक के प्रश्न के उत्तर में प्रभारी मंत्री नीरज कुमार सिंह ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन पदों पर नियुक्ति के लिए बिहार तकनीकी सेवा आयोग को प्रस्ताव भेजा जा चुका है। आयोग के माध्यम से विज्ञापन प्रकाशन की कार्रवाई अंतिम चरण में है। आयोग से योग्य अभ्यर्थियों की अनुशंसा प्राप्त होने के बाद उपलब्धता के आधार पर शिवहर स्थित सदर अस्पताल चिकित्सा पदाधिकारियों की नियुक्ति होगी। उन्होंने बताया कि शिवहर सदर अस्पताल में चिकित्सकों के कुल 36 पद स्वीकृत हैं। इनमें 17 कार्यरत हैं। सदर अस्पताल के अधीक्षक के रिक्त पद पर कार्यकारी व्यवस्था के तहत सिविल सर्जन, शिवहर के प्रभार में रखा गया। प्रभारी मंत्री ने सौरभ कुमार के प्रश्न के उत्तर में कहा कि इंदिरा गांधी हृदय रोग संस्थान (आईजीआईएमएस) में चिकित्सकों के 163 पद स्वीकृत है। इनमें सहायक पदों पर 17, उप निदेशक के पद पर एक, संयुक्त निदेश्क के पद पर छह, अपर निदेशक के पद एक एवं निदेशक के पद पर एक, निदेशक के पद पर एक तथा चिकित्सा पदाधिकारी के 28 पद एवं विशेषज्ञ चिकित्सा पदाधकारी के पद पर 19 चिकित्सक कार्यरत हैं। इस अस्पताल में 97 प्रकार की दवाएं उपलब्ध हैं। मंत्री ने राज्य में चिकित्सकों की कमी की जानकारी दी और कहा कि इसके लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल खोल जा रहे है। चिकित्सक हम बना नहीं सकते हैं, बच्चे पढ़ेंगे तो आवश्यकता के अनुसार उनकी नियुक्ति सरकारी अस्पतालों में की जाएगी।

अगले दो महीने में बिहार में शिक्षकों का मनचाही तबादला : शिक्षा मंत्री

- कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से ग्रसित 760 शिक्षकों ने अर्जी दी
- तलाक को कारण मानते हुए 1,338 शिक्षकों ने तबादले की मांग की
- राज्य के 35% शिक्षक अपनी वर्तमान पोस्टिंग से असंतुष्ट

निज संवाददाता | पटना

बिहार विधानसभा में मंगलवार को शिक्षकों के तबादले और पोस्टिंग को लेकर शिक्षा मंत्री सुनील सिंह ने बड़ा ऐलान किया। उन्होंने सीपीआई विधायक सूर्यकांत पासवान के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि अगले दो महीने के भीतर शिक्षकों को उनकी मनचाही पोस्टिंग मिल जाएगी। इसके लिए शिक्षकों को 10 स्थानों की चॉइस देनी होगी, और पूरी प्रक्रिया को सॉफ्टवेयर आधारित बनाया गया है, जिससे पारदर्शिता बनी रहे। मंत्री ने यह भी बताया कि शिक्षकों की पोस्टिंग उनकी बीमारी, पति-पत्नी की एक ही जगह तैनाती और उनकी चॉइस के आधार पर होगी, लेकिन यह प्रक्रिया पूरी तरह से वेकैंसी की उपलब्धता पर निर्भर करेगी।

उन्होंने कहा कि यदि किसी शिक्षक को उसकी मनचाही पोस्टिंग नहीं मिलती है, तो वह डीएम, कमिश्नर या विभागीय स्तर पर बनी कमिटी में अपील कर सकता है। गंभीर बीमारियों से जूझ रहे 40 साल से अधिक उम्र के शिक्षकों को प्राथमिकता देते हुए मनचाही पोस्टिंग दी जा चुकी है। 1 से 15 दिसंबर 2024 के बीच शिक्षकों से तबादले के लिए आवेदन मांगे गए थे, जिसमें कुल 1 लाख 90 हजार 332 शिक्षकों ने आवेदन किया। इनमें से 85 प्रतिशत से अधिक शिक्षकों ने दूरी को मुख्य वजह बताते हुए ट्रांसफर की अर्जी लगाई। कुल 1 लाख 62 हजार 167 शिक्षकों ने सरकार से घर के नजदीक पोस्टिंग की मांग की है।

शिक्षा विभाग को मिले इन आवेदनों में कुछ चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। राज्य में तलाक की वजह से कई शिक्षक परेशान हैं और उन्होंने तबादले की गुहार लगाई है। आंकड़ों के अनुसार, कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के कारण 760 शिक्षकों ने ट्रांसफर की अर्जी दी है, जबकि तलाक को आधार बनाकर 1338 शिक्षकों ने तबादले की मांग की है। इसके अलावा, बिहार के 35 प्रतिशत शिक्षक अपनी वर्तमान पोस्टिंग से असंतुष्ट नजर आए हैं। राज्य में कुल 5 लाख 45 हजार 270 शिक्षक कार्यरत हैं, जिनमें से 1 लाख 90 हजार 332 शिक्षकों ने अपने तबादले के लिए आवेदन किया है।

इस नई तबादला नीति के तहत सबसे पहले कैंसर पीड़ित शिक्षकों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके बाद गंभीर बीमारियों से जूझ रहे शिक्षकों की अर्जी पर विचार होगा। इसके अलावा, दिव्यांग, ऑटिज्म पीड़ित, विधवा और पति-पत्नी की एक ही स्थान पर पोस्टिंग की मांग करने वालों को भी तवज्जो दी जाएगी। महिला शिक्षकों को भी विशेष प्राथमिकता मिलेगी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि इस नीति से शिक्षकों को उनकी पसंदीदा जगह पर काम करने का अवसर मिलेगा, जिससे उनकी कार्यक्षमता में भी सुधार होगा और राज्य की शिक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

अगस्त तक सभी पंचायतों में लग जाएंगी सोलर लाइट

पटना(नि.सं.)। राज्य की सभी पंयायतों के वार्डों में सोलर लाइट अगस्त अंत तक लग जाएंगी। मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना के तहत अब तक विभिन्न पंचायतों में 5 लाख 34 हजार 197 सोलर लाइट लगी हैं। इस माह के अंत तक लक्ष्य का 75 फीसदी सोलर लाइट लग जाएगी। सभी पंचायतों में 11 लाख सोलर लाइट लगानी हैं। मंगलवार को मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा की अध्यक्षता में पंचायती राज विभाग के कार्यों की समीक्षा में यह बात कही गई।

संक्षिप्त समाचार

तैराकी के लिए 150 में से 30 खिलाड़ी होंगे चयनित

राजगीर। खेलो इंडिया यूथ गेम्स प्रतियोगिता को लेकर तैयारी चल रही है। तैराकी प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों का ट्रायल राज्य खेल अकादमी राजगीर में लिया गया। जिसमें 150 खिलाड़ी शामिल हुए। ट्रायल में जिन खिलाड़ियों का चयन होगा, उन्हें यहां विशेष रूप से ट्रेनिंग दी जाएगी। ताकि वे खेलो इंडिया यूथ गेम्स में भाग लेकर मेडल जीत सकें। स्विमिंग पुल में पहली बार अधिकारियों की देखरेख में खिलाड़ियों का ट्रायल लिया गया। बिहार तैराकी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष ओमप्रकाश राय ने बताया कि यूथ गेम्स को लेकर संबंधित तैयारियां पूरी की जा रही हैं। इसी क्रम में स्विमिंग पुल में तैराकी का ट्रायल लिया जा रहा है। ट्रायल में 55 प्रतिभागी शामिल हुए। जिसमें 30 बालक और 25 बालिका शामिल हैं। इनमें से 5 बालक और 5 बालिका का चयन किया जाएगा। चयनित खिलाड़ियों को कोच द्वारा ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्होंने बताया कि स्विमिंग पुल 50 मीटर का है और यह सभी मानक को पूरा करता है। राज्य सरकार की ओर से बहुत अच्छे तरीके से इसका निर्माण किया गया है। खिलाड़ी यह बेहतर प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे। 1 महीने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। स्विमिंग पूल के अभाव में पहले खिलाड़ियों को काफी परेशानी होती थी। पहली बार किया जा रहा आयोजन : कंडीशनिंग एक्सपर्ट चंदन दास ने बताया कि ट्रायल में बिहार के सभी जिलों से 150 प्रतिभागी शामिल हुए हैं। ट्रायल लेने के बाद 30 प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा। चयनित प्रतिभागियों को कैंप में रखकर कोच द्वारा विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद ये खेलो इंडिया यूथ गेम्स में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स यहां पहली बार हो रहा है। खिलाड़ियों में काफी उत्साह है। राज्य खेल अकादमी के उप निदेशक मिथिलेश कुमार ने बताया कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स को लेकर संबंधित तैयारी पूरी की जा रही है। अधिकारी यहां आकर लगातार निरीक्षण एवं बैठक कर रहे हैं।

पान की खेती के लिए किसानों को मिलेगा अनुदान

नालंदा। राज्य सरकार ने पान की खेती को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। पान विकास योजना के तहत किसानों को 50 फीसदी अनुदान देने का प्रावधान किया गया है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि होने की उम्मीद है। इस योजना में राज्य के सात जिलों को शामिल किया गया है, जिनमें नालंदा भी एक है। नालन्दा के उद्यान विभाग के सहायक निदेशक राकेश कुमार के बताया, "पान विकास योजना में नालंदा का चयन किया गया है। खेती करने के इच्छुक किसानों को 50 फीसदी अनुदान मिलेगा। आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है और 25 मार्च तक आवेदन की आखिरी तिथि निर्धारित की गई है।" योजना के तहत नालंदा जिले में 10 हजार वर्गमीटर में पान की खेती का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। एक किसान कम से कम 100 वर्गमीटर से लेकर अधिकतम 300 वर्गमीटर तक के क्षेत्र में बरेजा बनाकर पान की खेती कर सकते हैं। सरकार प्रति 100 वर्गमीटर खेती करने पर 11,750 रुपए का अनुदान देगी। इसका मतलब है कि एक किसान अधिकतम 300 वर्गमीटर में खेती करके 35,250 रुपए तक का अनुदान प्राप्त कर सकता है। जबकि 300 वर्गमीटर में पान की खेती पर कुल लागत लगभग 70,500 रुपए आती है।

पात्रता और आवेदन प्रक्रियाः इस योजना का लाभ लेने के लिए किसान अकेले या समूह में खेती कर सकते हैं। हालांकि, एक महत्वपूर्ण शर्त यह है कि जो किसान एक या 2 साल पहले इस योजना का लाभ ले चुके हैं, वे आवेदन नहीं कर सकेंगे। नियमानुसार, एक बार लाभ लेने के बाद 3 साल तक दोबारा लाभ नहीं दिया जाएगा। आवेदन के लिए किसानों को अपना नाम, पता, आधार कार्ड, जमीन की अद्यतन रसीद और बैंक खाते की जानकारी देनी होगी। आवेदन "पहले आओ, पहले पाओ" के आधार पर स्वीकार किए जाएंगे।

नालंदा का महत्वः नालंदा के इस्लामपुर और राजगीर क्षेत्रों में मिलाकर लगभग 400 बीघे में पान की खेती होती है। विशेष रूप से बौरीसराय, बौरीडीह, खुदागंज और आसपास के गांव मगही पान के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध हैं। पान विकास योजना में नालंदा, शेखपुरा, नवादा, औरंगाबाद, गया, वैशाली और सारण को शामिल किया गया है।

विवाहित प्रेमिका के डांस से प्रेमी नाराज, गला घोटकर हत्या

निज संवाददाता। गया

गया में प्रेमी शिवा कुमार (30) ने शिवरात्रि के कार्यक्रम में डांस करने के कारण प्रेमिका विभा देवी (26) की गला घोंटकर हत्या कर दी। विभा शादीशुदा थी। विभा को डेढ़ साल की एक बच्ची भी है। घटना 1 मार्च की रात लुटुआ थाना क्षेत्र के कोठिलवा गांव की है। पुलिस ने महिला के प्रेमी शिवा ओर उसके देवर बबलू कुमार को गिरफ्तार किया है। दरअसल, गया के लुटुआ थाना क्षेत्र के कोठिलवा गांव में शिवरात्रि के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। विभा देवी अपने प्रेमी शिवा कुमार और देवर बबलू कुमार के साथ कार्यक्रम में पहुंची थी। वहां वो जमकर डांस कर रही थी। इसे लेकर दोनों में झगड़ा हुआ था। इसके बाद गुस्से में आकर प्रेमी शिवा कुमार ने विवाहित प्रेमिका विभा देवी की गला घोटकर हत्या कर दी। वहीं घटना की सूचना मिलते ही पुलिस एक्शन में आई और जांच शुरू कर दी। मृतका के मायके वालों ने ससुराल वालों पर ही हत्या की आशंका जताई थी। दरअसल, घटना के बाद ससुरालवाले गांव छोड़कर फरार हो गए थे, लेकिन पुलिस जांच में मामला प्रेम प्रसंग का निकला।

आखिरी बार शिवा और बबलू के साथ दिखी थी विभाः SDPO अमित कुमार ने बताया कि लुटुआ थाने को 1 मार्च को सूचना मिली थी कि कोठिलवा गांव में एक महिला की हत्या कर दी गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर पुलिस अधीक्षक और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, इमामगंज के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया। तकनीकी और फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर भेजा गया। पुलिस को छानबीन के दौरान जानकारी मिली कि विभा आखिरी बार शिवा और बबलू के साथ देखी गई थी। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू किया, जिसके बाद पूछताछ में शिवा कुमार ने हत्या की बात कबूल ली। उसने बताया कि मृतका से उसका प्रेम प्रसंग था। शिवरात्रि पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में डांस को लेकर दोनों में झगड़ा हुआ था। इसके बाद गुस्से में आकर उसने महिला की हत्या कर दी। SDPO ने बताया कि आरोपियों का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। SDPO ने बताया कि पुलिस टीम ने वैज्ञानिक अनुसंधान और पारंपरिक तरीकों से 24 घंटे के अंदर दो आरोपियों शिवा कुमार और बबलू कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

◆ शिवरात्रि पर प्रेमी और देवर के साथ पहुंची थी, दोनों गिरफ्तार, परिजन ससुरालवालों पर जता रहे थे शक

2022 में हुई थी शादीः विभा की शादी 2022 में सतीश से हुई थी। शिवा अक्सर सतीश के घर आता था। शादी के कुछ ही दिन बाद से ही सतीश, विभा पर शक करने लगा था। गांव वालों का कहना है कि सतीश बीते कुछ महीने से प्रदेश में कमाने चला गया था।

गया और नवादा के बीच वनडे क्रिकेट मैच

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा के एकंगरसराय खेल मैदान पर बिहार क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित डोमेस्टिक मेंस सीनियर वनडे क्रिकेट प्रतियोगिता में आज एक रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। गया और नवादा के बीच खेले गए इस मैच में गया की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरी जीत दर्ज की। टॉस जीतकर गया के कप्तान ने पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया, जिसके बाद नवादा की टीम ने बल्लेबाजी का आमंत्रण स्वीकार किया। नवादा ने अपने निर्धारित 50 ओवरों में 6 विकेट खोकर 347 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। नवादा के बल्लेबाजों ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया, जिसमें दीपक ने शतकीय पारी खेलते हुए 101 रन बनाए। इसके अलावा सुदर्शन (64 रन), सचिन (61 रन) और सुमन (59 रन) ने भी अर्धशतकीय पारियां खेलकर टीम के स्कोर को मजबूती प्रदान की। लक्ष्य का पीछा करते हुए गया की टीम ने कमाल की बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। टीम ने महज 43.4 ओवरों में ही 3 विकेट खोकर 352 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। गया की ओर से मंगल महरूर ने नाबाद 160 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें कई शानदार चौके और छक्के शामिल रहे। उनके अलावा रंजन ने 89 और गौतम ने 67 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिससे टीम को इस बड़े लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिली। इस जीत के साथ गया की टीम ने टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत दर्ज की है और प्रतियोगिता में अपनी स्थिति को और मजबूत कर लिया है।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना संख्या: डीटीई_जेएमपी_17/24-25, दिनांक: 03.03.2025। उप मुख्य यांत्रिक अभियंता (निर्माण), पूर्व रेलवे, जमालपुर, जिला-मुंगेर, बिहार-811214 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **कार्य का नाम:** जमालपुर, पूर्व रेलवे में रेलवे इकोलॉजिकल गोल्फ पार्क के ग्रीन पैचेस तथा पौधों की देखभाल एवं रखरखाव (दो वर्षों के लिए)। **विज्ञापित निविदा मूल्य:** ₹ 23,86,653। **बयाना राशि:** ₹ 47,000। **कार्य पूरा करने की अवधि:** 24 (चौबीस) महीना। **खुलने की तारीख:** 01.04.2025। (MISC-363/2024-25)
निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

वेना स्टेशन-रहुई रोड हॉल्ट पर एक जोड़ी ट्रेनों का ठहराव

निज संवाददाता। नालंदा

यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर दानापुर मंडल के बख्तियारपुर-बिहार शरीफ रेलखंड पर स्थित वेना स्टेशन और रहुई रोड हॉल्ट पर 01-01 जोड़ी ट्रेनों का प्रायौगिक तौर पर ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। जिनका विवरण निम्नानुसार है। 1. गाड़ी सं. 03249/03250 राजगीर-पटना-राजगीर एक्सप्रेस स्पेशल का वेना स्टेशन पर ठहराव - 4 मार्च से गाड़ी संख्या 03249 राजगीर-पटना एक्सप्रेस स्पेशल 15.58 बजे वेना स्टेशन पहुंचेगी। यहां से 16.00 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी और 5 मार्च से गाड़ी संख्या 03250 पटना-राजगीर एक्सप्रेस स्पेशल 11.02 बजे वेना स्टेशन पहुंचेगी। यहां से 11.04 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। 2. गाड़ी सं. 13233/13234 राजगीर-दानापुर-राजगीर इंटरसिटी एक्सप्रेस का रहुई रोड हाल्ट पर ठहराव - 4 मार्च से गाड़ी संख्या 13233 राजगीर-दानापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस 18.37 बजे रहुई रोड हॉल्ट पहुंचेगी और यहां से 18.38 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। 5 मार्च से गाड़ी संख्या 13234 दानापुर-राजगीर इंटरसिटी एक्सप्रेस 09.10 बजे रहुई रोड हॉल्ट पहुंचेगी।

◆ दानापुर मंडल के बख्तियारपुर-बिहार शरीफ रेलखंड पर सुविधा, आज से होगा स्टॉपेज

तालाब से प्राचीन मां लक्ष्मी की प्रतिमा मिली, नालंदा। नालंदा के सिलाव प्रखंड में नव नालंदा महाविहार यूनिवर्सिटी के पास एक तालाब की खुदाई के दौरान वर्षों पुरानी मां लक्ष्मी की एक प्राचीन प्रतिमा मिली है। कुछ दिन पहले तालाब की नियमित सफाई और गहरीकरण का कार्य चल रहा था। इस दौरान तालाब के किनारे मिट्टी का ढेर लगा हुआ था।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई–निविदा सूचना सं. एस.जी./डी.एस.ई./ओ.टी./04/25. वरीय मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता, पूर्व मध्य रेल, राष्ट्रपति के तरफ से ई–निविदा, अनुभवी ठेकेदार से निर्मित फार्म में नीचे दिए गए कार्यों के लिए आमन्त्रित करती है। 1. कार्य का नाम एवं स्थान : एसोसिएटेट एस एंड टी वर्क फॉर भैरियस इंजीनियरिंग टीबीआर, टीबीआर (टी/आउट), टीएफआर, टीटीआर (डीएस), टीआईआर (एफएस+सीएस+सीएमएससी), टीटीआर (पी), टीटीआर (एस), सीटीआर (पी)/सीटीआर (एसआईपी), टीएसआर (डी) एंड टीबीएसआर (एच–बीम) वर्क्स ईन डीडीयू डीविजन। 2. कार्य का अनुमानित मूल्य : ₹1,47,64,781.94 (एक करोड़ सैंतालीस लाख चौंसठ हजार सात सौ इक्यासी रूपये एवं चौरान्वे पैसे मात्र)। 3. धरोहर राशि : ₹2,23,800.00 (दो लाख तेईस हजार आठः सौ रूपये मात्र)। 4. ई–निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 24.03.2025 को 12.30 तक। 5. वेबसाईट का पता जहॉ से ई–निविदा का पूर्ण विवरण देखा जा सकता है : www.ireps.gov.in

म.सं. एवं दू.सं.अभि./
पूमरे/पं. दीन दयाल उपाध्याय
पीआर/02226/डीडीयू/एसएण्डटी/टी/24–25/32

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना संख्या: डब्ल्यूटीएबीडीसी डब्ल्यूसी-25-28, दिनांक: 27.02.2025। उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/सी, पूर्व रेलवे वर्कशॉप, कांचरापाड़ा, पिन-743145, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम एवं उसका स्थान :** 03 (तीन) वर्षों की अवधि के लिए कैरेज कॉम्प्लेक्स/ कांचरापाड़ा में 31644 अदद व्हील सेट का ट्रांसशिपमेंट, 31644 जोड़ियां (63288 अदद) एक्सल बॉक्स हाउसिंग की डिस्मैंटलिंग, व्हील सेट से सम्बंधित 31644 जोड़ियां (63288 अदद) विभिन्न सी एंड डब्ल्यू कॉम्पोनेन्ट तथा 3384 अदद 91 टीथ गियरों की सफाई। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 29,85,955.56। **जमा की जाने वाली बोली प्रतिभूति:** ₹ 60,000। **निविदा दस्तावेज की कीमत (टीडीसी):** शून्य। **कार्य पूरा करने की अवधि:** 03 (तीन) वर्ष। **वेबसाइट जहाँ से निविदा दस्तावेज उपलब्ध होगा:** निविदा दस्तावेज का सम्पूर्ण सेट 27.02.2025 से 21.03.2025 को दोपहर 2.00 बजे तक भारतीय रेल ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। **विज्ञापन अवधि:** 27.02.2025 से 21.03.2025 को दोपहर 2.00 बजे तक। **प्रस्ताव जमा करने की अवधि:** 15 (पंद्रह) दिन पहले से 21.03.2025 को दोपहर 2.00 बजे तक। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 21.03.2025 को दोपहर 2.00 बजे तक। **निविदा खुलने की तारीख एवं समय:** निविदा 21.03.2025 को अपराह्न 3.00 बजे या उसके बाद खोली जाएगी। **निविदा की वैधता :** 66 (छांछठ) दिन।
(MISC-361/2024-25)
निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना संख्या: टीआरडी-डब्ल्यूसी-टी-2024-25-30, दिनांक: 28.02.2025। वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी/पूर्व रेलवे, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए वैध विद्युतीय ठेकेदार का लाइसेंस एवं सुपरवाइजरी लाइसेंस रखने वाले तथा निम्नलिखित कार्य को आर्थिक रूप से पूरा करने में सक्षम सम्माननीय निविदादाताओं से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **निविदा केस संख्या: टीआरडी-डब्ल्यूसी-टी-2024-25-30। कार्य का नाम:** आसनसोल मंडल के खाना-प्रधानखूँटा खंड में 2x25 केवी ओएचई सिस्टम के कार्यान्वयन से सम्बंधित ओएचई परिसम्पत्तियों के बाकी बचे कार्य का प्रावधान। **निविदा मूल्य:** ₹4,57,39,619.89। **बयाना राशि:** ₹ 3,78,700। **निविदा खुलने की तारीख एवं समय:** 02.04.2025 को अपराह्न 3.00 बजे। **कार्य पूरा करने की अवधि:** स्वीकृति पत्र जारी किये जाने की तारीख से 12 (बारह) महीना। **कार्य हेतु प्रस्ताव की वैधता:** खुलने की तारीख से 45 दिन। सम्पूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है।
(ASN-361/2024-25)
निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

शिक्षकों के नवाचार और डिजिटल शिक्षा को मिलेगी नई उड़ान

निज संवाददाता। नालंदा

बिहार राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ गया है। राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, पटना (एससीईआरटी) तथा सरकारी शिक्षकों का डिजिटल समूह 'टीचर्स ऑफ बिहार' के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया है। यह समझौता एससीईआरटी के वेब पोर्टल के निःशुल्क विकास के लिए किया गया है, जिसे टीचर्स ऑफ बिहार की तकनीकी टीम द्वारा तैयार किया जाएगा। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान एससीईआरटी के निदेशक सज्जन आर. (आईएएस), संयुक्त निदेशक (प्रशासन) सुषमा कुमारी और टीचर्स ऑफ बिहार के संस्थापक शिव कुमार उपस्थित थे। यह पोर्टल राज्य के शिक्षकों के नवाचार, सीखने-सिखाने की कला को डिजिटल सामग्री तथा शैक्षणिक संसाधनों को साझा करने के लिए एक समर्पित मंच होगा। इस पहल से शिक्षकों के सतत व्यवसायिक विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

टीचर्स ऑफ बिहार, नवाचार का प्लेटफॉर्मः टीचर्स ऑफ बिहार शिक्षकों के नवाचारों को प्रोत्साहित करने वाला एक प्रमुख स्वैच्छिक प्लेटफॉर्म है, जो शिक्षकों के नेतृत्व में शिक्षा में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कार्यरत है। इस प्लेटफॉर्म की स्थापना सरकारी शिक्षकों की एक टीम द्वारा 20 जनवरी 2019 को की गई थी। कोरोना महामारी के दौरान टीचर्स ऑफ बिहार ने फेसबुक के माध्यम से ऑनलाइन कक्षाओं की व्यवस्था की थी, जिससे लाखों विद्यार्थी लाभान्वित हुए थे। यह साझेदारी शिक्षकों को मार्गदर्शक बनने की यात्रा में एक नई दिशा प्रदान कर रही है। इस पोर्टल का संपूर्ण तकनीकी विकास टीचर्स ऑफ बिहार के तकनीकी टीम लीडर इंजीनियर शिवेंद्र प्रकाश सुमन के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

डिजिटल शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए प्राथमिकताः टीचर्स ऑफ बिहार के तकनीकी टीम लीडर शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने कहा की शिक्षकों के नवाचारों और डिजिटल शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए तकनीक का प्रभावी उपयोग हमारी प्राथमिकता है। यह पोर्टल बिहार के शिक्षकों के डिजिटल परिवर्तन में मील का पत्थर साबित होगा। टीचर्स ऑफ बिहार के संस्थापक शिव कुमार ने कहा कि बिहार के शिक्षकों की योग्यता पर उंगली उठाने वाले लोगों के लिए एक संदेश के साथ शिक्षकों के नवाचार और डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देना हमारा मुख्य उद्देश्य है। टीचर्स ऑफ बिहार विगत छह वर्षों से राज्य के लिए निशुल्क कार्य कर रही है और आगे भी करती रहेगी। नालंदा जिला मेंटर्स अनूप कुमार सिन्हा ने इस समझौते को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह समझौता बिहार में शिक्षा के डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है। इसके तहत राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने की योजना है, जिससे शैक्षिक संसाधनों की उपलब्धता, पारदर्शिता और संवाद में सुधार हो सके।

पूर्व रेलवे

हावड़ा मंडल से यात्रा शुरू करने वाली 05 यात्री वाही ट्रेनों में 12 अदद एसएलआर के पार्सल की जगह को पट्टे पर देने हेतु दो चरणों में ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, चौथी मंज़िल, यात्री निवास, हावड़ा स्टेशन के नज़दीक, हावड़ा-711101 द्वारा आईआरईपीएस वेबसाइट के ई-नीलामी मॉड्यूल के जरिये दो वर्षों के लिए हावड़ा मंडल से यात्रा शुरू करने वाली 05 यात्री वाही ट्रेनों में 12 अदद एसएलआर के लिए दो चरणों में ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। विस्तृत नियम और शर्तों सहित अहस्तांतरणीय नीलामी कैटेलॉग वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। इस ई -नीलामी के लिए बोलियां वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ई-नीलामी मॉड्यूल के जरिये जमा करनी होगी। ई-नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए, मर्चेंट को वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में ई-नीलामी मॉड्यूल के जरिये एक बार पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। मर्चेंट को क्लास-III का डिजिटल सिग्नेचर भी लेना आवश्यक होगा। नीलामी कैटेलॉग का विवरण निम्नानुसार है। **क्रम संख्या:** 1। **नीलामी कैटेलॉग संख्या : पीसीएल-एचडब्ल्यूएच-एल25-3ए। ट्रेन:** 15235 अप हावड़ा-दरभंगा एक्सप्रेस का एफएसएलआर-I । **नीलामी शुरू होने की तारीख एवं समय:** 11.03.2025 को दोपहर 1.00 बजे। **क्रम संख्या:** 2। **नीलामी कैटेलॉग संख्या : पीसीएल-एचडब्ल्यूएच-एल25-3बी। ट्रेन:** 04 यात्री वाही ट्रेनों में 11 अदद एसएलआर। **नीलामी शुरू होने की तारीख एवं समय :** 17.03.2025 को दोपहर 1.00 बजे।
(HWH-645/2024-25)
निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें: @EasternRailway easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, मालदा, ऑफिस बिल्डिंग, पो. ऑ.-झलझलिया, जिला-मालदा, पिन-732102 (पश्चिम बंगाल) (नीलामी आयोजित करने वाले अधिकारी) मालदा मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर आउट ऑफ होम (ओओएच), रेलवे डिस्प्ले नेटवर्क (नॉन-डिजिटल एवं डिजिटल) नीति के अधीन विज्ञापन लॉट के लिए **www.ireps.gov.in** पर ई-नीलामी कैटेलॉग आमंत्रित करते हैं: **नीलामी कैटेलॉग संख्या: एडीवीटी-एमएलडीटी-25-4। नीलामी शुरू:** 17.03.2025। मालदा मंडल में आउट ऑफ होम (ओओएच) के लिए ई-नीलामी। **क्रम संख्या; एसईक्यू. संख्या; लॉट संख्या/श्रेणी** एवं **स्टेशन** निम्नानुसार हैं : **1**; एए/1; **एडीवीटी-एमएलडीटी-बीजीपी-ओएच-171-23-1**। **2**; एए/2; **एडीवीटी-एमएलडीटी-बीजीपी-ओएच-178-23-1**। **3**; एए/3; **एडीवीटी-एमएलडीटी-बीजीपी-ओएच-214-24-1**। **4**; एए/4; **एडीवीटी-एमएलडीटी-बीजीपी-ओएच-169-23-1**। **5**; एए/5; **एडीवीटी-एमएलडीटी-बीजीपी-ओएच-177-23-1** एवं भागलपुर (क्रम संख्या 1 से 5 प्रत्येक के लिए)।

मालदा मंडल में रेल डिस्प्ले नेटवर्क (डिजिटल) के लिए ई-नीलामी। **क्रम संख्या; एसईक्यू. संख्या; लॉट संख्या/श्रेणी** एवं **स्टेशन** निम्नानुसार हैं: **1**; एबी/1; **एडीवीटी-एमएलडीटी-एमएलडीटी-ओएसडी-190-23-1**। **2**; एबी/2; **एडीवीटी-एमएलडीटी-एमएलडीटी-ओएसडी-161-23-1** एवं मालदा टाउन (क्रम संख्या 1 एवं 2 प्रत्येक के लिए)।

मालदा मंडल में रेल डिस्प्ले नेटवर्क (गैर-डिजिटल) के लिए ई-नीलामी। **क्रम संख्या; एसईक्यू. संख्या; लॉट संख्या/श्रेणी** एवं **स्टेशन** निम्नानुसार हैं : **1** ; एसी/1; **एडीवीटी-एमएलडीटी-बीजीपी-ओएसएन-147-22-1** एवं भागलपुर। **2**; एसी/2; **एडीवीटी-एमएलडीटी-बीजीपी-ओएसएन-151-23-1** एवं भागलपुर। **3**; एसी/3; **एडीवीटी-एमएलडीटी-बीजीपी-ओएसएन-207-24-1** एवं भागलपुर। **4**; एसी/4; **एडीवीटी-एमएलडीटी-बीजीपी-ओएसएन-209-24-1** एवं भागलपुर। **5**; एसी/5; **एडीवीटी-एमएलडीटी-जेएमपी-ओएसएन-162-23-1** एवं जमालपुर। **6** ; एसी/6; **एडीवीटी-एमएलडीटी-बीजीपी-ओएसएन-215-24-1** एवं भागलपुर। **7**; एसी/7; **एडीवीटी-एमएलडीटी-बीजीपी-ओएसएन-150-22-1** एवं भागलपुर। **8**; एसी/8; **एडीवीटी-एमएलडीटी-बीजीपी-ओएसएन-149-22-1** एवं भागलपुर। **9**; एसी/9; **एडीवीटी-एमएलडीटी-एमएलडीटी-ओएसएन-195-23-1** एवं मालदा टाउन। **10**; एसी/10; **एडीवीटी-एमएलडीटी-एमएलडीटी-ओएसएन-196-23-1** एवं मालदा टाउन। **1 1** ; एसी/11; **एडीवीटी-एमएलडीटी-जेएमपी-ओएसएन-163-23-1** एवं जमालपुर। **12**; एसी/12; **एडीवीटी-एमएलडीटी-एनएफके-ओएसएन-219-25-1** एवं न्यू फरक्का। **13**; एसी/13; **एडीवीटी-एमएलडीटी-बीजीपी-ओएसएन-211-24-1** एवं भागलपुर। **14**; एसी/14; **एडीवीटी-एमएलडीटी-बीजीपी-ओएसएन-143-22-1** एवं भागलपुर। **15**; एसी/15; **एडीवीटी-एमएलडीटी-बीजीपी-ओएसएन-216-24-1** एवं भागलपुर। **16**; एसी/16; **एडीवीटी-एमएलडीटी-बीजीपी-ओएसएन-213-24-1** एवं भागलपुर। **17**; एसी/17; **एडीवीटी-एमएलडीटी-बीजीपी-ओएसएन-145-22-1** एवं भागलपुर। **18**; एसी/18; **एडीवीटी-एमएलडीटी-बीजीपी-ओएसएन-148-22-1** एवं भागलपुर। भावी बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे अधिक जानकारी के लिए आईआरईपीएस ई-नीलामी मॉड्यूल देखें।
(MLD-237/2024-25)
निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें: @EasternRailway easternrailwayheadquarter

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई–निविदा नोटिस सं.– डी.डी.यू/ईएल/जी/ई. निविदा/2024–25/22 दिनांक : 03.03.2025
मंडल रेल प्रबन्धक/विद्युत/सा./डी.डी.यू एवं भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी तथा वित्तीय एवं तकनीकि दृष्टि से सम्पन्न ठेकेदारों के साथ–साथ उन ठेकेदारों से जो रेलवे, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, भारत संचार निगम लिमिटेड, मिलिटरी इंजीनियर सर्विस, लोक निर्माण विभाग तथा अन्य सार्वजनिक उपक्रमों में सूचीबद्ध है, निम्नलिखित कार्य के लिए ऑनलाईन (ई–निविदा) आमंत्रित की जाती है।
1. कार्य क्षेत्र के साथ कार्य का नाम : सं. डी.डी.यू/ईएल/जी/पी/2024–25/12. विषय– डी.डी.यू मंडल के अन्तर्गत (क) जाखिम स्टेशन के यार्ड रिमाडलिंग के बढोत्तरी में डाउन लूप व अप लूप डिस्पैच सुविधा हेतु विद्युती कार्य करने के संबंध में। (ख) बगोही कुशा के अप लांग हाल लूप लाइन बढोत्तरी में विद्युती कार्य करने के संबंध में। (ग) गुरारू के ओभर रन लाइन के डाउन लूप लाइन में विद्युती कार्य करने के संबंध में। कार्य करने की कुल लागत : ₹72,22,180.64
2. कार्य क्षेत्र के साथ कार्य का नाम : सं. डी.डी.यू/ईएल/जी/पी/2024–25/13. विषय– डी.डी.यू मंडल के अन्तर्गत (क) जपला में शंटिंग निक लाइन न. 5 सोननगर साइड की बढोत्तरी में विद्युती कार्य करने के संबंध में। (ख) अनुग्रह नारायन रोड में हावड़ा इंड साइड शंटिंग क्रास ओभर एवं अप लूप लाइन में विद्युती कार्य करने के संबंध में। कार्य करने की कुल लागत : ₹19,84,550.32
3. कार्य क्षेत्र के साथ कार्य का नाम : सं. डी.डी.यू/ईएल/जी/पी/2024–25/14. विषय– डी.डी.यू मंडल के अन्तर्गत (क) कुदरा में यार्ड रिमाडलिंग के ओभर रन लाइन में अप एवं डाउन लूप लाइन में विद्युती कार्य करने के संबंध में। (ख) गंजख्वाजा में ओभर रन लाइन के अप लूप लाइन में विद्युती कार्य करने के संबंध में। कार्य करने की कुल लागत : ₹20,36,540.65
4. निविदा बंद करने की अंतिम तिथि एवं समय : 27.03.2025 15:00 बजे। 5. ई–निविदा वेबसाईट का विवरण : www.ireps.gov.in.

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सा.)/
पूमरे/पं. दीन दयाल उपाध्याय
पीआर/02227/डीडीयू/ईजीईएन/टी/24–25/60

पूर्व रेलवे

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के पास पंजीकृत समेत समरूप प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं आवश्यक वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से ऑनलाइन के जरिये निम्नलिखित ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **[वरिष्ठ मंडल अभियंता/3/हावड़ा]। ई-निविदा संख्या: 356_2024-25, दिनांक: 28.02.2025। कार्य का विवरण:** सहायक अभियंता/नबद्वीप धाम के अधीन एसएसई/डब्ल्यू/नबद्वीप धाम के खंड में बाघनापाड़ा, समुद्रगढ़, बालागढ़, सोमरा बाज़ार आदि पर टाइल बिछाकर प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ाकर प्लेटफॉर्म का सुधार तथा गेट लॉज के चारों तरफ ग्रिल तैयार करने के प्रावधान सहित समपार फाटक लॉज की मरम्मत एवं जीर्णोद्धार। **अनुमानित लागत:** ₹ 1,83,26,984.73। **बयाना राशि:** ₹ 2,41,600। **पूरा करने की अवधि:** स्वीकृति पत्र जारी किये जाने की तारीख से 06 (छः) महीना। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी/बंद/हड़ताल घोषित होने पर ऑनलाइन निविदा के बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में आवेदन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि, ऑनलाइन निविदा को अगले कार्य दिवस में खोला जाएगा। **निविदा बंद होने की तारीख और समय:** 21.03.2025 को दोपहर 2:00 बजे। निविदा का सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अनुरोध है कि वे उपर्युक्त वेबसाइट पर अपने प्रस्ताव ऑनलाइन जमा करें। ईएमडी और टीडीसी का भुगतान- ई-निविदा के सम्बन्ध में जमा बयाना राशि [ईएमडी] तथा निविदा दस्तावेज की कीमत [टीडीसी] का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के जरिये ही स्वीकार किया जायेगा। **द्रष्टव्य:** आईआरईपीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए जमा बयाना राशि के रूप में सावधि जमा रसीद (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे।
(HWH-642/2024-25)
निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

गया में आंगनबाड़ी सेविकाओं और सहायिकाओं ने किया प्रदर्शन

गया। गया में मंगलवार को बिहार राज्य आंगनबाड़ी सेविका सहायिका व कर्मचारी संघ के बैनर तले बड़ी संख्या में आंदोलनकारियों ने एक दिवसीय धरना दिया और एक बार फिर से अपनी आवाज बुलंद की। यह प्रदर्शन उनकी समस्याओं का समाधान नहीं होने पर किया गया। जानकारी के अनुसार, आंगनबाड़ी सेविकाओं और सहायिकाओं के बार-बार शिकायतें करने के बावजूद उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा। बिहार राज्य सेविका सहायिका संघ ने कई बार निदेशालय और संबंधित अधिकारियों से वार्ता की मांग की, लेकिन कोई ठोस कदम अब तक नहीं उठाया गया। जिसको लेकर उनलोगों ने यह कदम उठाया है।

जिला मंत्री ने कहा- पुराने मोबाइल, कम रिचार्ज से कैसे चलेगा डिजिटल कामः जिला मंत्री अंजू कुमारी ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन को डिजिटल बनाने के लिए सरकार ने समेकित बाल विकास योजना के तहत वर्षों पहले मोबाइल फोन उपलब्ध कराए थे लेकिन पिछले दो सालों से ये मोबाइल खराब पड़े हैं। सेविकाओं ने कई बार विभाग को सूचित किया, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। इसके अलावा सरकार की तरफ से केवल 200 का मोबाइल रिचार्ज दिया जाता है, जिससे पूरे महीने नेटवर्क बनाए रखना मुश्किल हो जाता है। सरकार द्वारा एफआरएस (फूड राशन सिस्टम) लागू करने का आदेश दिया गया है, लेकिन डिजिटल उपकरणों की खराब स्थिति के कारण इसे लागू करना कठिन हो रहा है।

ग्रेच्युटी और सरकारी कर्मचारी का दर्जा भी मांगः संघ ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का हवाला देते हुए ग्रेच्युटी भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की है। इसके अलावा, गुजरात हाईकोर्ट के फैसले को आधार बनाकर बिहार की आंगनबाड़ी सेविकाओं को सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने की मांग भी उठाई गई है।

पूर्णिया में 200 हिंदू परिवार अपने ही घरों में कैद, डीएम से समाधान निकालने की गुहार

रास्ते के विवाद को लेकर दो समुदाय में तनाव की स्थिति

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में रास्ते के विवाद में दो पक्ष आपस में भिड़ गए। मामला, बायसी थाना क्षेत्र के शर्मा टोली गांव का है, जहां रास्ता न होने से 200 हिंदू परिवार अपने ही घरों में कैद हो गए हैं। लोग पिछले 4 दशकों से निजी सड़क का इस्तेमाल कर अपने घरों तक आते जाते थे। हालांकि बाद में इस जमीन पर अपना दावा करते हुए एक समुदाय ने रास्ता बंद कर दिया। वहीं इस मामले को लेकर लोगों ने डीएम से रास्ते का समाधान निकालने की गुहार लगाई है।

पूजा-पाठ करने से भी रोका जाता है

पीड़ितों का कहना है कि उन्हें कच्चे और खराब रास्ते का इस्तेमाल करना पड़ता है। रास्ता न होने के कारण गांव में किसी की शादी हो पा रही है। साथ ही गांव में किसी की तबीयत अचानक से बिगड़ने पर उन्हें सही समय पर इलाज नहीं मिल पाता है। इतना ही नहीं विशेष समुदाय पक्ष के लोग उन्हें पूजा-पाठ करने से भी रोकते हैं और धार्मिक अवसरों पर लाउडस्पीकर तक बजाने से रोका जाता है। सोमवार को हिंदू समाज से जुड़े सभी ग्रामीण अपनी समस्याओं के साथ डीएम कुंदन कुमार से मुलाकात करने पहुंचे। आवेदन सौंप रास्ते का विवाद सुलझाने का आग्रह किया। ग्रामीणों ने बताया कि इस रास्ते की मांग को लेकर उन्होंने एसडीएम कोर्ट में फरियाद लगाई थी। एसडीएम कोर्ट ने उनके पक्ष में फैसला भी सुनाया, लेकिन बाद में सिविल कोर्ट में फैसला बदल गया और विशेष समुदाय के पक्ष में फैसला आया। इसके बाद उनलोगों ने जिले के ष्ठरूकुंदन कुमार को आवेदन देकर गांव तक जाने के लिए रास्ते की मांग की है।

12 डिसमिल जमीन के कारण 100 मीटर लंबा रास्ता बंद

ग्रामीण पुष्पा देवी, सुधा देवी, बिंद लाल शर्मा, सुमन कुमार ने बताया कि वो लोग पिछले चार दशक से भी अधिक वक्त से बायसी के शर्मा टोली गांव में रह रहे हैं। उनके इलाके के चारों तरफ मुस्लिम बस्ती है। उनके गांव तक जाने के लिए एक मात्र रास्ता है। इस पर विशेष समुदाय ने अपना दावा करते हुए रास्ता बंद कर दिया। महज 12 डिसमिल जमीन के कारण 100 मीटर लंबा रास्ता बंद हो गया है। उनका कहना है कि उन लोगों ने जमीन मालिक को रास्ते के लिए एक लाख रुपए भी दिए थे, लेकिन बाद में समाज के बढ़ते दवाब के कारण जमीन मालिक ने पैसा लौटा दिए। अब हालात ऐसे हैं कि गांव तक जाने के लिए चारों तरफ से रास्ता बंद कर दिया गया है। इसके कारण पिछले 6 महीने से उन्हें दूसरे रास्ते का इस्तेमाल करना पड़ रहा है। वो अपने ही घर में बंद हैं।

भागलपुर में बदमाशों ने किसान को मारी गोली, घायल

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर में सोमवार देर रात बदमाशों ने किसान मिथलेश कुमार को गोली मार दी। घटना, जिले के घोघा थाना क्षेत्र के कोडवार इलाके की है। मिथलेश खेत में चल रहे पटवन को देखने के लिए देर रात पहुंचा था। इसी दौरान बदमाशों ने उसपर फायरिंग कर दी। वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। फायरिंग की आवाज सुनकर घायल के परिजन मौके पर पहुंचे, इसके बाद घायल को इलाज के लिए मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में तैनात डॉक्टर ने घायल को एक्स-रे करवाने के लिए भेजे, करीब एक दर्जन एक्स-रे कराया गया, लेकिन बुलेट का पता नहीं चल पाया। फिलहाल उनका इलाज मायागंज अस्पताल में चल रहा है।

छानबीन में जुटी पुलिस : घायल मिथलेश ने बताया कि खेत में चल रहे पटवन को देखने के लिए गया था, अचानक से मेरे ऊपर गोली चलाई। जिसके बाद हम गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। तभी मेरे फुआ का बेटा आया। और उठाकर मायागंज अस्पताल पहुंचाया है।

उन्होंने आगे बताया कि किसी से कोई दुश्मनी नहीं है। गोली मेरे पर क्यों चलाया मुझे पता नहीं। घायल के फुफेरे भाई ने बताया कि गोली की आवाज सुनकर घटनास्थल पर पहुंचे इसके बाद मिथलेश अचेत अवस्था में जमीन पर पड़ा हुआ था। उनको किसी तरह अन्य स्वजनों के साथ मिलकर मायागंज अस्पताल पहुंचाया। जहां पर उसका इलाज किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

बाइक-ट्रक की टक्कर में एक की मौत, दूसरा घायल

रोहतास में मैच देखकर घर लौट रहे थे दोनों, इलाज के दौरान गई जान

सासाराम (रोहतास), एजेंसी। रोहतास के काराकाट थाना क्षेत्र में सोमवार की देर शाम बिक्रमगंज-डेहरी स्टेट हाइवे पर एक बाइक असंतुलित होकर ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान देवेंद्र चौधरी के इकलौते बेटे अंकित कुमार के रूप में हुई है। वहीं घायल की पहचान और उनके ममेरे भाई शुभम राज के रूप में हुई है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मंगलवार को शव को पोस्टमार्टम के लिए सासाराम स्थित सदर अस्पताल भेज दिया।

घर लौटने के दौरान हुआ हादसा : परिजनों ने बताया कि दोनों युवक मैच देखने गए थे। वापस लौटते समय यह हादसा हुआ। अंकित ने इसी साल बीएससी की पढ़ाई पूरी की थी और एसएससी की तैयारी कर रहा था। शुभम राज बिक्रमगंज निवासी जितेंद्र चौधरी का बेटा है। उसे गंभीर चोटें आई हैं और उसका इलाज जारी है।

बाढ़ में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल, सड़कों पर फैली गंदगी

सैलरी बढ़ाने की मांग, कहा- मजबूरन आंदोलन कर रहे हैं, कोई सुनने वाला नहीं

पटना, एजेंसी। बाढ़ नगर परिषद के 250 सफाई कर्मचारी वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर हड़ताल पर हैं। सोमवार से ही शहर में साफ-सफाई का काम ठप पड़ा है। सड़कों पर कचरा फैला हुआ है। गंदगी से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। कर्मचारियों का कहना है कि पहले सफाई का बजट 19 लाख रुपए था। तब भी उनका वेतन कम था। अब बजट बढ़कर 45 लाख रुपए हो गया है। इसके बाद भी वेतन में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। कोई सुनने वाला नहीं है। मजबूरन आंदोलन करना पड़ रहा है। डस्टबिन और अन्य सामानों की खरीद में बड़ी मात्रा में कमीशन लिया जा रहा है। नाली सफाई, सामान्य सफाई और डोर-टू-डोर सफाई के नाम पर तीन अलग-अलग चरणों में लाखों रुपए निकाले जाते हैं। सफाई एजेंसी के रंजन कुमार ने बताया कि 250 सफाई कर्मचारियों को बिहार सरकार के मानकों के अनुसार वेतन दिया जाता है। 40 लाख रुपए प्रति माह के खर्च में वेतन के अलावा वाहनों का मेंटेनेंस, पेट्रोल और अन्य खर्च भी शामिल है। वहीं, कार्यपालक पदाधिकारी संतोष कुमार रजक ने कर्मचारियों को समस्या के समाधान का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की मांगों को लिखित रूप में लेंगे।

होली पर बिहार के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला

पटना, एजेंसी। रंगों का त्योहार होली इस साल 14 मार्च को मनाई जाएगी. इस पर्व पर बिहार से बाहर रहने वाले लोग घर आते हैं. हालांकि ट्रेन में भीड़ के कारण टिकट नहीं मिल पाते हैं, जिस वजह से लोग घर नहीं आ पाते हैं. ऐसे में रेलवे ने होली स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है. पटना, दानापुर, छपरा और दरभंगा समेत कई स्टेशनों के लिए ट्रेन चलाई जाएंगी.

होली पर बिहार के लिए स्पेशल ट्रेन

रेलवे की ओर से उधना-पटना के बीच होली स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी, जबकि वलसाड-दानापुर के बीच भी होली स्पेशल ट्रेन चलाने की तैयारी चल रही है. इसके अलावे आनंद विहार से दरभंगा-रक्सौल से बरौनी-गोरखपुर से रांची के बीच भी होली स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी. रेलवे की ओर से उधना-पटना सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन का परिचालन 7 मार्च से 27 जून तक किया जाएगा.

पटना-पुरी स्पेशल ट्रेन

होली को देखते हुए पटना-पुरी स्पेशल ट्रेन की अवधि विस्तार भी जून तक कर दी गई है. यह ट्रेन 8 मार्च से 28 जून तक चलाई जाएगी. पुरी से पटना वाले आने वाले यात्रियों के लिए यह ट्रेन प्रत्येक शनिवार को चलाई जाएगी. वहीं वलसाड-दानापुर के बीच भी स्पेशल ट्रेन का परिचालन 30 जून तक होगा. यह ट्रेन प्रत्येक सोमवार को वलसाड से और प्रत्येक मंगलवार को दानापुर से चलाई जाएगी.

छपरा-आनंद विहार के लिए स्पेशल ट्रेन

छपरा से आनंद विहार के बीच भी बुधवार से स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी. आनंद विहार टर्मिनल से छपरा के लिए इस होली स्पेशल ट्रेन (संख्या 05114) का परिचालन प्रत्येक गुरुवार को होगा. इस ट्रेन में सामान्य श्रेणी के 6 कोच के अलावा 22 कोच होंगे. फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन चलाई जाने से होली में यात्रियों को काफी सुविधा होगी. वैसे अभी पूर्व मध्य रेलवे और अन्य ट्रेनों की भी घोषणा करने वाली है. बहुत जल्द दिल्ली-मुंबई-कोलकाता से भी बिहार आने वाले होली स्पेशल ट्रेन की घोषणा की जाएगी. सीपीआरओ, पूर्व मध्य रेलवे सरस्वती चंद्र का कहना है कि बहुत जल्द ही आनंद विहार दरभंगा आनंद विहार से दानापुर नई दिल्ली से पटना के बीच भी होली स्पेशल ट्रेन की घोषणा की जाएगी. फिलहाल आनंद विहार से छपरा के लिए एक होली स्पेशल ट्रेन कल से चलाई जाएगी.

उधना-पटना के बीच चलेगी ट्रेन

वहीं, इस ट्रेन की वापसी 8 मार्च से 28 जून तक करने का निर्णय लिया गया है. यह ट्रेन सप्ताह में एक दिन पटना से प्रत्येक शनिवार और एक दिन उधना से शुक्रवार को परिचालित की जाएगी. पटना से यह ट्रेन प्रत्येक शनिवार को एक बज कर 5 मिनट पर रवाना होगी. वहीं उधना से शुक्रवार को सुबह 8:35 पर रवाना होगी. इस ट्रेन का ठहराव दीनदयाल उपाध्याय, आरा, बक्सर और पटना में दिया गया है.

150 साल पुरानी राधा-कृष्ण की मूर्ति और मुकुट गायब, जांच में जुटी पुलिस

कटिहार, एजेंसी। कटिहार के पोठिया थाना क्षेत्र के लालचंद्र गांव स्थित ठाकुरबाड़ी से 150 वर्ष पुरानी राधा-कृष्ण की अष्टधातु की मूर्ति चोरी हो गई है। घटना के बारे में जानकारी देते हुए मंदिर के पुजारी श्याम तिवारी ने बताया कि रात में जब वे जागे तो मंदिर का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाकर देखा तो राधा-कृष्ण की मूर्ति और चांदी का मुकुट गायब था। जिसके बाद उन्होंने तुरंत मंदिर कमेटी और पुलिस को सूचित किया। स्थानीय पंचायत समिति सदस्य और सेवादार अमरेंद्र माधव के अनुसार, यह बेशकीमती मूर्ति उनके पूर्वजों द्वारा स्थापित की गई थी। मूर्ति की वास्तविक कीमत का अनुमान लगाना मुश्किल है। घटना की सूचना मिलते ही पोठिया थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। अपर थानाध्यक्ष अरविंद कुमार दल-बल के साथ जांच कर रहे हैं। उन्होंने जल्द ही मामले का खुलासा करने का आश्वासन दिया है। इस घटना से स्थानीय लोगों में आक्रोश है। मौके पर भारी संख्या में भीर जुट गई है।

लापरवाह थानेदार समेत तीन पुलिस अधिकारियों पर गिरी गाज, एसपी ने किया निलंबित

बक्सर, एजेंसी। बिहार के बक्सर में पुलिस कप्तान ने बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी समेत तीन पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है. जिससे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है. एसपी ने इस कार्रवाई के जरिये यह स्पष्ट कर दिया है कि ड्यूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. जिसके बाद अन्य पदाधिकारी भी सहम गए हैं. देर रात तक ग्रामीण सड़कों पर भी पुलिस पेट्रोलिंग करती नजर आ रही है.

थानेदार समेत तीन पर गिरी गाज

बक्सर पुलिस की सोशल मीडिया हैंडल से यह जानकारी उपलब्ध कराई गई है कि डुमरांव अनुमंडल अंतर्गत तिलक राय के हाता ओपी के थाना प्रभारी लाल बाबू सिंह, यातायात थाने में तैनात पुलिस अवर निरीक्षक दीपक कुमार और सहायक अवर निरीक्षक नरेश कुमार चौधरी को कर्तव्य में लापरवाही बरतने पर निलंबित कर दिया गया है. एसपी की इस कार्रवाई के बाद सिपाही से लेकर एसडीपीओ तक सतर्क हो गए हैं.

लापरवाही बरतने के आरोप में एक्शन

पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट कर दिया है कि लापरवाही बरतने वाले किसी भी पुलिसकर्मी को बख्शा नहीं जाएगा. पिछले दिनों क्राइम मीटिंग के दौरान ही उपस्थित पुलिस कर्मियों को एसपी ने सख्त निर्देश देते हुए स्पष्ट कर दिया था कि नागरिक सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले चाहे कोई भी अधिकारी हो, उनके ऊपर सख्त कार्रवाई होगी. जिसका असर सोमवार को देखने को मिला और तीन पुलिस अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया है.

नए अंदाज में एसपी से लेकर थानेदार

मिली जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने जिले में शांति-व्यवस्था को कायम रखने के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं. सतर्क बक्सर पुलिस, आठो पहर, शाम दोपहर समेत कई स्तर पर कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं. जिसका सकारात्मक परिणम भी आने लगा है. 24 म7 डायल 112 की टीम से लेकर, थानेदार, एसडीपीओ और खुद एसपी भी सड़कों पर देर रात दिखाई दे रहे हैं. जिसके कारण जिले में क्राइम कंट्रोल करने में पुलिस को लगातार सफलता मिल रही है.

शादी के लिए एक घंटा की रिहाई, फिर दूल्हा गया जेल, जिसके अपहरण में लगी हथकड़ी उसी के साथ लिए सात फेरे

सिवान, एजेंसी। बिहार के सिवान में अनोखी शादी की चर्चा खूब हो रही है. दरअसल, यह शादी एक आम लड़की और कैदी में हुई. मामला जिले के गोरिया कोठी थाना क्षेत्र से जुड़ा बताया जा रहा है. इस शादी में पुलिस और वकील गवाह बने.

प्रेम प्रसंग का मामला

बताया जा रहा है कि गोरिया कोठी थाना क्षेत्र के रहने वाले एक लड़का का लड़की से प्रेम प्रसंग चल रहा था. दोनों एक दूसरे को काफी पसंद करते थे, लेकिन दोनों के माता-पिता इस शादी के लिए तैयार नहीं थे. दोनों ने भाग कर शादी करने का फैसला किया.

प्रेमिका के अपहरण में जेल

एक साल पहले दोनों आपसी बातचीत के बाद कुछ दिन के लिए कहीं चले गए थे. भागने की तैयारी में थे तभी लड़की के परिजनों ने लड़का पर अपहरण का केस कर दिया. पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया.

एक घंटा के लिए रिहाई

बताया जा रहा है कि यह मामला करीब 1 साल से न्यायालय में चला रहा है. दोनों पक्ष की सुनवाई हुई और काफी बहस के बाद सोमवार को माननीय कोर्ट के द्वारा युवक को शादी के लिए एक घंटा के लिए जेल से रिहा किया गया.

जमानत के लिए करेंगे अपील

इस पल के गवाह वकील और पुलिसकर्मी बने. यह शादी काफी चर्चा का विषय भी बना हुआ है. अनोखी शादी को लेकर न्यायालय का भी लोग खूब तारीफ कर रहे हैं. दूसरी तरफ वकील भी इसी शादी के आधार पर जमानत दिलाने की कोशिश करेंगे ताकि नव विवाहित जोड़ा अपनी नई जिंदगी शुरू कर सके. अधिवक्ता प्रदीप कुमार शर्मा ने कहा कि लड़के और लड़की ने कोर्ट में आवेदन देते हुए अपील की थी कि हम दोनों अपनी शादी को हिंदू रीति रिवाजों के तहत स्थापित करना चाहते हैं. कोर्ट ने आदेश दिया कि एक घंटे के अंदर दोनों मंदिर में शादी करें और कोर्ट को सूचित करें. कोर्ट के आदेश पर शादी करायी गयी है.

शादी के बाद जेल

जैसे ही न्यायालय ने यह आदेश दिया, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आरोपी को न्यायालय परिसर में स्थित राधा कृष्ण मंदिर में लाया गया. पहले से प्रेमिका मौजूद थी. दोनों की हिंदू रीति रिवाज से शादी हुई और फिर दूल्हा को जेल भेज दिया गया.

पटना एयरपोर्ट से 43 जोड़ी फ्लाइट भड़ेंगी उड़ान

पटना, एजेंसी। बिहार में पटना एयरपोर्ट से अन्य शहर जाने को लेकर नया फ्लाइट शेड्यूल जारी कर दिया गया है. पहले पटना एयरपोर्ट से 39 जोड़ी फ्लाइट का परिचालन किया जा रहा था, उसको बढ़कर 43 जोड़ी किया गया है. पटना एयरपोर्ट से देवघर जाने वाले फ्लाइट को इंडिगो ने बंद करने का निर्णय लिया है. यात्रियों की संख्या कम होने के कारण ऐसा किया गया है, जबकि नए शेड्यूल में भुवनेशर दिल्ली कोलकाता और बेंगलूर के लिए एक-एक नई फ्लाइट दू गई है.

होली से पहले यात्रियों को तोहफा

मौसम सही होने के कारण अब पटना एयरपोर्ट से फ्लाइट का परिचालन सुबह 7:10 से लेकर रात 11:25 तक होगा. इससे पहले फ्लाइट का परिचालन सुबह 9 बजे से रात में 9:20 तक ही होता था. होली नजदीक आते

ही एयरलाइंस कंपनी ने दिल्ली के लिए एक जोड़ी फ्लाइट को बढ़ाया है. पहले पटना दिल्ली के बीच 12 जोड़ी फ्लाइट उड़ान भरा करती थी, जिसे अब 13 जोड़ी कर दिया गया है.

क्या है आखिरी फ्लाइट का टाइम?

वहीं मुंबई के लिए पहले की तरह 4, हैदराबाद के लिए 5, बेंगलुरु के लिए 6 से बढ़कर अब 7 जोड़ी फ्लाइट हो गए हैं. वहीं कोलकाता के लिए 3 से बढ़कर 4 जोड़ी फ्लाइट हो गए हैं पूरे कर के लिए रोजाना दो फ्लाइट हो गया है पटना एयरपोर्ट पर पहला विमान कोलकाता से सुबह 7:10 पर लैंड करेगा, जबकि आखिरी फ्लाइट पटना से बेंगलुरु जाएगी. जो रात में 11:00 बज कर 25 मिनट पर टेक ऑफ करेगी.

कई नई फ्लाइट की हुई शुरूआत

बता दें कि दिल्ली के लिए पटना एयरपोर्ट से पहले फ्लाइट सुबह में 8:30 पर होगी जो 10:00 करीब दिल्ली पहुंचाएगी. नई फ्लाइट की अगर बात करें तो कोलकाता पटना के लिए इंडिगो ने नई फ्लाइट सेवा शुरू की है. वहीं चंडीगढ़ पटना और भुवनेश्वर के लिए इंडिगो ने एक फ्लाइट शुरू की है. स्पाइस जेट ने दिल्ली-पटना के लिए एक जोड़ी फ्लाइट को बढ़ाया है, इंडिगो ने भी पटना-बेंगलुरु की एक फ्लाइट को शुरू किया है.

होली पर बिहार आने वाले यात्रियों के लिए राहत

वहीं होली को देखते हुए विमान कंपनियों ने पटना एयरपोर्ट से चार जोड़ी नए फ्लाइट की शुरुआत की है. जिसमें भुवनेश्वर, दिल्ली, कोलकाता और बेंगलुरु के लिए एक-एक जोड़ी विमान को कल से परिचालित किया जाएगा. यानी पटना एयरपोर्ट पर जो शेड्यूल जारी किया है. वह 5 मार्च से लागू हो जाएगा. निश्चित तौर पर होली पर्व में बिहार आने वाले यात्रियों के लिए यह राहत की खबर है.

अररिया की प्रज्ञा मेहंदी से बना रहीं बिहार का नक्शा, 18 मीटर लंबा होगा अनूठा मानचित्र

अररिया, एजेंसी। अररिया की एक युवा कलाकार प्रज्ञा ठाकुर ने बिहार के सांस्कृतिक धरोहर को एक अनूठे तरीके से प्रस्तुत करने का बीड़ा उठाया है। वह 18 मीटर लंबा बिहार का मानचित्र बना रही हैं, जिसमें राज्य के सभी 38 जिलों की सांस्कृतिक विरासत को दर्शाया जाएगा। कुर्साकाटा बाजार की रहने वाली प्रज्ञा अपने इस मानचित्र में स्थानीय साहित्यकार फणीश्वर नाथ रेणु और प्रसिद्ध काली मंदिर जैसी विरासतों को प्रमुखता से दिखा रही हैं। उन्होंने बताया कि पेंटिंग का शौक उन्हें अपने भाई से मिला, जो वर्तमान में सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे हैं।

मेहंदी से बनाती है पेंटिंग : इस विशेष मानचित्र की खास बात यह है कि इसमें रंग भरने के लिए मेहंदी का प्रयोग किया जाएगा। प्रज्ञा के अनुसार इस कार्य में लगभग 8-10 किलो मेहंदी की आवश्यकता होगी। उनका लक्ष्य है कि बिहार दिवस से पहले इस कलाकृति को पूरा करके जिला प्रशासन की प्रदर्शनी में प्रस्तुत करें। प्रज्ञा की कलात्मक महत्वाकांक्षाएं यहीं नहीं रुकतीं। वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उनकी एक प्रतिमा भेंट करना चाहती थीं। हालांकि प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में बदलाव के कारण यह संभव नहीं हो पाया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

दस्तावेज जमा करने का निर्देश

कौआकोल (नवादा) (नि.सं.)। कौआकोल प्रखण्ड में वर्षों से संचालित महिला छबैल दुग्ध उत्पादक सहकारी सहयोग लिमिटेड के सभी दस्तावेजों को जमा करने का निर्देश दिया गया है। उक्त आशय की जानकारी देते हुए कौआकोल बीसीओ अजीत कुमार एवं कुन्दन कुमार ने संयुक्त रूप से बताया कि सहकारिता विभाग के अधीनस्थ सभी समितियों का डाटा एनसीडी पोर्टल पर अपडेट करने का विभागीय निर्देश प्राप्त है। लेकिन कौआकोल प्रखण्ड में कई वर्षों से चल रहे छबैल दुग्ध उत्पादक सहकारी सहयोग लिमिटेड के कार्यकारिणी का कुछ भी पता चल नहीं रहा है। जिसके कारण डाटा अपडेट करने में परेशानी उत्पन्न हो रही है। बीसीओ ने कहा कि यदि उक्त समिति के कार्यकारिणी के कोई भी अध्यक्ष, सचिव या अन्य सदस्य उपलब्ध हैं,तो वे साक्ष्य एवं सम्बंधित आवश्यक दस्तावेज के साथ अविलंब कार्यालय अवधि में प्रखण्ड सहकारिता कार्यालय से सम्पर्क कर सकते हैं। अन्यथा समिति को निष्क्रिय मानते हुए परिसमापन हेतु विभाग के वरीय अधिकारियों को सूचित कर दिया जाएगा।

विकासमित्र को मातृशोक

कौआकोल (नवादा) (नि.सं.)। प्रखण्ड के सोखोदेवरा पंचायत के विकासमित्र व पावापुरी गोवरैया गांव निवासी जितेंद्र मांझी की माता जोवसवा देवी का मंगलवार की अहले सुबह हृदयाघात से निधन हो गया। वे लगभग 54 वर्ष की एक समाजसेवी महिला थी तथा पिछले कुछ समय से बीमार चल रहीं थी। मृतक महिला अपने गांव की पूर्व में वार्ड सदस्य पद पर भी रह चुकी है। तथा पीएचसी कौआकोल में आशा कार्यकर्ता भी थीं। लेकिन विगत कुछ माह पूर्व ही स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दे दी थी। समाजसेवी महिला जोवसवा देवी के निधन की खबर के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई। हम पार्टी के जिलाध्यक्ष अशोक मांझी, स्थानीय मुखिया रेखा देवी,समाजसेवी मंटू यादव,उपप्रमुख नवीन यादव, योगी त्यागनाथ, पूर्व मुखिया लीला देवी, सरपंच गोपाल रजक, उपसरपंच सरयुग ठाकुर, बैजनाथ मांझी आदि ने उनके निधन पर गहरा शोक जताया है।

बजट को सराहा ओंकार सिंह ने

रजौली (नवादा) (नि.सं.)। थाना क्षेत्र के हरदिया स्थित फुलवरिया डैम के पार जंगली क्षेत्र शराब धंधेबाजों के लिए सेफ जोन बना हुआ है। होली के मद्देनजर पुलिस एवं उत्पाद बलों के द्वारा लगातार की जा रही कार्रवाई के बाद भी शराब धंधेबाज शराब की खेंप विभिन्न गांवों एवं शहरी क्षेत्र में पहुंचाने से बाज नहीं आ रहे हैं। थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि वरीय पदाधिकारियों के निर्देशानुसार शराब निर्माण, परिवहन, भंडारण, बिक्री एवं सेवन के विरुद्ध लगातार छापेमारी अभियान पुलिस बलों के सहयोग से चलाई जा रही है। बीते सोमवार को गुप्त सूचना के आलोक में पुलिस बलों ने झराही के जंगली क्षेत्र से दो बाइकों पर लदे प्लास्टिक के गैलनों में रहे 150 लीटर देशी महुआ शराब को बरामद किया।साथ ही तीन शराब धंधेबाजों को भी गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार शराब धंधेबाजों में नावाडीह गांव निवासी राधे सिंह के पुत्र विजय सिंह उर्फ कारू, भाईजीभित्ता गांव निवासी हीरा यादव के पुत्र किशोरी यादव एवं रजौली निवासी रामदेव प्रसाद के पुत्र अमित कुमार है। थानाध्यक्ष ने बताया कि जब्त बाइक एवं शराब के अलावे गिरफ्तार लोगों के विरुद्ध बिहार उत्पाद अधिनियम के सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। वहीं गिरफ्तार शराब धंधेबाजों को मंगलवार को स्वास्थ्य जांच के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

मगही पान की खेती को मिलेगा बढ़ावा

नवादा (नि.सं.)। जिले में मगही पान की खेती का दायरा वर्ष 2024-25 में बढ़ाया जाएगा। पान विकास योजना के तहत डेढ़ लाख वर्गमीटर में पान खेती का लक्ष्य रखा गया है। जिला उद्यान विभाग के सहायक निदेशक विवेक कुमार भारती ने बताया कि प्रति 300 वर्गमीटर में पान खेती की लागत 70,500 रुपये है। किसानों को इस पर 50 प्रतिशत यानी 35,250 रुपये का अनुदान दिया जाएगा। योजना का लाभ लेने के लिए पान उत्पादक किसान 25 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। पान की खेती के लिए आवेदकों का चयन लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। चयनित किसानों को डीबीटी के जरिए भुगतान होगा। प्रति किसान न्यूनतम 100 से अधिकतम 300 वर्गमीटर के क्षेत्र के लिए अनुदान मिलेगा। इस योजना का लाभ लेने के लिए एफपीसी का सदस्य होना जरूरी नहीं है। इच्छुक किसान उद्यान निदेशालय की वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

शराब के खिलाफ सख्त कार्रवाई

नवादा (नि.सं.)। होली में व्यापक पैमाने पर शराबखोरी की आशंका को देखते जिले में छापेमारी तेज कर दी गयी है। पुलिस द्वारा शराब तस्करी, बिक्री व निर्माण की आसूचना पर लगातार कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में पुलिस ने पिछले 24 घंटे में अकबरपुर व गोविन्दपुर समेत अन्य थाना क्षेत्रों में व्यापक छापेमारी कर सात शराब भट्ठियों को ध्वस्त कर दिया। मौके से भारी मात्रा में शराब के साथ 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया। जिसमें दो विधि विरुद्ध बालक शामिल हैं। शराब परिवहन में प्रयुक्त तीन बाइक मौके से जब्त कर ली। इस दौरान कुल 645 लीटर देसी महुआ चुलाई शराब बरामद की गयी। ताजा घटनाक्रम में मंगलवार की सुबह अकबरपुर थाना क्षेत्र के छपरा गांव में छापेमारी कर पुलिस ने पांच शराब भट्ठियों को ध्वस्त कर दिया। मौके से 450 लीटर तैयार देसी महुआ शराब बरामद की गयी। जबकि 500 लीटर महुआ का घोल मौके पर विनष्ट कर दिया। एक बाइक मौके से जब्त की गयी व दो विधि विरुद्ध बालक को निरुद्ध कर दो को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार में छपरा गांव के मदन राजवंशी का बेटा राजू कुमार व स्व. लखन मांझी का बेटा गोविन्द मांझी शामिल हैं। एसएचओ पंकज कुमार सैनी ने बताया कि गुप्त सूचना पर टीम का गठन कर छापेमारी की गयी। छापेमारी में एएसआई नागेन्द्र कुमार व प्रभातचंद्र समेत अन्य शामिल थे। गोविन्दपुर पुलिस ने हरनारायणपुर गांव में छापेमारी कर दो शराब भट्ठियों को ध्वस्त कर दिया। 1000 लीटर महुआ का घोल मौके से बरामद किया गया। जिसे वहीं विनष्ट कर दिया। गिरफ्तारी नहीं हो सकी। मुफस्सिल व हिसुआ में शराब जब्तः- मुफस्सिल थाना क्षेत्र के भैरो बेलदारी गांव में छापेमारी कर पुलिस ने 15 लीटर महुआ शराब बरामद किया। किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी। प्राथमिकी दर्ज की गयी। वहीं हिसुआ के करमचक में 20 लीटर शराब के साथ एक गिरफ्तार किया गया। चितरघट्टी में छापेमारी कर 9.5 लीटर शराब बरामद की गयी। वहीं रजौली के जमुन्दाहा इलाके में छापेमारी कर 150 लीटर शराब के साथ दो बाइक जब्त की गयी। तीन तस्करों को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। दो बाइक जब्त कर ली गयी।

तालाब में डूबकर बच्चे की मौत

नवादा (नि.सं.)। जिले के नेमदारगंज थाना क्षेत्र के नेमदारगंज गांव में तिलक समारोह के दौरान 5 वर्षीय बच्चे की तालाब में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान सीतामढ़ी थाना क्षेत्र के कोपिन गांव निवासी वीरेंद्र पासवान के पुत्र कन्हैया कुमार के रूप में हुई है। कन्हैया अपने चचेरे भाई की तिलक समारोह में शामिल होने नेमदारगंज गांव आया था। घटना उस समय हुई जब कन्हैया शौच के लिए गया। इसी दौरान वह तालाब में डूब गया। परिवार के लोगों ने खोजबीन कर उसे तालाब से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। कन्हैया परिवार का एकलौता बेटा था और उसकी पांच बहनें हैं। शादी समारोह की खुशियां मातम में बदल गईं। मृतक की मां और परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। इकलौते बेटे की मौत से पूरा परिवार सदमे में है। तिलक समारोह में शामिल सभी लोगों पर गम का साया छा गया है। थाना प्रभारी राजीव कुमार ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है।

वाल्मीकिनगर में बनेगा एयरपोर्ट

बगहा (नि.सं.)। वाल्मीकिनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद सुनील कुमार ने कहा की बिहार सरकार के 2025-2026 के बजट में वाल्मीकिनगर में एयरपोर्ट बनाने की घोषणा की गई है। जिसका मै स्वागत करता हूं। उन्होंने कहा की इसके लिए मैं बिहार सरकार और केंद्र सरकार को हृदय से धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा की वाल्मीकिनगर में एयरपोर्ट के निर्माण के लिए विगत 6 फरवरी 2025 को केंद्रीय नगर विमानन मंत्री राम मोहन से भेंट किया था। राम मोहन दिल्ली में मेरे पड़ोसी भी हैं जिनसे कई बार अनौपचारिक मुलाक़ात के दौरान मैंने इस संबंध में निवेदन करता रहा हूँ। इसके पहले स्पीलिट एयर कम्पनी के प्रस्ताव के बाद 29 जुलाई को भारतीय विमान पतन प्राधिकरण की संयुक्त सचिव रुबीना अली से मिला था। संसद में भी मेरे द्वारा इस संबंध में सवाल उठाया जा चुका हैं।

यूनिवर्सिटी में छात्र संघ चुनाव के लिए तारीखें घोषित

PATNA - पटना यूनिवर्सिटी में छात्र संघ चुनाव को लेकर तारीखों की घोषणा कर दी गई है। यूनिवर्सिटी में छात्र संघ अध्यक्ष सहित सभी पदों के लिए 29 मार्च को वोटिंग होगी। वोटिंग का समय सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक का रखा गया है। वहीं शाम चार बजे से वोटों की गिनती होगी और उसी दिन देर शाम तक रिजल्ट भी जारी कर दिया जाएगा। पीयू में छात्र संघ इलेक्शन को लेकर कुलपति ने बताया कि फाइनल इलेक्टोरल रोल अपलोड करने की आखिरी डेट 6 मार्च है। 10-18 मार्च तक (अवकाश छोड़कर) सुबह 10 से शाम 3 बजे तक नॉमिनेशन फॉर्म खरीद सकते हैं। ये नॉमिनेशन फॉर्म 50/- के टोकन प्राइज पर स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर में मिलेंगे। इन्हीं तारीखों के दौरान 'नो एकेडमिक एरर' का सर्टिफिकेट भी जारी किया जाएगा। इसे कंट्रोलर ऑफ एग्जामिनेशन देगा। होली के बाद 17-19 मार्च तक नॉमिनेशन फाइल किया जाएगा। सभी नॉमिनेशन जेपी अनुशब्द भवन (व्हीलर सीनेट हाउस, पटना यूनिवर्सिटी) में किए जाएंगे। इसके बाद 20 मार्च की देर शाम तक सभी प्रत्याशियों की लिस्ट जारी की जाएगी। 21 मार्च दोपहर एक बजे तक आपत्तियां ली जाएंगी। 21 मार्च को ही दोपहर 3 बजे से जीआरसी (ग्रीवेंस रिड्रेसल सेल) बैठेगी और इन आपत्तियों पर सुनवाई करेगी। कुलपति ने बताया कि 21 मार्च की शाम 5 बजे, जीआरसी के डिस्कशन के बाद मामले की गंभीरता देखते हुए वीसी से डिस्कस किया जाएगा। वाइस चांसलर ने चुनाव कराने के लिए नौ प्रोफेसरों की कमेटी बनाई है। इनमें बायोकेमेस्ट्री डिपार्टमेंट के हेड प्रो. रजनीश कुमार को चीफ इलेक्शन ऑफिसर बनाया गया है। इसके अलावा प्रो. खगेंद्र कुमार, डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन को एडवाइजर और प्रो. बीरेंद्र प्रसाद (हेड, बॉटनी विभाग), प्रो. सुहेली मेहता(हेड, होम साइंस विभाग) को ऑब्जर्वर नियुक्त किया गया है। वहीं पॉलिटिकल साइंस डिपार्टमेंट की प्रो. पुष्पलता कुमारी, प्रो. राकेश रजंन समेत बीएन कॉलेज के डॉ. अभय प्रकाश, पटना कॉलेज की किरन कुमारी, पटना लॉ कॉलेज के सलीम जावेद, जूलॉजी डिपार्टमेंट के डॉ. जीबी चांद, पटना वीमेंस कॉलेज के डॉ. अवधेश कुमार और स्टेटिस्टिक्स डिपार्टमेंट के डॉ. कुमार सतेंद्र को मेंबर बनाया गया है।

बेख़ौफ़ बदमाशों ने गोली मारकर युवक की हत्या

निज संवाददाता | सासाराम (रोहतास)

रोहतास जिले के बिक्रमगंज कोर्ट के समीप एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मृतक की पहचान बरना निवासी सिगासन सिंह के 25 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार सिंह के रूप में हुई है। सोमवार शाम को, दीपक अपनी बहन के घर से लौट रहा था, तभी उसकी हत्या कर दी गई। एक 315 बोर की गोली और खोखा बरामद किया गया है।

सुलतानगंज से देवघर तक सरपट दौड़ेंगी गाड़ियां

निज संवाददाता | पटना

भागलपुर जिले में सुलतानगंज से देवघर तक एक नई फोरलेन सड़क का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना की लागत 534 करोड़ 53 लाख 59 हजार है। यह सड़क कांवरियों के लिए विशेष रूप से सुविधाजनक होगी, जिससे यात्रा को सुगम बनाया जा सकेगा। 534 करोड़ 53 लाख 59 हजार रुपये की लागत से भागलपुर जिले में सुलतानगंज-देवघर के बीच बिहार सीमा तक चार लेन सड़क का निर्माण किया जाएगा। सुलतानगंज, तारापुर, संग्रामपुर, बेलहर, कटोरिया, चांदन और दर्दमारा तक किमी 0 से 40 तक पहले चरण में चार लेन के लिए चौड़ीकरण और मजबूतीकरण का कार्य किया जाएगा। इस परियोजना को प्रशासनिक स्वीकृति भी प्राप्त हो चुकी है। इस सड़क के निर्माण से कांवरियों को सुविधा मिलेगी। सड़क का चौड़ीकरण और मजबूतीकरण का कार्य टेंडर की तकनीकी स्वीकृति मिलने के बाद प्रारंभ होगा। इसके अलावा, अन्य विभागों से अधिग्रहित मार्गों के मामले में विधिवत हस्तांतरण के बाद और यदि किसी मार्ग पर संबंधित विभाग द्वारा कार्य किया गया है, तो उसका रखरखाव अवधि पूरी होने के बाद कार्य किया जाएगा।

अस्पताल में इलाज कराने गए शिक्षक की बाइक को चुरा ले गए चोर, थाने को दिया लिखित आवेदन

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

मुख्यालय स्थित अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज कराने गए एक शिक्षक की बाइक को चोर चुरा ले गए। पीड़ित शिक्षक करमा कला गांव निवासी स्व. रामखेलावन प्रसाद के पुत्र सुनील कुमार ने बताया कि वे मध्य विद्यालय बलिया में शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं। उनकी तबियत अचानक खराब होने के कारण वे मंगलवार को दोपहर लगभग 12:30 बजे अपने बाइक स्प्लेंडर प्लस संख्या बीआर02एएन1628 से अनुमंडलीय अस्पताल परिसर पहुंचा एवं बाइक को अस्पताल परिसर में लॉक करके अंदर इलाज करवाने चला गया। अस्पताल में डॉ. दिलीप कुमार द्वारा छाती का एक्सरे करवाने को निर्देशित किया गया, जब वे एक्सरे करवाकर दवाई वगैरह लेकर बाहर आए, तो देखा कि बाइक अपने जगह पर नहीं था।उन्होंने कहा कि बाइक में हेलमेट भी लगा हुआ था। साथ ही बताया कि आसपास काफी खोजबीन किये जाने के बाद भी जब बाइक के बारे में कुछ भी पता नहीं चला, तो वे अपने सहकर्मी शिक्षक अजित कुमार को घटना के बारे बताए एवं थाना पहुंचकर लिखित आवेदन देकर चोरी गए बाइक के बरामदगी की गुहार लगाई है। वहीं शिक्षक नेता अजित सिंह ने कहा कि समाज के उत्थान में शिक्षक हमेशा सेवा करते रहते हैं, ऐसे में शिक्षकों की बाइक का चोरी होना बेहद निंदनीय है। उन्होंने कहा कि इसके पूर्व भी एक और शिक्षक के बाइक की चोरी हो चुकी है।शिक्षक नेता ने रजौली थानाध्यक्ष एवं नवादा पुलिस अधीक्षक से बाइक चोरों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। इस बाबत थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि बाइक चोरी को लेकर लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है। पुलिस मामले की पड़ताल में जुटी हुई है।

जुर्ग को धक्का मारकर भाग रहे बाइक सवार युवकों ने ट्रक में मारी टक्कर

निज संवाददाता | सासाराम (रोहतास)

जिले के काराकाट थाना अंतर्गत बेरैनी मोड़ एनएच 120 पर एक बुजुर्ग को धक्का मारकर भागने के क्रम में तीन बाइक सवार एक खड़ी ट्रक में जा घुस गए। इस हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना सोमवार की देर शाम लगभग 7:00 बजे हुई। बाइक पर सवार तीन युवक तेज रफ्तार में बिक्रमगंज की तरफ जा रहे थे। इस दौरान, 72 वर्षीय गुप्तेश्वर साह, जो इटवा गांव के निवासी थे, शौच के लिए मुख्य पथ पर जा रहे थे। तेज बाइक सवारों ने उन्हें जोरदार धक्का मार दिया, जिससे वह बुरी तरह घायल होकर सड़क के किनारे गिर गए। घटना के बाद, तीनों बाइक सवार मौके से भागने लगे, लेकिन अनियंत्रित होकर एक खड़ी ट्रक में जा घुसे। इस हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। गांव वालों की मदद से घायल बुजुर्ग को गोड़ारी सीएचसी पहुंचाया गया, जहां उनकी स्थिति को नाजुक बताते हुए बेहतर इलाज के लिए सासाराम के सदर अस्पताल भेजा गया। लेकिन, इलाज के दौरान बुजुर्ग की भी मौत हो गई। घायल बाइक सवारों को ग्रामीणों ने बिक्रमगंज के किसी निजी अस्पताल में पहुंचाया, जहां एक युवक की मौत की पुष्टि की गई। अन्य दो युवकों का इलाज चल रहा है और दोनों खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। काराकाट थानाध्यक्ष ने बताया कि परिजनों द्वारा आवेदन मिलने के बाद मामला दर्ज कर लिया गया है।

वीरेंद्र के विवादित बयान पर जदयू कार्यकर्ताओं का फूटा गुस्सा

निज संवाददाता | पटना

बिहार विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है। बजट सत्र के तीसरे दिन सदन में जोरदार हंगामा हुआ। सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायक एक दूसरे पर जमकर बरसे लेकिन इस दौरान राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने ऐसे शब्द का इस्तेमाल कर दिया जिससे बवाल मच गया। जिसके बाद से ही सत्ता पक्ष के नेता भाई वीरेंद्र का विरोध कर रहे हैं। जदयू ऑफिस के बाहर भाई वीरेंद्र के पोस्टर पर कालिख पोत कर कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जताई है। जदयू कार्यालय के बाहर कार्यकर्ताओं ने भाई वीरेंद्र को लेकर जमकर नारेबाजी की। राजद विधायक मुर्दाबाद के नारे से जदयू कार्यालय गूंज उठा। जदयू कार्यकर्ताओं ने कहा कि, भाई वीरेंद्र ने सदन में पेश किए गए इतिहासिक बजट को लेकर अपशब्द कहा और उसके बाद वो मुस्कुरा रहे थे, उन्होंने ये भी नहीं कहा कि गलती हो गया सॉरी, लेकिन वो तो हंसे जा रहे थे। ये दर्शाता है कि राजद विधायक मानसिक संतुलन खो चुके हैं। जदयू कार्यकर्ता ने कहा कि वो तेजस्वी यादव से मांग करते हैं कि जल्द से जल्द राजद विधायक पर कार्रवाई की जाएगी। जदयू ने कहा कि अगर तेजस्वी यादव कार्रवाई नहीं करते हैं तो अगला कार्रवाई उनपर ही होगा, पूरे बिहार में उनका विरोध किया जाएगा। जदयू ने कहा कि राजद विधायक अविलंब माफी मांगे नहीं तो कार्रवाई होगी।

कस्तूरबा से पढ़कर सफल हुई दो बेटियों को किया गया सम्मानित

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

प्रखंड परिसर स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में पढ़कर सफल हुई दो बेटियों मुन्नी कुमारी एवं टिंकी कुमारी को मंगलवार को फूलों का गुलदस्ता एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर विद्यालय के संचालक सत्येंद्र पाण्डेय, वार्डेन रेखा कुमारी, लेखपाल संतोष कुमार, शिक्षिका आशा रानी, सीमा कुमारी एवं रेणु कुमारी मौजूद रहीं। वार्डेन ने बताई कि बीते वर्ष 2008 में जोगियामारण पंचायत के तिलैया गांव निवासी रामवृक्ष दास की बेटी मुन्नी कुमारी एवं भड़रा गांव निवासी उमेश यादव की पुत्री टिंकी कुमारी ने बेहद कठिन परिस्थितियों में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय रजौली में छठी कक्षा में नामांकन करवाई थी। दोनों बेटियां आवासीय व्यवस्था के साथ-साथ गुणवतापूर्ण शिक्षा, मार्शल आर्ट, नृत्य, गायन, कंप्यूटर, सिलाई व कढ़ाई के अलावे खेल आदि में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती थी। कस्तूरबा विद्यालय से मिली आधारभूत शिक्षा एवं जीवन जीने की शैली से भविष्य में बेहतर करने की प्रेरणा मिली और कठिन परिश्रम के बाद उन्हें सफलता मिली। मुन्नी कुमारी ने बीपीएससी की परीक्षा उत्तीर्ण कर नेमदरगंज प्रखंड के नारपुर पकरिया गांव में स्थित श्री नेहरू स्मारक प्लस टू उच्च विद्यालय में शिक्षिका के पद पर कार्यरत हैं।वहीं टिंकी कुमारी सदर अस्पताल गया में डीसीसीसी पद पर कार्यरत हैं। सम्मान समारोह में बच्चों को संबोधित करते हुए मुन्नी कुमारी ने कही कि मेरा वास्तविक जन्म इसी विद्यालय परिसर में हुआ है। आज मैं जो कुछ भी हूं,उसमें इस विद्यालय का महत्वपूर्ण योगदान है। वहीं टिंकी कुमारी ने बताई कि आठवीं कक्षा के बाद आगे की पढ़ाई के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा। परिजनों के द्वारा बाल-विवाह के दिया गया और कम उम्र में ही वे तीन बच्चों की मां बन गई। लेकिन विद्यालय के वार्डेन एवं शिक्षिकाओं द्वारा दिए गए शिक्षा व संस्कार के कारण उन्होंने कभी हिम्मत नहीं हारी और सामाजिक एवं पारिवारिक संघर्ष के अलावे शारीरिक स्तर पर भी संघर्ष करते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त की। वहीं सम्मान समारोह में मौजूद इंटर विद्यालय के पूर्व प्रधानाध्यापक बालकृष्ण यादव के साथ अन्य शिक्षक व शिक्षिकाओं ने दोनों बेटियों को शॉल एवं गुलदस्ता देकर सम्मानित किया। इस दौरान कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में अध्ययनरत दर्जनों छात्राओं ने भी तालियां बजाकर उनका स्वागत किया।

शतचंडी महायज्ञ को लेकर निकाली गयी भव्य कलश यात्रा

निज संवाददाता | वारिसलीगंज (नवादा)

नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत खानापुर गांव देवी स्थान में नवनिर्मित देवी मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को ले 04 मार्च 2025 से 09 दिवसीय श्री शत चंडी महायज्ञ को ले हाथी- घोड़े, बाजे गाजे के साथ एक हजार से अधिक की संख्या में युवती व महिलाएं कलश यात्रा में शामिल हुई। जयश्री राम, जय हनुमान, जय मां वैष्णो देवी का नारा बुलंद करते महायज्ञ स्थल से गांव भ्रमण पश्चात कलश शोभायात्रा सड़क मार्ग से पटेल नगर, गुमटी रोड, जयप्रकाश चौक, मेन रोड, थाना चौक होकर शान्तिपुरम सूर्य मंदिर पहुंची, जहां पवित्र तालाब से वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच जल भराई की रश्म पूरी किया। पुनः उक्त रास्ते से वापस महायज्ञ स्थल तक पहुंची। कलश यात्रा में हाथी के अलावे दो दर्जन घोड़े, ऊंट, रंग बिरंगे रथ, झारखंड से आये पंजाबी भांगड़ा, डीजे, बैंड, पंच बजना, दर्जनभर पारम्परिक ढोल समेत बड़े बड़े महावीरी पताका लिए लोग जयघोष करते सम्पूर्ण रास्ते को भक्तिमय कर दिया। महायज्ञ स्थल पर बनारस समेत विभिन्न धार्मिक स्थलों से पहुंचे ब्राह्मण एवं धर्मानुरागी ग्रामीण पंडितों के द्वारा अग्नि उत्पन्न कर यज्ञ का शुभारंभ किया। महायज्ञ के प्रथम दिन की शाम को वृंदावन के व्यास घनश्याम दास जी महाराज ततपश्चात देश की जानी मानी सुप्रसिद्ध कथावाचिका देवी प्रतिभा के श्री मुख से श्रीमद्भागवत कथा प्रवचन आयोजित हुई। रात को वृंदावन की प्रसिद्ध रासलीला मंडली के द्वारा मनमोहक झांकी एवं कृष्ण लीला की प्रस्तुति दी गई। महायज्ञ के मंत्रोच्चारण एवं धार्मिक अनुष्ठानों से खानापुर समेत आसपास के ग्रामीणों में काफी उत्साह देखा गया। महायज्ञ स्थल पर भव्य यज्ञशाला, रासलीला मंच एवं पंडाल के अलावे मनोरंजन को ले झूला, ब्रेक डांस, रेल सवारी की चकाचौंध में बच्चे एवं युवा वर्ग मस्त नजर आए। इस क्रम में यज्ञ यजमान बने सपत्नीक अरुण कुमार गौतम एवं उनकी पत्नी लक्ष्मी देवी तथा प्रमोद कुमार के अलावे ग्रामीण सह यज्ञ आयोजन समिति के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह तथा सचिव गणेश सिंह, आचार्य हरिनंदन पांडेय, वार्ड 23 के पार्षद राम पदारथ सिंह, कोषाध्यक्ष राम अनुग्रह सिंह, मोसमा पैक्स अध्यक्ष मनोज प्रसाद, सुनील सिंह, भूषण सिंह, मार्बल विक्रेता देवेन्द्र सिंह मालीचक, राजीव, मनीष, रंजीत, कुंदन, धनंजय कुमार, चुन्नू यादव, पूर्व उपप्रमुख अमरेश मिस्त्री आदि लोगो को काफी उत्साहित व सक्रिय दिखे।

100 दिवसीय टी.बी. मुक्त भारत जन-जागरूकता भागीदारी अभियान आयोजित

निज संवाददाता | हाजीपुर (वैशाली)

स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा घोषित 100 दिवसीय टी.बी. मुक्त भारत जन-जागरूकता भागीदारी अभियान के तहत आज सेंट्रल सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, पटना में चिकित्सा निदेशक डॉ. सुबोध कुमार मिश्रा के नेतृत्व में एक जागरूकता सेमिनार आयोजित किया गया। यह सेमिनार ओ.पी.डी. परिसर में हुआ, जिसमें मरीजों और उनके परिजनों को टी.बी. के इलाज, बचाव और जागरूकता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इस अवसर पर डॉ. सुबोध कुमार मिश्रा ने स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा टी.बी. उन्मूलन योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में डॉ. अरविंद कुमार ओझा, डॉ. संध्या किरण, डॉ. संजय कुमार गुप्ता और डॉ. कौशल कुमार (अपर मुख्य चिकित्सा निदेशक, सी.एस.एस.एच, पटना) ने टी.बी. से संबंधित विस्तृत जानकारियां साझा कीं।

संज्ञा समिति ने पीड़ित परिवार से की मुलाकात

निज संवाददाता | नारदीगंज (नवादा)

थाना क्षेत्र के नारदीगंज स्थित पड़रिया गांव निवासी अर्जुन पांडेय व उनके परिजनों के साथ हाल के दिनों में दबंगों द्वारा बुरी तरह से मारपीट करते हुए बीभत्स घटना को अंजाम दिया गया था। इस मामले को लेकर संज्ञा समिति गयाधाम का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को पड़रिया गांव पहुंचे, और पीड़ित परिवार से मिलकर घटनाक्रम की जानकारी लिया। साथ ही घटना के बाद अभी तक आरोपियों पर किये जा रहे कार्रवाई की जानकारी भी लिया। संज्ञा समिति गयाधाम ने घटना की तीव्र निंदा करते हुए सभी अपराधियों की अभी तक गिरफ्तारी नहीं होने पर क्षोभ प्रकट किये।और इस कांड में अन्य आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग पुलिस अधीक्षक नवादा से किया है। प्रतिनिधि मंडल ने पीड़ित परिवार के प्रति सहानुभूति प्रकट किया,और आश्वासन दिया कि इन्हें न्याय दिलाने के लिए समिति उनके साथ खड़ी रहेगी। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में देवेन्द्र कुमार पाठक, मारुतीशरण मिश्र, देवेन्द्र नाथ मिश्र, डा० अजित मिश्र, श्याम मिश्र, लक्ष्मण सोती, बृजनंदन पाठक समेत अन्य रहे।

लग्जरी कार के इंजन में बने तहखाने से 62 बोतल विदेशी शराब बरामद, दो नाबालिगों को किया गया निरुद्ध

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

थाना क्षेत्र के बिहार-झारखंड सीमावर्ती क्षेत्र के चितरकोली स्थित समेकित जांच चौकी पर उत्पाद बलों ने एक लग्जरी कार के इंजन में बने तहखाने से 62 बोतल विदेशी शराब बरामद किया। साथ ही कार में सवार रहे दो नाबालिगों को भी निरुद्ध किया गया। उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि बिहार मद्दनिषेध एवं होली को लेकर जांच चौकी पर उत्पाद बलों के सहयोग से सघन जांच अभियान उत्पाद एसआई बब्लू कुमार के नेतृत्व में जारी है। इस दौरान झारखंड की ओर से आने वाली प्रत्येक छोटी एवं बड़ी वाहनों की सघन जांच की जाती है। मंगलवार की सुबह झारखंड की ओर से आ रही रिनॉल्ट क्विड संख्या जेएच02एपी6903 को जांच हेतु रुकने का इशारा किया गया। परन्तु कार सवार ने गति तेज कर दी और जांच चौकी से गाड़ी को भगाने लगे, जिसे थोड़ी दूर में रहे ट्रॉली को लगाकर रोका गया। साथ ही कार में सवार रहे दो लोगों को हिरासत में लेकर कार की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान बोनट के अंदर इंजन के पास छुपाकर रखे प्लास्टिक के बोरा एवं थैले के अलावे बने गुप्त तहखाने से कुल 62 बोतल विदेशी शराब बरामद किया गया। बरामद शराब में रॉयल स्टेज के 750 एमएल वाले 24 बोतल,375 एमएल वाले 23 बोतल एवं 180 एमएल वाले 15 बोतल है। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि शराब बरामदगी के बाद कार को जब्त करते हुए हिरासत में लिए लोगों से पूछताछ पर पता चला कि वे दोनों युवक नाबालिग हैं। साथ ही बताया कि वे झारखंड के कथंबा गांव से रजौली में शराब खाली करने को लेकर जा रहे थे। उत्पाद अधीक्षक ने कहा कि जब्त शराब एवं कार के अलावे विधि निरुद्ध बालकों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

बदलाव के लिए बिहार तैयार- शिवदीप लांडे दो दिवसीय दौरे पर मुंगेर पहुंचे पूर्व IPS

निज संवाददाता। मुंगेर

पूर्व IPS शिवदीप लांडे आईजी पद से इस्तीफा देने के बाद सोमवार को पहली बार मुंगेर पहुंचे हैं। वो दो दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचे हैं। उन्होंने मंगलवार की सुबह जमालपुर के जुबलीवेल चौक से रन फॉर सेल्फ कार्यक्रम की शुरुआत की। इस कार्यक्रम में सैकड़ों युवाओं ने उनका साथ दिया। इस दौड़ का रूट जुबलीवेल चौक से शुरू होकर सफियाबाद, छोटा मिर्जापुर, संदलपुर, कोणार्क मोड, कौडा मैदान और भगत सिंह चौक होते हुए मुंगेर के पोलो मैदान तक रहा। कुल 10 किलोमीटर की इस दौड़ में लांडे पूरे रास्ते युवाओं से मिलते और बातचीत करते रहे।

इस दौरान उनके साथ में उनकी पत्नी और बेटी भी थीं। मुंगेर में यह दौरा शिवदीप लांडे के लिए खास जगह है। उन्होंने यहीं से प्रशिक्षु आईपीएस के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी। मुंगेर सीमा में प्रवेश करते ही समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया गया। उन्होंने अपने परिवार के साथ कई ऐतिहासिक स्थलों का दौरा भी किया।

'रन फॉर सेल्फ' के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए पूर्व आईपीएस शिवदीप लांडे ने कहाः यह केवल शारीरिक फिटनेस के प्रति एक प्रयास नहीं है, बल्कि एक मुहिम है। इसके माध्यम से हम खुद में लाए गए सकारात्मक बदलाव से न केवल खुद को, बल्कि अपने परिवार, समाज, राज्य और देश को भी सशक्त बना सकते हैं।

उन्होंने इस मिशन के प्रति विश्वास जताते हुए कहा कि बिहार जल्द ही बदलाव के लिए तैयार होगा। शिवदीप लांडे ने बताया कि उनके आईपीएस कैरियर की शुरुआत मुंगेर से हुई थी, इसलिए उन्होंने इस कार्यक्रम की शुरुआत भी यहीं से करने का निर्णय लिया। आगे यह आयोजन अन्य जिलों में भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं में बदलाव लाना है।

जमालपुर में 164 साल पुराने दो आरओबी को किया ध्वस्त, नया बनेगा

जमालपुर। 164 साल पुराने एक बड़े और एक छोटे आरओबी को रेलवे प्रशासन ने रविवार को ध्वस्त कर दिया। अभयपुर में नए एफओबी की लॉन्चिंग और कजरा-मसूदन रेलवे स्टेशन के बीच गेट नंबर 31 और 23 पर अंडरग्राउंड पास का निर्माण भी पूरा हुआ। इसके लिए रेलवे ने सुबह 7:30 से 13:30 और 13:30 से 19:30 तक मेगा पावर और ट्रैफिक ब्लॉक लिया। इस दौरान कई ट्रेनों को रद्द किया गया। कुछ ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट किया गया। कई ट्रेनों का मार्ग बदला गया और कुछ को नियंत्रित कर चलाया गया। ट्रेनों के प्रभावित होने से यात्रियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी। स्टेशन पर दोनों पुल 1861-62 में बनाए गए थे रेलवे प्रशासन ने इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए। जंक्शन पर सुबह से ही माइकिंग कराई गई। दर्जनों इंजीनियर और 50 से अधिक कर्मचारियों की तैनाती की गई। पूरे कार्य की मॉनिटरिंग रेलवे कंस्ट्रक्शन विभाग के मुख्य अभियंता अनिल कुमार और सहायक उपमुख्य अभियंता हेमंत कुमार कर रहे थे। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, जमालपुर के दोनों पुल 1861-62 में अंग्रेजों ने बनाए थे। दोनों पुल अब जर्जर हो चुके थे। वर्तमान में भारी वाहन 100 टन से अधिक भार के होते हैं। बड़े पुल के समानांतर नया पुल 2022 में ही बन चुका था। अब जल्द ही वहां 12 मीटर चौड़ा नया एफओबी बनेगा। रेलवे ने कार्य सुबह 7:30 बजे शुरू करने की योजना बनाई थी, लेकिन डाउन आनंद विहार विक्रमशिला सुपरफास्ट ट्रेन 8:50 बजे जमालपुर पहुंची। ट्रेन के भागलपुर रवाना होने के बाद 9 बजे से कार्य शुरू हुआ। पहले पुल के ऊपर से गुजरने वाली इलेक्ट्रिक ओवरहेड वायर हटाए गए, फिर काम शुरू हुआ। रेलवे ने दो उच्च क्षमता वाले क्रेन मंगवाए। इनकी मदद से गार्टर को हटाकर दूसरी जगह शिफ्ट किया गया।

नग्न अवस्था में शराब तस्कर का मिला शव, अपराधियों ने चेहरे पर डाला केमिकल

मुंगेर। मुंगेर के धरहरा थाना क्षेत्र में बरमन्री मुखैला के पास से 45 वर्षीय व्यक्ति का नग्न अवस्था में शव बरामद हुआ है। सोमवार को चरवाहों ने सबसे पहले शव को देखा। शव के गुप्तांग पर कई चोट के निशान हैं। पुलिस ने बताया कि दो-तीन दिन पहले पीट-पीटकर हत्या की गई है। हत्यारों ने पहचान मिटाने के लिए शव के चेहरे पर केमिकल डाला और बरमन्री जंगल में छिपा दिया। घटनास्थल के पास से गैलन, कपड़े, चप्पल और एक थैला बरामद हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक जमालपुर थाना क्षेत्र का निवासी था और शराब तस्करी से जुड़ा था। बताया जा रहा है कि शराब माफिया के गांव की महिला से उसका प्रेम संबंध था। इसी कारण उसकी हत्या की आशंका जताई जा रही है।

जांच में जुटी पुलिसः धरहरा थाना प्रभारी संजीव कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। शव की पहचान होने तक उसे 72 घंटे तक सुरक्षित रखा जाएगा। पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एफएसएल टीम की जांच और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

बिहार बजट में 7 नए एयरपोर्ट का ऐलान, मुंगेर में छोटे विमानों की सेवा होगी शुरू

मुंगेर। बिहार विधानसभा में पेश हुए बजट 2025 में 7 नए एयरपोर्ट बनाने का प्रस्ताव पारित किया गया है। इस प्रस्ताव में मुंगेर को भी शामिल किया गया है। एयरपोर्ट के विस्तार और विमान सेवा शुरू होने से क्षेत्र के विकास को गति मिलने की उम्मीद है। स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर भी मिलेंगे। हालांकि, एयरपोर्ट का स्वरूप और विमान सेवाओं के प्रकार का विवरण अभी तय नहीं हुआ है। हाल ही में मुंगेर से 50 किलोमीटर दूर भागलपुर जिले के सुल्तानगंज में नए एयरपोर्ट निर्माण का बजट पेश किया गया है। मुंगेर के लिए छोटे विमानों की सेवा शुरू करने पर विचार किया जा रहा है। छोटे विमानों की सेवा शुरू होने से यात्री मुंगेर से देवघर, पटना, पूर्णिया और दरभंगा जैसे स्थानों तक आसानी से पहुंच सकेंगे। वहां से वे बड़े विमानों के जरिए देश-विदेश की यात्रा कर सकेंगे। यह प्रस्ताव अभी केंद्र सरकार की मंजूरी का इंतजार कर रहा है। जिला मुख्यालय स्थित फतेहाबाद हवाई अड्डा पर रनवे और लाउंज भवन बना हुआ है। लेकिन हवाई सेवा शुरू नहीं होने के कारण लाउंज के अंदर खिड़की के अलावा बिजली की सारी सामान चोरी हो गई है। वहीं, साफियाबाद हवाई अड्डा मैदान पर लोग क्रिकेट, फुटबॉल के अलावा विभिन्न तरह के खेल को खेलते हैं। साथ ही, सुबह शाम टहलने के अलावे लोग यहां पर वाहन चलाना भी सीखते है।

एक माह का वेतन मिला तो काम पर लौटे आउटसोर्सिंग कर्मी, 15 माह का है बाकी

मुंगेर। मुंगेर मुंगेर विश्वविद्यालय में एलाइट फाल्कन्स प्रा. लि. आउटसोर्सिंग के तहत कार्यरत करीब 72 कर्मियों को अब तक वेतन नहीं मिला है। विवि एवं संवेदक कंपनी एलाइट फाल्कन के बीच विवाद का खामियाजा इन कर्मियों को भुगतना पड़ रहा है। दरअसल विश्वविद्यालय एग्रीमेंट के अनुसार आउटसोर्सिंग कंपनी को भुगतान करती है और कंपनी इन कर्मियों को वेतन भुगतान करती है। जानकार बताते हैं कि एग्रीमेंट के अनुसार कंपनी कर्मियों को पहले भुगतान करेगी, उसके बाद विवि कंपनी को भुगतान करेगी। मगर वेतन भुगतान की अनिश्चितता को देखते हुए सोमवार को विवि में कार्यरत इन कर्मियों ने फिर से कार्य बहिष्कार कर दिया। हालांकि बाद में कुलपति प्रो. संजय कुमार, कुलसचिव कर्नल विजय कुमार ठाकुर एवं प्रॉक्टर प्रो. संजय भारती के आश्वासन पर कर्मी मान गए।

बिहार सरकार

बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद

आई0ए0एस0संघ भवन, पटना हवाई अड्डा के निकट, पटना-14.

Website : bceceboard.bihar.gov.in / Helpdesk : helpdesk.bceceboard@bihar.gov.in

विज्ञापन संख्या-बी.सी.ई.सी.ई.बी.(आई.टी.आई.सी.ए.टी.)-2025/02 दिनांक- 04.03.2025

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान प्रतियोगिता प्रवेश परीक्षा (ITICAT)-2025

Industrial Training Institute Competitive Admission Test (I.T.I.C.A.T.)-2025

बिहार राज्य के सभी सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (I.T.I.) के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद द्वारा आयोजित की जाने वाली औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान प्रतियोगिता प्रवेश परीक्षा-2025 के लिये निर्धारित प्रपत्रों में ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।

2. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान प्रतियोगिता प्रवेश परीक्षा (ITICAT)-2025 का आयोजन दिनांक 11.05.2025 को किया जायेगा।

3. Online आवेदन के लिये Registration करने की प्रारम्भिक तिथि 06.03.2025 और अंतिम तिथि 07.04.2025 निर्धारित है।

4. पर्षद के Website: bceceboard.bihar.gov.in पर ITICAT-2025 की उपलब्ध विवरण पुस्तिका में अभ्यर्थियों के लिए योग्यता/ अर्हता सम्बन्धी विस्तृत विवरण एवं आवश्यक निर्देशों को देखा जा सकता है।

5. बिहार राज्य अंतर्गत राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के कुल सीटों में से 25% सीटों पर नामांकन के लिए राज्य के सभी जिलों के अभ्यर्थी पात्रता-प्राप्त हैं।

6. Online आवेदन प्रक्रिया / विशेष जानकारी के लिए विज्ञापन संख्या-बी.सी.ई.सी.ई.बी.(आई.टी.आई.सी.ए.टी.)-2025/01 दिनांक 04.03.2025 पर्षद के वेबसाईट bceceboard.bihar.gov.in पर देखें।

परीक्षा नियंत्रक

JHARKHAND URJA SANCHARAN NIGAM LIMITED
CIN: U40108JH2013SGC001704
Regd. Office: SLDC Building, Kusai Colony, Doranda, Ranchi – 834002, JH
Phone: 0651-2400804 Website: www.jusnl.in
Office of the General Manager Transmission Zone – IV, Medininagar (Daltonganj)
Address-Sudna, Daltonganj e-mail : gmtzdal@gmail.com

Short E- Tender Notice

e-NIT No. 429 /PR/ JUSNL/ 2024-25

E- Tender is invited in two parts i.e. Technical Part (Part–I) and Price Part (Part–II) from reputed, capable, experienced and financially sound firm / agency / contractor for the following work:-

Name of Work	Outsourcing of manpower (Highly skilled/ skilled/ITI trained and Unskilled Khalasi/ supporting staff) for operational work of Grid sub stations under Transmission Zone-IV, Medininagar for the period from 01.04.2025 to 31.03.2026.
Period of Work	01.04.2025 to 31.03.2026.
Tender fee (Non-refundable)	Rs. 11,800.00/- (Rupees Eleven Thousand Eight Hundred) only
Earnest Money Deposit	Rs. 5,75,500.00/- (Rupees Five Lakh Seventy Five Thousand Five Hundred) only.
Availability of Tender Do cuments on e-tender website	From 05.03.2025 at 03.00 PM to 19.03.2025 upto 4:00 PM
Start Date and time of upload of BID	05.03.2025 at 03:00 PM
End date and time of upload of BID	19.03.2025 upto 04:00 PM
BID Opening date for Technical Part (Part-I)	20.03.2025 at 12:30 PM
BID Opening date for price part	Will be communicated later on
Tender Inviting Authority and address for communication	General Manager, Transmission Zone-IV, Medininagar, Byepass Road, Sudna, Near Sinchai Vibhag, Medininagar – 822101, Jharkhand

1. e-Tender document and BOQ including terms & conditions, tender specification can be downloaded from website http://jharkhandtenders.gov.in. Any details / clarification required in this regard can also be obtained from the office of the undersigned during office hours. Please contact 7488012827 for any enquiry.
2. The bids will be received through electronic tendering mode only.
3. Bidder shall deposit tender fee & EMD as mentioned above through online mode as per rules of e-tendering portal.
4. If there is sudden announcement of holiday by Govt. or Nigam on the date of opening of tender/ last date of submission of bid then the next working day will be considered.
5. No claim shall be entertained on account of disruption of internet services being used by bidders. Bidders are advised to upload their bids well in advance to avoid last minute technical snag.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतों को टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager
Transmission Zone-IV, Medininagar

PR 347795 Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd(24-25)D

अभिहित अधिकारी–सह–अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी पलामू।

विज्ञापन

पत्रांक...../ खा0सु0 दिनांक...../

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के आदेशानुसार सभी खाद्य कारोबारी एवं प्रतिष्ठानों को FoSTac कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरान्त प्रमाण पत्र लेना अनिवार्य हैं। FoSTac/Fortification Related Traning/Audit of High Risk Businesses Eat Right School/Hygiene Rating dk;Zdze FSSAI ds Empanelied एजेन्सी के माध्यम से कराया जाना है। सदर मेदिनीनगर, हुसैनाबाद एवं छतरपुर अनुमण्डल क्षेत्र के सभी खाद्य प्रतिष्ठानों को FoSTac कार्यक्रम के तहत् प्रशिक्षण लेना अनिवार्य है। FoSTac dk;Zdze FSSAI द्वारा सूचीबद्ध संस्थानों के द्वारा किया जाना है।

सदर मेदिनीनगर, हुसैनाबाद एवं छतरपुर अनुमण्डल क्षेत्र में FoSTac/Fortification Related Traning/Audit of High Risk Businesses Eat Right School/Hygiene Rating कार्यक्रम कराने हेतु इच्छुक एजेन्सी से Quotation/Tendar आमंत्रित किया जा रहा है। FoSTac/Fortification Related Traning/Audit of High Risk Businesses Eat Right School/Hygiene Rating कार्यक्रम इच्छुक सूचीबद्ध संस्थान अभिहीत अधिकारी–सह–अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी ,पलामू में स्वयं उपस्थित होकर या कार्यालय ईमेल में विज्ञापन निकलने के एक सप्ताह के अन्दर नीचे दिये गये कंडिकावार कागजात उपलब्ध कराया सुनिश्चित करें।

(1) एजेन्सी को Government-e- Marketplace (GeM) पोटल पर निबंधन होना अनिवार्य है।

(2) FoSTac/Fortification Related Traning/Audit of High Risk Businesses Eat Right School/Hygiene Rating कार्यक्रम में प्रशिक्षण एवं आकलनकर्ता को FSSAI द्वारा प्रमाणिकृत होना अनिवार्य है।

(3) ट्रेनिंग हेतु निर्धारित द्वारा FSSAI के गाईडलाईन के अनुरूप होना चाहिए।

(4) प्रशिक्षण कार्यक्रम की अवधि भारतीय सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा निर्धारित समयावधि से कम नहीं होनी चाहिए।

(5) प्रशिक्षण प्रारंभ करने के समय शल्य लेने के पश्चात् प्रतिभागी की प्राप्ती रसिद अनिवार्य से देना होगा ।

(6) अभिलेखा यथा नामांकरण प्रपत्र आधार कार्ड के साथ उपस्थित पंजी अनिवार्य से संधारित कर 10 दिनों के अन्दर संबंधित जिले के खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी को समर्पित करना होगा।

(7) प्रशिक्षण से पूर्व एवं बाद में सभी प्रतिभागीयों के साथ सामूहिक फोटो खिंचवाना अनिवार्य है।

(8) प्रत्येक बैच के प्रशिक्षण का 03 मिनट का विडियों बनाकर अनिवार्य रूप से संबंधित जिले के खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी को भेजना होगा।

(9) एजेन्सीयों द्वारा किसी विषय से संबंधित प्रशिक्षण हेतु स्थान एवं उसकी जानकारी संबंधित जिले के अभिहीत अधिकारी सह–अनुमण्डल पदाधिकारी एवं खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी को आवश्यक रूप से उपलब्ध कराना अनिवार्य है।

(10) प्रशिक्षण हेतु स्थान इलेक्ट्रॉनिक डाटा पोजेक्टर,हवाईट बोर्ड, फ्लीप चार्ट आदि की व्यवस्था संबंधित एजेन्सी द्वारा किया जाएगा।

(11) प्रशिक्षण एव कार्यक्रम से संबंधित जानकारी की प्रचार–प्रसाद एजेन्सीयों के द्वारा किया जाना अनिवार्य है।

(12) प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरान्त प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्रतिभागियों को एजेन्सीयों द्वारा किया जाना अनिवार्य है।

(13) एजेन्सी द्वारा पूर्व में कराये गये सभी कार्यक्रमों का अनुभव प्रमाण–पत्र / Feedback (यदि हो तो) उपलब्ध कराया जाय।

FoSTac/Fortification Related Traning/Audit of High Risk Businesses Eat Right School/Hygiene Rating कार्यक्रम हेतु ईच्छुक एजेन्सी उपयुक्त सभी कंडिकाओं का अक्षरशः अनुपालन करते हुए शपथ–पत्र अभिहीत अधिकारी–सह–अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, पलामू को उपलब्ध करायें।

(कार्यालय Email.Id- acmopalamu 2017@gmail.com)

अभिहित अधिकारी–सह–
अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, पलामू।

PR 347777 (District) 24-25 (D)

कार्यालयः- जिला मत्स्य पदाधिकारी सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,पलामू

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना 01/2025–26

निदेशक मत्स्य, झारखण्ड राँची के पत्रांक 268/दिनांक 11/02/2025 के आलोक में वर्ष 2025–26 में तालाब एवं जलाशय मत्स्य का विकास योजना के अन्तर्गत जिला पलामू में भारतीय मेजर कार्प मत्स्य स्पॉन, फ्राईकैंचिंग नेट/जाल, फार्मुलेटेड फ्लोटिंग फीड एवं मैश फीड की आपूर्ति हेतु हैचरी संचालक मत्स्य स्पॉन उत्पादक सह आपूर्तिकर्त्ता से मुहरबन्द निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0	सामग्री का नाम	अधिकत्तम दर राशि
1	मत्स्य स्पॉन	550/– प्रति लाख
2	मैश फीड Extruded Mash Feed.	–
3	फ्राईकैचिंग नेट/चटजाल (साईज 100′ x 15′) फीट	2000/– रू0 प्रति इकाई
4	फार्मुलेटेड फ्लोटिंग फीड (1mm, 2mm, 3mm एवं 4mm)	–

निविदा की अहर्त्ताएँ निम्नलिखित है :–

1. निविदादाता का नाम – जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, पलामू।
2. निविदा की राशि – 46 लाख (अनुमानित) एवं फार्मुलेटेड फिश फीड का राशि – 7.40 लाख रू0 मात्र (अनुमानित)
3. मत्स्य स्पॉन के निविदा का अग्रधन राशि – 100000/–,फीड का अग्रधन राशि– 22200/– एवं जाल का अग्रधन राशि 22200/– रू0 मात्र (क्र0 01 में वर्णित नाम से पलामू डालटनगंज में भुगतेय बैंक ड्राफ्ट)
4. निविदा डालने का स्थान – जिला मत्स्य कार्यालय, पलामू।
5. निविदा डालने की तिथि एवं समय – 12/03/2025 एवं 11बजे से 12:45 बजे अपराह्न तक
6. निविदा खुलने की तिथि एवं समय – 12/03/2025 एवं 02 बजे अपराह्न
7. निविदा की विस्तृत शर्ते www.palamu.nic.in एवं कार्यालय के सूचना पटट पर देखा जा सकता है।
8. दिनांक 12/03/2025 को अपराह्न 02 बजे, उपायुक्त, पलामू द्वारा गठित समिति के समक्ष निविदादाता अथवा उनके प्रतिनिधि की उपस्थिति में उप विकास आयुक्त, पलामू के कार्यालय कक्ष में निविदा खोली जायेगी।

मो0 कमरूज्जमाँ
जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,पलामू

PR 347746 Fish(24-25).D

Government of Jharkhand
Urban Development & Housing Department
Medininagar Municipal Corporation

e-Procurment Very Short Tender Notice (2nd Call)

Sl. No	Tender id	Name of work	Estimate	Earnest Money	Tender Fee	Completion of Work
		Part – A				
1	UDHD/MMC /35/2024-25	Construction of Rain Water Harvesting in Difference Place at Govt. Building under Medininagar Municipal Corporation (8 Nos.)	22,63,927/-	45,300/-	5,000/-	4 माह
		Part – B				
1	Date Of Publication Of Tender		05/03/2025 At 10:00 AM			
2	Date Of Publication Of Tender On Website		05/03/2025 At 10:00 AM			
3	Mode Of Submission Of Bids		E-Tendering Http//:Jharkhandtenders.gov.in			
4	Date Start Of Submission Of Bids		05/03/2025 At 10:00 AM			
5	Last Date/Time Of Submission Of Bids		15/03/2025 AT 05:00 PM			
6	Date Of Bid Opening		17/03/2025 AT 10:00 AM			
7	Name & Address Of Office Inviting Tender		Municipal Commissioner, Medininagar Municipal Corporation			
8	Contact No. Of Procurement Officer		9430783582, 8409756635 & 9386849354			
9	Helpline Number Of E-Procurement Cell		9430783582, 8409756635 & 9386849354			

NOTE :- Only E-Tender will be accepted. Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in & Notice Board office of the Medininagar Municipal Corporation

ह0/–
नगर आयुक्त –सह– प्रशासक
मेदिनीनगर नगर निगम

PR 347766 District(24-25).D

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, गढ़वा

निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 (आर0टी0ई0) के अंतर्गत सत्र 2025–26 में प्रवेश कक्षा के 25 प्रतिशत सीट पर नामांकन से संबंधित सूचना

निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 12(1)(ग) एवं विभागीय अधिसूचना संख्या–237 दिनांक–16.02.2016 के अनुपालन में गैर सरकारी सहायता प्राप्त निजी विद्यालय (अल्पसंख्यक छोड़कर) के प्रवेश कक्षा में 25 प्रतिशत सीटों पर पड़ोस के (क्रमशः 1 कि0मी0, 3 कि0मी0, अंततः 6 कि0मी0 दूरी सीमा तक) अभिवंचित समूह (अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अत्यंत पिछड़ा वर्ग, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक समुदाय, 40% से अधिक निःशक्त बच्चे एवं अनाथ बच्चे) एवं कमजोर वर्ग (जिनके परिवार की सभी स्त्रोतों से वार्षिक आय रू0 72,000.00 से कम हो) के बच्चों का नामांकन पूर्ण किया जाना है।

अभिभावकों की सुविधा के लिए सूचित किया जाता है कि (क) पास पड़ोस की दूरी सीमा का निवासी होने के लिए पालक/अभिभावक का आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र, मनरेगा जॉब कार्ड, राशन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, बिजली बिल जिसमें उनका नाम एवं निवास का पता अंकित हो, मान्य होंगे, (ख) अभिवंचित एवं कमजोर वर्ग की मान्यता के लिए पालक/अभिभावक का जाति प्रमाण पत्र, निःशक्त बच्चे के लिए चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा निर्गत निःशक्तता प्रमाण पत्र एवं आय के लिए अंचलाधिकारी द्वारा निर्गत आय प्रमाण पत्र मान्य होगा, (ग) प्रवेश कक्षा 1 में नामांकन हेतु 5 वर्ष 6 माह से 7 वर्ष के बीच होगी एवं (घ) उम्र की गणना 31 मार्च 2025 होगी। आवेदन कार्यालय के वेबसाईट https://rtegarhwa.in पर ऑनलाईन 05.03.2025 से 20.03.2025 तक भरा जायेगा।

आवेदन पत्र एवं प्रमाण पत्रों के सत्यापन के क्रम में कोई भी गलत प्रमाण पत्र संलग्न किये जाने की पूरी जवाबदेही संबंधित पालक/अभिभावक की होगी तथा दावेदारी निरस्त कर दी जायेगी। आवेदन हेतु निम्न तालिका के कॉलम 02 में विद्यालय का नाम अंकित है। कॉलम 04 में प्रवेश कक्षा/कक्षाओं में कुल सीटों की संख्या एवं कॉलम 05 में आर0टी0ई0 नामांकन हेतु 25 प्रतिशत सीटों की संख्या अंकित है।

क्र.सं.	विद्यालय का नाम एवं पता	प्रखण्ड	कक्षा 01 की क्षमता	25 प्रतिशत कोटा
01	02	03	04	05
1	बी.एस.के.डी. पब्लिक स्कूल, नवादा मोड़, गढ़वा	गढ़वा	120	30
2	जी0एन0 कॉन्वेन्ट स्कूल	गढ़वा	40	10
3	साउथ प्वाईंट पब्लिक स्कूल, गढ़वा	गढ़वा	40	10
4	शांति निकेतन स्कूल, तिलदाग, गढ़वा	गढ़वा	40	10
5	ब्राईट फ्यूचर स्कूल, सोनपुरवा, गढ़वा	गढ़वा	40	10
6	बी0पी0डी0ए0भी0 पब्लिक स्कूल, फरठिया, गढ़वा	गढ़वा	40	10
7	ए0आर0डी0 पब्लिक स्कूल, नहर रोड, विशुनपुर, गढ़वा	गढ़वा	40	10
8	जेम्स मिशन स्कूल, सोनपुरवा, गढ़वा (नियर रेलवे स्टेशन)	गढ़वा	40	10
9	कौटिल्य विद्यालय, खजुरी, गढ़वा	गढ़वा	40	10
10	सी0पी0 मेमोरियल स्कूल, सहिजना, गढ़वा	गढ़वा	40	10
11	जे0पी0एस0 सेन्ट्रल स्कूल, पटेल नगर, दीपवां, गढ़वा	गढ़वा	60	15
12	आर0के0 पब्लिक स्कूल, सोनपुरवा, गढ़वा	गढ़वा	80	20
13	ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, टंड़वा, गढ़वा	गढ़वा	40	10
14	मिशन म0वि0 भण्डरिया	भण्डरिया	40	10
15	एस0जी0एन0 मॉडर्न किन्डर गार्टेन, मेराल	मेराल	80	20
16	एस0डी0 मेमोरियल एकेडमी, मेराल	मेराल	50	12
17	एन0पी0एस0गुरूकुलम स्कूल, मेराल	मेराल	40	10
18	सरस्वती ज्ञान मंदिर, रंका	रंका	40	10
19	अपग्रेडेड नर्सरी इंग्लिस स्कूल, बुका, भवनाथपुर	भवनाथपुर	40	10
20	होलीफेथ पब्लिक स्कूल, डंडई	डंडई	80	20
21	सृजन पब्लिक स्कूल, डंडई	डंडई	80	20
22	आर0के0 पब्लिक, बंशीधर नगर उँटारी	नगर उँटारी	40	10
23	एम.के. इंटरनेशनल स्कूल, नगर उँटारी	नगर उँटारी	48	12
24	आर0के0 पब्लिक स्कूल, उंचरी मझिऑव	मझिऑव	40	10
25	ब्राईट स्टार पब्लिक स्कूल, बिरबल, सगमा	सगमा	120	30
	कुल–		1352	339

इच्छुक अभिभावकों से आग्रह है कि अपने पाल्य के नामांकन हेतु उसी विद्यालय के लिए ऑनलाईन आवेदन करेंगे जो उनके पास–पड़ोस में अवस्थित है। विशेष जानकारी के लिए संबंधित विद्यालय में सम्पर्क किया जा सकता है।

अतएव जिले के सभी आमजनों से अनुरोध है कि सरकार के इस महत्वपूर्ण योजना के तहत बच्चों के निःशुल्क शिक्षा हेतु ऑनलाईन नामांकन के लिए अधिकाधिक व्यक्तियों को प्रेरित करेंगे।

नोट :–

1. आवेदकों की सुविधा हेतु झारखण्ड शिक्षा परियोजना कार्यालय, गढ़वा के प्रवेश द्वार के सामने हेल्प डेस्क कार्य करेगा, जिसमें फॉर्म भरने एवं संबंधित जानकारी उपलब्ध करायी जाएगी।
2. इच्छुक अभिभावकों से अनुरोध किया जाता है कि अपने पाल्य के नामांकन हेतु उसी विद्यालय के लिए आवेदन पत्र समर्पित करेंगे, जो उनके पास पड़ोस (क्रमशः 1 कि0मी0, 3 कि0मी0, अंततः 6 कि0मी0 दूरी सीमा तक) में अवस्थित है तथा जहां उनके पाल्य के उम्र अनुरूप प्रवेश कक्षा की सुविधा उपलब्ध है।
3. कृपया निम्नलिखित विकल्प में से प्रत्येक का कोई एक प्रमाण प्रस्तुत करेंगे :

* जन्म प्रमाण–पत्र का प्रमाण :
जन्म, मृत्यु एवं विवाह प्रमाण–पत्र अधिनियम के अंतर्गत जन्म प्रमाण–पत्र।

** आवास प्रमाण–पत्र का प्रमाण :
1. बच्चे का नाम वाले पिता/माता के नाम पर जारी राशन कार्ड/बी0पी0एल0 राशन कार्ड।
2. बच्चे का या उसके माता–पिता के निवास का प्रमाण–पत्र।
3. माता–पिता/अभिभावक में से किसी एक का निवास का प्रमाण–पत्र।
4. माता–पिता/अभिभावक में से किसी एक का बिजली बिल/टेलीफोन बिल।
5. आधार कार्ड।
6. माता–पिता/अभिभावक में से किसी एक का जॉब कार्ड।

*** आय प्रमाण–पत्र का प्रमाण :
अंचलाधिकारी द्वारा जारी आय प्रमाण–पत्र।

**** अभिवंचित वर्ग का प्रमाण :
1. उपायुक्त/अनुमण्डलाधिकारी/अंचलाधिकारी कार्यालय द्वारा जारी जाति प्रमाण–पत्र।
2. सरकारी अस्पताल का चिकित्सा प्रमाण पत्र यदि बच्चा निःशक्त हो।
3. अनाथ बच्चे की स्थिति में अंचलाधिकारी/मुखिया/वार्ड कमिश्नर द्वारा जारी प्रमाण–पत्र।

जिला शिक्षा अधीक्षक–सह–
अपर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
झारखण्ड शिक्षा परियोजना, गढ़वा।

PR 347762 Higher Education Directorate(24-25)D

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

10 साल से सदर अस्पताल का आईसीयू बंद

आरा। सदर अस्पताल में 10 साल से आईसीयू बंद पड़ा है। इसमें आश्चर्यजनक बात। संसाधन मौजूद हैं, लेकिन मरीजों को सुविधा नहीं मिल रही है। 2 अक्टूबर 2014 को सदर अस्पताल में 3 बेड का आईसीयू शुरू हुआ था। तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री रामधनी सिंह, स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव और जिलाधिकारी ने इसका उद्घाटन किया था। लेकिन डेढ़ महीने में ही स्टाफ की कमी के कारण इसे बंद कर दिया गया। 20 जुलाई 2023 को तत्कालीन डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने सदर अस्पताल को मॉडल बनाते हुए मॉडल आईसीयू का उद्घाटन किया। लेकिन सिर्फ उद्घाटन सिर्फ दिखावा होकर रह गया। आज तक आईसीयू की सेवा शुरू नहीं की गई। 10 बेड के इस आईसीयू में 6 वेंटिलेटर समेत सभी आधुनिक उपकरण लगे हैं। फिर भी मरीजों को ना आईसीयू की सुविधा मिल रही, ना वेंटिलेटर की। इस हालत में आईसीयू में लगी मशीनें खराब होने लगी हैं। कमरे में ताला लगा रहता है। आईसीयू किसी भी अस्पताल की अहम इकाई होती है। यहां गंभीर मरीजों का 24 घंटे इलाज होता है। भास्कर की पड़ताल में सामने आया कि अस्पताल में आईसीयू चलाने के लिए एक्सपर्ट डॉक्टर और ऑपरेटर ही नहीं हैं। अस्पताल प्रशासन ने स्टाफ की कमी का हवाला देकर पल्ला झाड़ लिया। सदर अस्पताल में आईसीयू के सभी संसाधन उपलब्ध रहने के बावजूद आईसीयू की सेवा मरीज को नहीं मिलना अस्पताल प्रशासन पर सवालिया निशान खड़ा करता है। बड़ा सवाल यह कि सदर अस्पताल में इतने डॉक्टर और कर्मी रहने के बावजूद10 वर्षों में भी अस्पताल प्रशासन आईसीयू को संचालित करने के लिए कोई निदान नहीं निकाल पाया।

युवकों ने अधेड़ को घूंसा बेल्ट व ईंटों से मारा, घायल

आरा| शहर के धोबी घटवा मोड़ के पास रोड-रेज के घटना में बाइक सवार कुछ युवकों ने एक बाइक पर सवार अधेड़ को बुरी तरह घूंसा और बेल्ट से पीटा। चेहरा पर ईटों से प्रहार किया। युवक घायल अधेड़ व्यक्ति का मोबाइल फोन भी लेकर चंपत हो गए। घटना सुबह करीब 7:30 बजे की है। बताया जा रहा कि एक बाइक पर दो अधेड़ व्यक्ति जा रहे थे। तभी बगल से गुजर रहे एक पर बाइक सवार दो युवकों से हार्न बजाने या गाड़ी टकराने को लेकर विवाद हो गया। इसके बाद यूको के साथ अन्य बाइक से जा रहे युवक अधेड़ व्यक्ति के खिलाफ एकजुट हो गए। बाइक चला रहे अधेड़ को बुरी तरह पीटकर लहुलुहान कर दिया। इस घटना के दौरान मोर के पास सड़क पर अफरा-तफरी रही।

100 लीटर देसी शराब बरामद

कोईलवर| चांदी थाने की पुलिस ने जमीरा रोड से एक बाइक पर लदे 100 लीटर देसी शराब को बरामद किया है। शराब ढोने में प्रयुक्त बाइक को पुलिस ने जब्त किया है। थानाध्यक्ष राकेश कुमार रौशन ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के जमीरा रोड से एक बाइक पर लदे 100 लीटर देसी शराब बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि शराब व बाइक को जब्त कर थाने लाया गया है।

पत्नी से विवाद व कर्ज को ले दो युवकों ने खाया जहर

आरा। अलग-अलग घटनाओं में दो युवकों ने जहरीला पदार्थ खा लिया। जिससे उनकी हालत बिगड़ गई। इलाज के लिए दोनों को सदर अस्पताल लाया गया। उदवंतनगर थाना क्षेत्र के खलिसा गांव में सोमवार को पत्नी से फोन पर विवाद के बाद युवक ने जहर खा लिया। जहर खाकर 26 वर्षीय पप्पू कुमार ने आत्महत्या की कोशिश की, लेकिन परिजनों ने समय रहते उसे अस्पताल पहुंचा दिया। पप्पू, खलिसा गांव के कृष्णा सिंह का पुत्र है। सोमवार सुबह वह पत्नी से फोन पर बात कर रहा था। इसी दौरान दोनों में विवाद हो गया। घर में चना की फसल पर छिड़काव के लिए रखा गया रसायनिक पदार्थ उसने खा लिया। कुछ देर बाद उसकी हालत बिगड़ने लगी। परिजन उसे तुरंत सदर अस्पताल ले गए, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं, अधिक कर्ज के बोझ से परेशान युवक ने जहर खाकर आत्महत्या की कोशिश की। मामला टाउन थाना क्षेत्र के आनंद नगर मोहल्ले का है। 38 वर्षीय प्रभुषण पाठक ने सोमवार सुबह जहर खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे सदर अस्पताल ले गए, जहां से डॉक्टरों ने पटना रेफर कर दिया। प्रभुषण, आनंद नगर मोहल्ले के भैरव पाठक का बेटा है। परिजनों के मुताबिक, उसने आसपास के लोगों से काफी कर्ज ले रखा था। लोग पैसे वापस मांग रहे थे, जिससे वह तनाव में था। इसी तनाव में उसने जहर खरीदा और खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिवार ने उसे अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के मुताबिक उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है।

गली में फायरिंग करने वाले तीन किशोरों पर प्राथमिकी

बक्सर। गली में खड़े होकर अवैध पिस्टल से फायरिंग करना तीन किशोरों को महंगा पड़ गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों को पकड़ लिया। आवश्यक पूछताछ के बाद पुलिस ने उन्हें न्यायालय को सुपुर्द कर दिया है। एसडीपीओ धीरज कुमार ने बताया कि शनिवार को दो किशोरों द्वारा पिस्टल से फायरिंग करने का एक वीडियो सामने आया था। पुलिस ने वीडियो का सत्यापन कर आरोपियों की पहचान सिंडिकेट क्षेत्र के निवासियों के रूप में की। इसके बाद पुलिस ने दोनों को गंगा घाट से पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान उन्होंने कबूल किया कि पिस्टल उनके एक तीसरे दोस्त ने दी थी। जोश में आकर वे गली में खड़े होकर फायरिंग करने लगे थे। इस खुलासे के बाद पुलिस ने हथियार उपलब्ध कराने वाले तीसरे किशोर को भी हिरासत में ले लिया। तीनों को अग्रेतर कानूनी कार्रवाई के लिए न्यायालय को सौंप दिया गया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

भोजपुर। भोजपुर में मंगलवार को अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौत हो गई। मृतक धनगाई थाना क्षेत्र के बोधा टोला गांव निवासी अक्षय चौधरी का 35 वर्षीय बेटा रामजी चौधरी है। पेशे से मजदूर था। बताया जा रहा कि रामजी चौधरी पत्नी से मिलने अपने ससुराल जा रहा था। हादसे के बाद उसे गड़हनी पीएचसी ले जाया गया। अस्पताल पहुंचने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना गड़हनी-अगिआंव मार्ग पर गड़हनी थाना क्षेत्र के धमनियां पुल स्थित रत्नाढ़ मोड़ के पास की है।

स्थानीय लोग अस्पताल ले गए: मृतक के भाई संजीव कुमार ने बताया कि वह बाइक से गड़हनी थाना क्षेत्र के पोसवां गांव अपने ससुराल जा रहा था। उसी दौरान धमनियां पुल स्थित रत्नाढ़ मोड के समीप किसी अज्ञात वाहन उसके बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। स्थानीय लोग उसे इलाज के लिए गड़हनी पीएचसी ले गए। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजवा दिया। मृतक अपने चार भाई में दूसरे स्थान पर था। उसके परिवार में मां मंहगो देवी, पत्नी रीता देवी, 3 बेटे सिकंदर,विष्णु, रमाशंकर और 2 बेटी सीमा कुमारी और कमलावती कुमारी है।

डीएम ने किया ईवीएम वीवीपैट वेयर हाउस का निरीक्षण

बक्सर। डीएम अंशुल अग्रवाल ने भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार प्रखण्ड परिसर बक्सर स्थित ईवीएम वीवीपैट वेयर हाउस का त्रैमासिक आंतरिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के दिशा-निर्देशों के आलोक में वेयर हाउस की सुरक्षा-व्यवस्था का जायजा लिया गया। वेयर हाउस में लगा हुआ सीसीटीवी तथा अग्निशमन यंत्रों की कार्यकारिता की जाँच की गई। वेयर हाउस में साफ-सफाई एवं बिजली संचालन आदि हेतु मौके पर उपस्थित उप निर्वाचन पदाधिकारी मनेरूल शेख को निदेश दिए। निरीक्षण के क्रम में जिला अग्निशमन पदाधिकारी बक्सर, कार्यपालक अभियंता भवन प्रमण्डल बक्सर, उप निर्वाचन पदाधिकारी बक्सर एवं साथ ही मान्यता प्राप्त राजनैतिक दल बहुजन समाज पार्टी, भारतीय जनता पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिसिस्ट), इंडियन नेशनल कॉंग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल, राष्ट्रीय लोकजनशक्ति पार्टी एवं कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिसिस्ट लेबिनिस्ट (लिबरेशन) के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

आशीष हत्याकांड में प्राथमिकी दर्ज

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के तेतरिया गांव में शादी समारोह में जयमाल के दौरान गोली लगने से आशीष (09) की मौत के बाद स्थानीय थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। मृत बच्चे के पिता सिंटू के बयान के पर तेतरिया गांव निवासी राजीव यादव के पुत्र अंशु कुमार नामजद आरोपी बनाया गया है, जिसपर हत्या करने का गंभीर आरोप है। फिलहाल आरोपी घर छोड़कर फरार है। मृत बच्चा उदवंतनगर थाना क्षेत्र के तेतरिया गांव निवासी सिंटू कुमार का बेटा आशीष कुमार है। वह दूसरी कक्षा का छात्र था। जबकि परिजन द्वारा केस को लेकर कोर्ट में गवाही देने के कारण गोली मारकर हत्या करने का आरोप लगाया जा रहा है।

घटना के विरोध में किया था सड़क जाम: बच्चे की मौत के बाद उसके परिजन एवं स्थानीय ग्रामीणों का आक्रोश भड़क उठा था जिसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने आरोपियों की गिरफ्तारी व उसके परिवार की सुरक्षा की मांग को लेकर तेतरिया मोड़ के समीप मृत बालक के शव को सड़क पर रख सड़क जाम कर दिया गया था। सड़क जाम के दौरान आक्रोशित ग्रामीणों द्वारा टायर जलाकर आगजनी भी की गई। उनके द्वारा करीब ढाई घंटे तक सड़क को जाम रखा गया। सड़क जाम होने के कारण सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी लाइने लगी रही और आवागमन पूरी तरह ठप रहा। पुलिस के काफी मशक्कत करने के बाद आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी करने व सुरक्षा देने का आश्वासन देने के बाद लोगों को समझा-बूझाकर जाम को हटवाया। इसके पश्चात पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। इधर मृत बालक के चचेरे दादा बबन सिंह ने बताया कि वर्ष 2023 में 1 दिसंबर को उनके चचेरे भाई रामायण सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उसी केस में वह 19 फरवरी को कोर्ट में वह गवाही देने के लिए गए थे और उसी केस में उनके भतीजे व मृत बालक के पिता सिंटू कुमार का 11 मार्च को गवाही था। इसे लेकर निरंतर सिंह द्वारा कोर्ट में ही उन्हें धमकी दी गई थी की गवाही ना दें।

जयमाला के दौरान हुई थी फायरिंग: रविवार की रात गांव के ही पड़ोसी राम बच्चन की बेटी की बारात जगदीशपुर थाना क्षेत्र के अंगरुआं गांव से आई थी। जिसमें मृत बालक अपने माता-पिता एवं परिवार के सदस्यों के साथ शादी समारोह में शामिल होने गया था। शादी में जयमाल के दौरान जब सभी लोग स्टेज के पास खड़े थे। जयमाल के दौरान छत से फायरिंग के दौरान पिस्टल में गोली फसने के बाद पिस्टल छत से नीचे की ओर कॉक करने के दौरान गोली चल गई थी । जिसमें फायरिंग के दौरान गोली आशीष कुमार के सिर में लग गई थी। जिसके बाद परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी हालत को चिंताजनक देखकर पटना रेफर कर दिया गया था। जिसके बाद परिजनों से इलाज के लिए पटना स्थित प्राइवेट अस्पताल ले गए।

बिजली विभाग की लापरवाही से एक व्यक्ति की मौत

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर के कोरानसराय थाना क्षेत्र के मुंगाव गांव में बिजली विभाग की लापरवाही से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान मंटू सिंह उर्फ झब्बू सिंह के रूप में हुई है। वह स्वर्गीय श्यामनारायण सिंह का बेटा था। सोमवार की शाम मंटू सिंह अनुसूचित जाति टोला प्राथमिक विद्यालय के पास गया था। वहां ट्रांसफॉर्मर से निकले हाईटेंशन तार की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक की दो बेटियां और एक बेटा है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय मुखिया इंदल सिंह अपने सहयोगियों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने राहत और बचाव कार्य शुरू किया। मुखिया ने इस घटना को बिजली विभाग की लापरवाही बताया है। उन्होंने मृतक के परिवार को मुआवजा दिए जाने की मांग की है। इसके साथ ही चेतावनी दी है कि अगर परिवार को मुआवजा नहीं मिला तो बिजली विभाग के खिलाफ आंदोलन करेंगे। स्थानीय लोगों ने मंटू सिंह को बेहोश हालत में देखा था। उन्होंने परिजनों और ग्रामीणों को सूचित किया। बिजली कंपनी को फोन कर लाइन कटवाई गई। पुलिस को भी घटना की जानकारी दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कागजी कार्रवाई की और शव का पोस्टमॉर्टम कराने के लिए भेज दिया। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

शराब लूट गिरोह का खुलासा, 5 तस्कर गिरफ्तार

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर में पुलिस ने शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई की है। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के अखौरीपुर गोला और मोहनपुरवा के पास से पुलिस ने 48 पेटी देसी शराब के साथ 5 तस्करों को गिरफ्तार किया है। डीएसपी धीरज कुमार के अनुसार यह गिरोह यूपी से आने वाले शराब तस्करों से माल लूटकर क्षेत्र में खपा देते थे। पुलिस ने मौके से एक ट्रक और एक कार जब्त की है। कार से 8 पेटी और ट्रक से 40 पेटी शराब बरामद की गई है। इसके अलावा दो देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस भी बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों में इटाढ़ी थाना क्षेत्र धर्मपुरा निवासी सतीश कुमार ओझा, राजपुर के रामप्रवेश चौहान, धर्मपुरा गांव के निवासी राघव कुमार ओझा, चाचरिया गांव निवासी दीपक कुमार पांडेय और जलाहरा गांव के निवासी गौतम कुमार राय शामिल है। गौतम कुमार उर्फ अमन कुमार पर दानी कुटिया पेट्रोल पंप पर गोली चलाने सहित पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज है। इसके साथ ही पकड़े गए अन्य चार लोगों पर आपराधिक मामले दर्ज है। हालांकि इस दौरान पुलिस को चकमा देकर इनके गैंग का मेंबर कार लेकर फरार हो गया। कार में सवार शिवम ठाकुर की पहचान कर ली गई है और उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक ट्रक और दो कार में भारी मात्रा में शराब की खेप लाई जा रही है। इस पर पुलिस ने चौसा-कोचस मार्ग पर चेकिंग अभियान शुरू किया। अखौरीपुर गोला और मोहनपुरवा के पास पुलिस ने एक संदिग्ध ट्रक और कार को रोका। जब तलाशी ली गई तो ट्रक में 2159 टेट्रा पैक कुल 431.800 लीटर देसी शराब बरामद किया गया।

भोजपुर में मां–बेटे समेत तीन की बेहरमी से पिटाई

- ऑटो के टायर का हवा खोलने को लेकर हुआ विवाद, बचाने गई थी मां तो किया हमला

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर जिले के कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के सरैया गांव में सोमवार को ऑटो के टायर का हवा खोलने के विवाद को लेकर मां-बेटा समेत तीन लोगों की पलंग के पाये से पिटाई कर दी गई। जिससे तीनों जख्मी हो गए। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार जख्मियों में कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के सरैया गांव निवासी लक्ष्मण साह की 58 वर्षीया पत्नी मीना देवी और दो बेटे गुप्तेश्वर साह (30) और गुड्डू कुमार (22) शामिल है।

सिर पर किया हमला: इधर, गुप्तेश्वर साह ने बताया कि उसके भाई गुड्डू कुमार का दिमागी हालत ठीक नहीं है और वह सरैया बाजार पर ही मिठाई दुकान चलाता है। गांव के एक व्यक्ति द्वारा उसके भाई गुड्डू कुमार को मजाक में उसी गांव के पंटकिया नामक व्यक्ति के ऑटो के टायर का हवा खोलने के लिए कह दिया गया। जिसके बाद उसने ऑटो के टायर का हवा खोल दिया। जिसके बाद व्यक्ति द्वारा पलंग का पाया निकालकर उसकी पिटाई की जाने लगी। उसको पिटता देख जब उसकी मां मीना देवी उसे बचाने गई तो उक्त व्यक्ति ने चारपाई के पाया से उनके सिर पर मार दिया। जिससे उनका सिर फट गया। तभी गुप्तेश्वर साह वहां पहुंच गया। जिसके बाद उक्त व्यक्ति ने उसे भी मार दिया। जिससे तीनों जख्मी हो गए। उसके बाद उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। वहीं मारपीट के दौरान उसकी मां मीना देवी को सिर में काफी गंभीर चोटें आई है। वहीं दूसरी तरफ जख्मी गुप्तेश्वर साह ने गांव के ही पंटकिया नामक व्यक्ति पर तीनों लोगों को मारकर जख्मी करने का आरोप लगाया है। बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

भोजपुर में अवैध हथियार के साथ तीन गिरफ्तार

- हथियार लेकर बाइक से घूम रहे थे मामा-भांजा, एक कट्टा,पिस्टल और गोली बरामद

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर जिले के अलग-अलग जगहों पर पुलिस ने छापेमारी कर दो अवैध हथियारों समेत तीन बदमाशों को धर दबोचा। इसकी जानकारी सोमवार को एसपी राज ने दी। इसे लेकर अलग-अलग थानों में आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी की गई है। शाहपुर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बनाही रोड में छापेमारी कर अवैध हथियारों के साथ दो को धर दबोचा। पकड़े गए आरोपितों में कृष्णागढ़ थाना के त्रिभुवानी सोहरा गांव निवासी गुलशन कुमार साह एवं शाहपुर थाना के बनाही गांव निवासी मनीष कुमार गुप्ता शामिल है।

गुप्त सूचना पर एक्शन: इस दौरान एक देसी पिस्टल,एक बाइक एवं दो मोबाइल जब्त किया गया है। दोनों रिश्ते में मामा-भांजे बताए जा रहे है। बनाही से शाहपुर की ओर जा रहे थे, तभी बनाही रोड में दोनों ही पकड़े गए। दूसरी ओर, उदवंतनगर थाना पुलिस ने रघुपुर गांव में छापेमारी कर अवैध हथियार के साथ एक को धर दबोचा। पकड़ा गया आरोपित रमेश सिंह रघुपुर गांव का निवासी है। एक देसी कट्टा व दो खोखा बरामद किया गया है। थानाध्यक्ष राम कल्याण यादव ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि आरोपित घर में अवैध हथियार रखा है। जिसके बाद टीम गठित कर छापेमारी की गई। घर से ही अवैध हथियार समेत धर दबोचा गया।

अंग्रेजी शराब के साथ एक कारोबारी गिरफ्तार: 257 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है।उक्त जानकारी जगदीशपुर एसडीपीओ राजीवचंद्र सिंह ने बताया कि गिरफ्तार कारोबारी शाहपुर थानाक्षेत्र के बीरपुर गांव निवासी कमल कुमार है जिसके पास से एक बोलेरो वाहन भी जब्त किया गया है। एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस को रविवार की रात्रि गुप्त सूचना मिली कि अंग्रेजी शराब की एक बड़ी खेप बौलीपुर बगीचे मे उतारा गया है।तब जगदीशपुर थानाध्यक्ष विगाउ राम के नेतृत्व मे एक पुलिस टीम गठित कर मौके पर भेजा गया।

बोलेरो मालिक के खिलाफ भी मामला दर्ज: इसी दौरान पश्चिम बंगाल नंबर की बोलेरो शराब की खेप उतार कर लौट रही थी।पुलिस टीम ने बीच रास्ते मे जब वाहन रोककर जब सख्ती से ड्राइवर से पूछताछ की तो उसने बताया कि शराब उतार कर आ रहा है। जिसके बाद उसके निशानदेही पर बोरिंग मे रखे पंजाब निर्मित 275 लीटर अंग्रेजी शराब जो 750 एमएल और 175 एमएल के बोतल मे पैक था पुलिस ने बरामद कर लिया। साथ ही बोलेरो वाहन मालिक के खिलाफ भी उत्पाद अधिनियम के तहत एक मामला दर्ज कराया गया है।शराब की खेप बौलीपुर मे लानेवाले लाइनर और कारोबार मे संलिप्त लोगो को चिन्हित कर पुलिस तलाशने मे जुटी हुई है।एसडीपीओ ने बताया कि शराब शाहपुर थानाक्षेत्र के गऊडाङ से लाया गया था।

हर्ष फायरिंग में मौत के बाद विरोध में सड़क जाम

निज संवाददाता। आरा

बारात में हर्ष फायरिंग के दौरान रविवार की रात एक बालों को गोली लगने और उसकी मौत के विरोध में सोमवार को उग्र लोग सड़क पर उतर आए। इस दौरान आरा-सहार-अरवल पथ को तेतरिया गांव के मोड़ पर जाम किया। सड़क पर टायर जलाकर प्रदर्शन किया। पुलिस के खिलाफ नारे लगाए। वे आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग और मृतक आशीष के परिवार को सुरक्षा की मांग कर रहे थे। लोगों का आरोप था कि आशीष कुमार के दादा के हत्या के आरोपी खुलेआम घूम रहे है। पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है। सड़क जाम से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सड़क जाम के कारण कई स्कूल के वाहन भी जाम में फंसे रहे। मृतक के पिता सीटू सिंह ने बताया कि दिसंबर 2024 में मेरे पिता रामायण सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में उन्होंने उदवंतनगर थाना में नामजद एफआईआर दर्ज कराई थी। केस में गवाही चल रही थी। आरोपी लगातार समझौते का दबाव बना रहे थे और धमकी दे रहे थे। इसी रंजिश में उनके बेटे की हत्या कर दी गई। घटना के समय आशीष अपनी मां और बहन के साथ घर के पास आई बारात देखने गया था। मैऊ वहां मौजूद था, लेकिन कुछ देर बाद घर लौट आए। तभी बेटी ने आकर बताया कि आशीष को गोली लग गई है। मैं तुरंत घटनास्थल पर पहुंचा। सोमवार सुबह 7:30 बजे से 9:30 बजे तक ग्रामीणों ने सड़क जाम रखा। पुलिस के समझाने के बाद दो घंटे बाद जाम हटा और यातायात बहाल हुआ। उदवंतनगर थाना के थानाध्यक्ष राम कल्याण यादव ने बताया कि तेतरिया गांव में जगदीशपुर थाना क्षेत्र के अगरूआ गांव से बारात आई थी। उसी दौरान एक व्यक्ति ने हर्ष फायरिंग की।

34.14 % लगान वसूली हुआ

निज संवाददाता। बक्सर

एडीएम कुमारी अनुपम सिंह ने राजस्व लगान वसूली की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में किया। बैठक के दौरान पाया गया कि अभी तक मात्र 34.14 प्रतिशत ही बक्सर जिला में लगान वसूली की गई है, जो काफी कम है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, बिहार, पटना के निदेशानुसार भू-लगान भुगतान की सुविधा पूर्णतः ऑनलाईन कर दी गई है। रैयत स्वयं भू-लगान के पोर्टल https://bhulagan.bih ar.gov. in पर जाकर लगान का भुगतान 31 मार्च से पहले करना है। भू-लगान का भुगतान समय से करना सभी रैयतों का दायित्व है। भू-लगान नहीं जमा करने पर लोक मांग वसूली अधिनियम के तहत नीलाम पत्र वाद दायर किया जा सकता है तथा नीलाम पत्र वाद के अन्तर्गत रैयतों की भूमि को नीलाम भी किया जा सकता है। सभी सीओ को निर्देश दिया कि जिन रैयतों द्वारा भू-लगान 31 मार्च तक जमा नहीं किया जाता है तो समय सीमा समाप्त होने के उपरांत सख्त कार्रवाई करते हुए नीलाम पत्र वाद दायर कर संबंधित रैयतों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई करें।

जिला प्रशासन के अमानती घर में लगी आग

निज संवाददाता। आरा

पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने पुराने रजिस्ट्री कार्यालय परिसर में बने "अमानती घर" में सोमवार रात अचानक आग लग गई। इस अमानती घर में पुलिस और प्रशासन द्वारा कानूनी कार्रवाइयों में जब्त समानों को रखा जाता है। जिम कई महत्वपूर्ण सामान और साक्ष्य जल गए। यह आग कैसे लगी अथवा किसने लगाया; देर रात तक स्पष्ट नहीं हो सका था। यह अमानती घर समाहरणालय और रजिस्ट्री ऑफिस के बीच कर्कट की दीवार और कर्कट के छज्जे से बना है। आग रात करीब 7 बजे लगी। आसपास के लोगों ने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं। करीब एक घंटे के प्रयास के बाद आग को बुझाया जा सका। लोगों ने बताया कि आग लगी के कारण ऊंची लपटें उठ रही थी। बगल के कुछ गुमटीनुमा दुकानों को भी क्षति पहुंची है। एक दुकानदार अजय कुमार ने बताया कि उनकी गुमटी अमानती घर के ठीक बगल में है। वह शाम को गुमटी बंद कर घर चले गए थे। एक घंटे बाद सूचना मिली कि अमानती घर में आग लग गई है। इसके बाद वह आए और उन्होंने बाल्टी और चापाकल से पानी भरकर अपनी गुमटी में लगी आग बुझाई। स्थानीय नीरज केशरी ने बताया कि यह अमानती घर करीब 25 साल पुराना है। आग में कितने का सामान जला, इसकी पुष्टि नहीं हुई है। देर रात तक जिला प्रशासन के तरफ से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई। बताया जा रहा कि सूची और आंकलन के बाद ही पता चलेगा कि कौन-कौन सा सामान था और उसका मूल्य कितना था। फिलहाल आग बुझा दी गई है। समय रहते आग पर काबू पा लेने से ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। अमानती घर में आग लगने की घटना में एसपी राज ने बताया कि अमानती घर जिला प्रशासन से संबंधित कार्यालय है। उसमें क्या रखा गया था, यह जिला प्रशासन के अधिकारी ही बता सकते हैं।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

बीसीसीएल कोल डंप में मजदूरों का हंगामा, प्रबंधन और सीआईएसएफ पर लगाया कोयला चोरी का आरोप

धनबाद, एजेंसी। जिले में बीसीसीएल में कोयले का प्रोडक्शन चोरों के लिए लिया किया जा रहा है. यह कहना है कोल डंप में ट्रक लोडिंग करने वाले मजदूरों का. आक्रोशित मजदूरों ने कोयला चोरी के खिलाफ जमकर हंगामा किया. मजदूरों ने कोयले की सुरक्षा में तैनात सीआईएसएफ जवानों को खरी खोटी भी सुनाई. बीसीसीएल प्रबंधन पर कोयला चोरी करने का आरोप लगाते हुए मजदूरों ने मीडिया के समक्ष जमकर अपनी भड़ास निकली.

कोल डंप के उपाध्यक्ष मनोज निषाद ने कहा कि तेतुलमारी कोलियरी में 4 हजार टन के कोयले का डीओ आया है. लेकिन पिछले कई दिनों से 14 चक्का ट्रक में लोडिंग नहीं करने दिया जा रहा है. 12 चक्का ट्रक में लोडिंग कराने की बात बीसीसीएल प्रबंधन कह रही है, जबकि मजदूरों का कहना है कि 12 चक्का ट्रक खास कोयला लोडिंग के लिए अभी नहीं मिलता है.

मनोज निषाद ने कहा कि यहां आउटसोर्सिंग के अधिकारियों और कोयला तस्करों की मिलीभगत से सिर्फ कोयले की चोरी हो रही है. उन्होंने कहा कि सीआईएसएफ की मिलभगत भी इस कोयला चोरी में है. उन्होंने कहा कि लोकल सेल के लिए कोयला नहीं दिया जा रहा है. कोयले की मांग के लिए आंदोलन करना पड़ता है, लेकिन कोयला चोरों को आसानी से मिल जाता है.

कोल डंप के अध्यक्ष अशोक ठाकुर ने कहा कि पिछले 18 महीने से रोड सेल बंद कर रखा है. बीसीसीएल के द्वारा कोयला उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है. जिस कारण ट्रकों में कोयला लोडिंग करने वाले सैकड़ों मजदूरों के समक्ष भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है. बीसीसीएल, आउटसोर्सिंग और सीआईएसएफ की मिलीभगत से कोयले की चोरी चल रही है. जिसका खामियाजा मजदूरों को उठाना पड़ रहा है. ऐसे आउटसोर्सिंग को ब्लैक लिस्ट कराने की मांग मजदूरों ने की है.

400 हेल्थ वर्कर की नौकरी पर मंडराने लगा खतरा, झोल सामने आते ही मचा हड़कंप, दिए गए जांच के आदेश

रांची, एजेंसी। फर्जी सर्टिफिकेट के आधार पर वर्ष 2023 में जामताड़ा में अनुबंध पर लगभग 400 हेल्थ वर्कर की नियुक्ति की गई।

आश्चर्यजनक यह है कि जिस संस्थान का सर्टिफिकेट प्रस्तुत किया गया, वहां इसके पाठ्यक्रम संचालित नहीं होते। इससे संबंधित शिकायत स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों तक पहुंचा है।

इसके बाद हुई आरंभिक जांच में खुलासे चौकाने वाले हैं। जिस संस्थान मां पारा मेडिकल इंस्टीट्यूट का सर्टिफिकेट बहाली से संबंधित दिया गया है, उसने इस प्रकरण में अपने हाथ खड़े कर दिए हैं।

इस संस्थान का रजिस्टर्ड कार्यालय, शिव मंदिर के निकट, नामकुम बस्ती, रांची-खूंटी रोड है। लेकिन जारी किए गए सर्टिफिकेट में इसका पता हनुमान मंदिर के निकट, कृष्णापुरी चुटिया दिया गया है। यह भी आश्चर्यजनक है कि जिन अभ्यर्थियों को बहाल किया गया, उन सभी के प्रमाणपत्र एक ही इंस्टीट्यूट मां पारा मेडिकल इंस्टीट्यूट की ओर से जारी किए गए हैं। सारी बहालियां कमांडो सिक्योरिटी फोर्स, हजारीबाग के जरिए नियोजन कर सिविल सर्जन, जामताड़ा को भेजी गई। इस पूरे प्रकरण में अनुबंध पर बहाल एक लैब टेक्नीशियन मंटू कुमार रूहीदास का नाम सामने आया है कि बहाली के नाम पर अभ्यर्थियों से भारी वसूली भी की गई।

शिकायत आई है कि सर्टिफिकेट के नाम पर प्रति अभ्यर्थी 40 हजार रुपये और प्रतिनियोजन के नाम पर 60 हजार रुपये से लेकर 80 हजार रुपये तक वसूले गए। कुल मिलाकर लगभग पांच करोड़ रुपये की वसूली की गई।

कमांडो एजेंसी के जरिए लगभग 100 गार्ड भी बहाल किए गए, जिसमें प्रति अभ्यर्थी 60 हजार रुपये से 70 हजार रुपये तक वसूलने की शिकायत की गई है।

गैस यूटिलिटी विभाग में राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का आयोजन

निज संवाददाता | बोकारो

बोकारो स्टील प्लांट के गैस यूटिलिटी विभाग में 04 मार्च को राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस 2025 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यस्थल सुरक्षा और दुर्घटना निवारण पर विशेष जोर देते हुए सुरक्षा मार्च का आयोजन किया गया, जिसका नेतृत्व महाप्रबंधक (गैस यूटिलिटी) विनीत कुमार शर्मा ने किया। इस वर्ष की राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस की थीम – "सुरक्षा और कल्याणः विकसित भारत के लिए अनिवार्य" के अनुरूप, इस आयोजन का उद्देश्य सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देना, दुर्घटनाओं की रोकथाम को प्रोत्साहित करना और उच्च जोखिम वाले परिचालन क्षेत्रों में समग्र कल्याण को सुदृढ़ करना था। सुरक्षा मार्च के दौरान कर्मियों ने हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर सुरक्षा जागरूकता संबंधी संदेश प्रसारित किए। कर्मचारियों ने सुरक्षा नारों के माध्यम से कार्यस्थल पर संभावित खतरों, आपातकालीन प्रतिक्रिया उपायों और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों (PPE) के उचित उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक (गैस यूटिलिटी) श्री विनीत कुमार शर्मा ने औद्योगिक संचालन में सक्रिय सुरक्षा उपायों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और कर्मचारियों को सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने के लिए प्रेरित किया। सहायक महाप्रबंधक (ऑपरेशन्स, जीयू) कृष्ण चंद्र पात्र ने विभाग में सुरक्षा प्रोटोकॉल के निरंतर उन्नयन और सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को अपनाने पर बल दिया। सहायक प्रबंधक (सुरक्षा इंजीनियरिंग विभाग) विराट चौधरी ने कार्यस्थल पर जोखिम की पहचान और न्यूनीकरण के महत्व को रेखांकित किया। इस अवसर पर सहायक महाप्रबंधक (जीयू) एस। डब्ल्यू। किस्पोट्टा, प्रबंधक (जीयू) अमन कुमार मिश्रा, सहायक प्रबंधक (जीयू) मनीष स्नेही सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी एवं ठेका श्रमिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सुरक्षा प्रतिज्ञा के साथ किया गया।

मानव संसाधन के ठेका श्रमिक प्रकोष्ठ के द्वारा सीओ एंड सीसी विभाग में

ईएसआईसी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बीएसएल के मानव संसाधन विभाग, ठेका श्रमिक प्रकोष्ठ द्वारा सीओ एंड सीसी विभाग में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के 74वें स्थापना दिवस के अवसर पर विशेष सेवा पखवाड़ा समारोह के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री अनिल कुमार, शाखा प्रबंधक ईएसआईसी बोकारो, डॉ. रणधीर कुमार, बीमा चिकित्सा अधिकारी, ईएसआईसी और देव कुमार शर्मा उपस्थित थे, जिन्होंने ईएसआईसी के बारे में जागरूकता बढ़ाने और ईएसआईसी से संबंधित समस्या के समाधान के लिए ठेका श्रमिकों के साथ विस्तृत संवाद किया। कार्यक्रम में सीओ एंड सीसी, सिंटर प्लांट, आरएमएचपी और आरएमपी विभाग के लगभग 75 ठेका श्रमिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में संबंधित विभागों के विभागीय सुरक्षा अधिकारी और मानव संसाधन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम को मुख्य महाप्रबंधक (आरएमएचपी) श्री धनन्जय कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (एस पी) श्री पीताम्बर चौधरी, महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष (सीओ एवं सीसी) श्री पी एस कुमार तथा महाप्रबंधक (आरएमपी) श्री मुकेश कुमार सिंह के सहयोग से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। ठेका प्रकोष्ठ की महाप्रबंधक प्रांजलि के मार्गदर्शन में प्रिया टोप्पो, उप प्रबंधक (सीएलसी) और राजेश पूर्ति, कनीय प्रबंधक (सीएलसी) ने कार्यक्रम के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई।

मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में हाइड्रॉलिक ट्रेनिंग किट

की कमीशनिंग एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

आज दिनांक 04 मार्च को मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में हाइड्रॉलिक ट्रेनिंग किट की कमीशनिंग एवं पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम में बोकारो स्टील प्लांट के विभिन्न विभागों के 16 अधिशासी प्रशिक्षणार्थी के रूप में सम्मिलित हो रहे हैं। हाइड्रॉलिक ट्रैनिंग किट की कमीशनिंग एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम मेसर्स रेक्सरॉथ के विशेषज्ञ और अनुभवी फ़ैकल्टी श्री अनुभव जैन तथा पूर्वी के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम के उदघाटन सत्र मे मुख्य महाप्रबंधक (शॉप्स एवं अतिरिक्त प्रभार अनुरक्षण) जे वी शेखर तथा महा प्रबन्धक (ज्ञानार्जन एवं विकास) डी आर टोप्पो उपस्थित थे। सर्वप्रथम जय नारायण यादव, प्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) ने सभी प्रतिभागियों तथा मुख्य अतिथियों का स्वागत किया तथा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी। मुख्य महाप्रबंधक (शॉप्स एवं अतिरिक्त प्रभार अनुरक्षण) जे वी शेखर ने सभी प्रतिभगियो से इस कार्यक्रम को अन्तः क्रियात्मक बनाकर अधिकतम ज्ञान अर्जित करने तथा अपने अर्जित ज्ञान को विभाग के लोगों के साथ साझा करने का अनुरोध किया। कार्यक्रम का संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन जय नारायण यादव प्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) ने किया। कार्यक्रम के आयोजन मे ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के वरीय ओपरेटिव नवनीत कुमार सिंह तथा ओ सी टी टी भीम प्रसाद का सराहनीय योगदान रहा।

बसंत मेला 2025 में बीएसएल कर्मी एवं उनके आश्रितों को भी अपनी कला प्रदर्शित करने का मौका

SAIL-BSL के संपर्क एवं प्रशासन विभाग द्वारा बीएसएल कर्मचारियों व उनके आश्रितों (कर्मचारी के माता-पिता, पति अथवा पत्नी एवं बच्चे) को उनकी कला प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान किया जा रहा है, वैसे बीएसएल कर्मी एवं उनके आश्रित जो पेंटिंग, क्राफ्ट, बोनसाई या किसी अन्य कला में निपुण हैं, वो बसंत मेला में अपनी रचनाओं को प्रदर्शित कर सकते हैं, बशर्ते यह स्वयं उनके द्वारा बनाई गई कलाकृतियां हों (बाजार से खरीदी नहीं)। ऐसे केवल 20 कृतियों के लिए मेला में मंच प्रदान की जाएगी जो पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर होगा। इच्छुक बीएसएल कर्मी या उनके आश्रित रजिस्ट्रेशन हेतु अपनी कृति की तस्वीर, उसका विवरण और अपना अपनी व्यक्तिगत जानकारी 6 मार्च तक crksudhanshu@sail.in ईमेल आईडी पर भेज सकते हैं। अगर प्रविष्टियां 20 से अधिक होती हैं, तो संपर्क एवं प्रशासन विभाग अंतिम चयन करेगा। अधिक जानकारी के लिए मोबाइल संख्या 8986875357 पर संपर्क करें।

रांची जेल से अपराधी अब फोन पर नहीं कर पाएंगे हैलो-हाय, हेमंत सरकार ने ले लिया बड़ा फैसला

रांची, एजेंसी। रांची जेल समेत झारखंड के जेलों में बंद अपराधी अब कारोबारियों से रंगदारी की मांग नहीं कर पाएंगे। सभी जेल में हाईटेक जैमर लगेगा। इस बार के बजट में जैमर लगाने के लिए पैसा देने की अनुमति मिली है। जेल में बद अपराधी अपने गैंग के भी सदस्यों से संपर्क नहीं कर पाएंगे। रिटायर्ड डीएसपी अरविंद कुमार सिन्हा का कहना है कि यह सरकार की अच्छी पहल है। इसे पहले ही लागू कर देना चाहिए था। हाईटेक जैमर लगाने से अपराधियों पर पूरी तरह से नकेल लग जाएगी।

जेल में बंद अपराधी मोबाइल के अलावा और भी इलेक्ट्रोनिक सामान का इस्तेमाल करते है। अब सभी इलेक्ट्रोनिक उपकरण कोई काम नहीं करेगा। पुलिस के लिए जेल में बंद अपराधी सिरदर्द बने हुए थे। इस वजह से उन्हें एक जेल से दूसरे जेल में बार बार शिफ्ट करना पड़ता था। अब पुलिस को ऐसा नहीं करना होगा। अभी जेल में टू जी जैमर लगा हुआ है। अपराधी फोर जी, फाइव जी मोबाइल का इस्तेमाल कर रहे थे। इस वजह से जैमर होने के बाद भी वह किसी काम का नहीं था। जेल में बंद अपराधी आसानी से कारोबारियों से रंगदारी की मांग करते थे। रंगदारी नहीं देने पर उनपर हमला भी करा देते थे। इससे कारोबारियों में दहशत का माहौल बना रहता था। पुलिस अपराधियों को रोक नहीं पाती थी।

अब कारोबारियों को डरने की जरुरत नहीं है। अपराधी हाइटेक उपकरण से पुलिस पर भारी पड़ रहे थे। लेकिन अब पुलिस अपराधियों पर भारी पड़ेगी। रांची के लालपुर थाना में बिना मोरहाबादी मैदान में फिल्म फेस्टिवल कराने के मामले में जिफा के संस्थापक अध्यक्ष ऋषि प्रकाश मिश्रा के खिलाफ केस हुआ है। केस मजिस्ट्रेट के बयान पर हुआ है। लालपुर थाना की पुलिस का कहना है बिना आदेश मिले कार्यकम का आयोजन हो रहा था। रविवार को कई बड़े एक्टर रांची पहुंचे थे। उन्हें कार्यक्रम में शामिल होना था। कार्यक्रम नहीं होने की वजह से सभी एक्टर वापस लौट गए थे। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। जांच पूरी हो जाने के बाद दोषी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

वहीं ऋषि प्रकाश ने रविवार को कहा था कि दो दिवसीय आयोजन के दूसरे दिन मोराबादी मैदान से जिला प्रशासन द्वारा जबरन कार्यक्रम बंद करा दिया गया। 10 मार्च तक झारक्राफ्ट को मैदान आवंटित किया गया था जिनके संयुक्त तत्वाधान में जिफा का आयोजन किया गया था । कार्यक्रम में भारत रत्न लत मंगेशकर की बहन प्रसिद्ध गायिका उषा मंगेशकर, गदर के निर्देशक अनिल शर्मा और प्रसिद्ध निर्देशक राकेश रोशन तक को शामिल होना था । प्रशासन का कहना है कि कोई भी हो बिना आदेश के मोरहाबादी में कार्यक्रम नहीं करा सकता है। ऐसा जो भी करेगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

15 जिलों में बिजली विभाग का छापा, ठेका 5 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना, मचा हड़कंप

रांची, एजेंसी। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड की ओर से राज्यभर के 15 जिलों में बिजली चोरी रोकने के लिए एटीपी के महाप्रबंधक श्रवण कुमार के नेतृत्व में छापेमारी की गई।

छापेमारी के दौरान 5 करोड़ 81 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। साथ ही छापेमारी के दौरान 3177 लोगों पर मुकदमा और 19,126 स्थानों में छापेमारी की गई।

एटीपी के महाप्रबंधक श्रवण कुमार ने बताया कि बिजली चोरी की रोकथाम के लिए विभाग लगातार छापेमारी कर रही है। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग के हेल्पलाइन नंबर 9431135-515 पर शिकायत कर सकते है। उन्होंने कहा कि शिकायत गोपनीय रखी जाएगी।

छापेमारी किए जाने वाले जिले में रांची में 3153 स्थान पर छापेमारी की गई, जिसमें 392 लोगों पर मुकदमा और 51.56 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

वहीं, गुमला जिले में 585 स्थान पर छापेमारी करते हुए 126 पर मुकदमा दर्ज किया गया और 15.87 लाख का जुर्माना लगाया गया। वहीं, जमशेदुपर में 2120 स्थान पर छापेमारी करते हुए 254 पर मुकदमा दर्ज कराया गया और 60.61 लाख रुपये जुर्माना लगाया गया।

चाईबासा में 2100 स्थान पर छापेमारी की गई, इस दौरान 189 पर मुकदमा और 22.23 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। धनबाद में 1557 स्थान पर छापेमारी करते हुए 157 पर मुकदमा दर्ज किया गया है और 27.37 लाख रुपये का जुर्माना वूसला गया है।

वहीं, बता दें कि सबसे अधिक जुर्माना हजारीबाग में 79.78 लाख रुपये का लगाया गया और सबसे कम जुर्माना गुमला जिले में 15.87 लाख रुपये लगाया है। श्रवण कुमार ने बताया कि बिजली की चोरी के लिए आगे भी लगतार छापेमारी की जाएगी।

वहीं, दूसरी ओर रामगढ़ जिले के पतरातू प्रखंड अंतर्गत भुरकुंडा, भदानीनगर, बासल सहित अन्य क्षेत्रों में रोड के दोनों किनारों पर विद्युत विभाग तेजी से सीमेंट के खंभे गाड़ रही है। पुराने सड़े-गले नंगे बिजली के तारों को हटाकर विद्युत विभाग केबल तार से बिजली सप्लाई करने पर तेजी से काम कर रही है।

इस काम से अव्यवस्थित जंजाल तारों से तो मुक्ति मिलेगी, साथ ही बिजली चोरी पर भी लगाम लगाया जा सकेगा। बिजली तार बिछाने और खंभा गाड़ने का काम दो कंपनियों के जिम्मे में है। फिलहाल गर्मी से पहले पूरे काम को फाइनल किया जाना है।

साहिबगंज में राजकीय विश्वविद्यालय खोलने का प्रस्ताव पारित होने के बाद छात्रों में खुशी की लहर

साहिबगंज, एजेंसी। झारखंड सरकार ने साहिबगंज को शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी सौगात दी है. सोमवार को बजट सत्र के दौरान साहिबगंज सहित तीन जिलों में राजकीय विश्वविद्यालय खोलने का प्रस्ताव पारित हुआ है. इसकी जानकारी मिलते ही जिले के छात्रों और शिक्षकों में खुशी की लहर दौड़ गई. जिले में एक दशक से ऊपर से विश्वविद्यालय खोलने की मांग उठ रही थी. वहीं इस निर्णय पर साहिबगंज कॉलेज के प्राचार्य एसआरआई रिजवी, प्रो. अनुप कुमार साह, प्रो. सिदाम सिंह मुंडा, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. राजीव कुमार सिंह, प्रो. मनोज गुप्ता, प्रो. संजीव कुमार सिंह व विद्यार्थियों में पुष्पा भारती, अखिलेश, स्वीटी, नेहा, मुनमुन कुमारी, प्रीती यादव, तमन्ना प्रवीण, दीप्ति यादव ने झारखंड सरकार का आभार प्रकट किया है.

छात्रों ने सरकार का जताया आभार: विद्यार्थियों ने कहा कि छात्र हित में सरकार ने सराहनीय कदम उठाया है. आर्थिक और शैक्षणिक स्तर से पिछड़े साहिबगंज जिले के युवाओं को राजकीय विश्वविद्यालय बनने से काफी लाभ मिलेगा. गरीब छात्र भी अपने शहर में रहकर मनपसंद की विषयों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे. अब पीजी के बाद पीएचडी के लिए दुमका, भागलुपर और कटिहार जाना नहीं पड़ेगा. बीसीए के छात्र चैतन्य कुमार ठाकुर ने कहा कि साहिबगंज जिला में राजकीय विश्वविद्यालय की स्थापना का फैसला लिया गया है. इसके लिए झारखंड सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं. सरकार का यह कदम हम छात्रों के लिए वरदान साबित होगा. आने वाले समय में विश्वविद्यालय खुलता है तो साहिबगंज के छात्रों को काफी लाभ मिलेगा. साहिबगंज कॉलेज के प्राचार्य एसआरआई रिजवी ने कहा कि झारखंड सरकार द्वारा बजट सत्र में राजकीय विश्वविद्यालय खोलने का प्रस्ताव पारित हुआ है. यह खुशी की बात है. राजकीय विश्वविद्यालय खुलने से यहां के गरीब बच्चों को काफी फायदा मिलेगा।

नक्सल के बुलेट पर भारी पड़ा किसानों का हल, खेती ने रचा इतिहास

हजारीबाग, एजेंसी। झारखंड की धरती पर जब किसान का हल चला तो नक्सलियों की बंदूकों की आवाजें फीकी पड़ गईं. एक ऐसा गांव, जो कभी लाल आतंक के साए में जीता था, आज खेती-किसानी के दम पर अपनी नई पहचान बना चुका है. हजारीबाग जिले के कटकमसांडी प्रखंड का नवादा गांव, जो कभी हार्डकोर नक्सलियों के लिए सेफ जोन हुआ करता था, आज किसानों की मेहनत के दम पर खेती का सेंटर बन गया है.

झारखंड का हजारीबाग एक ऐसा जिला जो कभी घोर नक्सल प्रभावित क्षेत्र माना जाता था. यहां सीआरपीएफ की भी तैनाती की गई. सरकारी योजना के धरातल पर आने के कारण, नक्सली क्षेत्र से दूर होते चले गए. अब इस जिले ने नक्सल से मुक्त क्षेत्र के रूप में पहचान बनायी है. क्षेत्र में किसान का हल कुछ इस कदर चला कि धरती सोना उगलने लगी. किसान अपनी कड़ी मेहनत से कटकमसांडी क्षेत्र में रोजगार सृजन करने वाले बन गए. कटकमसांडी का नवादा गांव जहां नक्सलियों की हुकूमत चला करती थी. नक्सली जन अदालत लगाते थे, घनघोर जंगल होने के कारण यह उनका आश्रय स्थल बन गया था. यही कारण था कि दिन में भी आम जनता इस गांव नहीं जाती थी. जब यहां किसान का हल चला तो क्षेत्र में ऐसी रौनक लौटी कि शहर और महानगर से व्यापारी भी गांव पहुंचने लगे. गांव, सब्जी उत्पादन के लिए पूरे राज्य भर में जाना जाने लगा.

अब कई प्रकार की फसलें उगाई जाती हैं

टमाटर, खीरा, शिमला मिर्च और अन्य फसलें यहां बहुतायत में उगाई जाती हैं. पहले भी यहां खेती होती थी, लेकिन अब खेती का स्वरूप बदल गया है और व्यावसायिक खेती ने जगह बना लिया है. गांव के ही युवा किसान चंदन कुमार मेहता बताते हैं कि लगभग दो दशक पहले तक नवादा गांव नक्सली गतिविधियों के लिए चर्चित था. जैसे ही सरकार ने नक्सलियों पर शिकंजा कसा, किसानों ने भी खेती को अपना हथियार बना लिया. खेती का यह हथियार इतना मजबूत साबित हुआ कि उसने बंदूकों के खौफ को पूरी तरह मिटा दिया.

आज गांव के किसान परंपरागत खेती से आगे बढ़कर आधुनिक और व्यावसायिक खेती कर रहे हैं. यहां पर 2000 एकड़ से अधिक भूमि पर फसलें लहलहाती हैं. कई दूसरे गांवों के किसान भी नवादा आकर लीज पर जमीन लेकर खेती कर रहे हैं.

लोगों को मिल रहा है रोजगार

नवादा गांव में खेती से जुड़े 15 से अधिक बड़े प्लांट स्थापित हैं, जहां रोजाना 30-40 लोगों को रोजगार मिल रहा है. किसान यहां पर सब्जियों के साथ-साथ हाईब्रिड खेती भी कर रहे हैं. दूर-दूर के व्यापारी यहां आकर फसलों की अच्छी कीमत देकर खरीदारी करते हैं. शिक्षा के प्रसार ने गांव के विकास की रफ्तार को और भी तेज किया है. जैसे-जैसे नक्सली गतिविधियां कम हुईं, गांव के लोगों में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ती चली गयी. बेहतर शिक्षा के कारण युवा गलत रास्तों पर नहीं भटके और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए खेती में जुट गए. इस बदलाव से गांव में आर्थिक खुशहाली आई और लोगों का जीवन स्तर भी सुधरा.

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

कोलकाता में है दुनिया का सबसे बड़ा बरगद का पेड़

भारत में इंसान नहीं बल्कि एक पेड़ भी अपनी उम्र की वजह से वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। जी हां, कोलकाता द आचार्य जगदीश चंद्र बोस बॉटनिकल गार्डेन में बरगद का पेड़ है, जो 250 साल पुराना है। इस पेड़ को दुनिया का सबसे विशालकाय बरगद के पेड़ के रूप में जाना जाता है।

आपने आजतक वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाते हुए इंसान को ही देखा होगा, या तो वो अपनी फिटनेस पर वर्ल्ड रिकॉर्ड बना रहे हैं या फिर अपनी कला की वजह से उन्हें वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाते हुए देखा जा रहा है, कुछ ऐसे भी हैं, जिनकी उम्र को लेकर भी वर्ल्ड रिकॉर्ड बने हैं। लेकिन भारत में इंसान नहीं बल्कि एक पेड़ भी अपनी उम्र की वजह से वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। जी हां, कोलकाता द आचार्य जगदीश चंद्र बोस बॉटनिकल गार्डेन में बरगद का पेड़ है, जो 250 साल पुराना है। इस पेड़ को दुनिया का सबसे विशालकाय बरगद के पेड़ के रूप में जाना जाता है।

कब लगाया गया था ये पेड़

ये विशाल बरगद का पेड़ कोलकाता के आचार्य जगदीश चंद्र बोस बॉटनिकल गार्डेन में स्थित है। 1787 में इस पेड़ को यही स्थापित किया गया था। उस दौरान इसकी उम्र करीबन 20 साल थी। पेड़ की इतनी जड़ें और बड़ी-बड़ी शाखाएं हैं, जिसकी वजह से ये हर किसी को देखने में ऐसा लगता है, जैसे कोई जंगल में आ गया हो। इस देखकर आप अंदाजा नहीं लगा सकते कि ये सिर्फ पेड़ है।

इस एक पेड़ पर पक्षियों की 80 से ज्यादा प्रजातियां

14,500 वर्ग मीटर में फैला ये पेड़ करीबन 24 मीटर ऊंचा है। इसकी 3 हजार से अधिक जटाएं हैं, जो अब जड़ों में बदल चुकी हैं। इस वजह से भी इसे दुनिया का सबसे चौड़ा पेड़ या वॉकिंग ट्री भी कहते हैं। आपको जानकार शायद हैरानी हो इस पेड़ पर पक्षियों की 80 से अधिक प्रजातियां निवास करती हैं।

तूफान की वजह से जड़ें हो गई थी बीमार

साल 1884 और 1925 में कोलकाता में आए चक्रवाती तूफानों ने बरगद के पेड़ को काफी नुकसान पहुंचाया था। इस वजह से शाखाओं में फंफूदी लग गई थी, जिस वजह से उन्हें काटना पड़ गया था। आज बॉटनिकल गार्डन में यही एक बड़ा पेड़ है, हालांकि दुनियाभर से लाए गए सैकड़ों अन्य विदेशी पौधों की प्रजातियां आपको इस पार्क में दिख जाएंगी।

पेड़ की देखरेख के लिए बनाई गई है एक टीम

वर्ष 1987 में भारत सरकार ने इस बड़े से बरगद के सम्मान में डाक टिकट भी जारी किया था। इसे बॉटनिकल सर्वे ऑफ इंडिया का प्रतीक चिन्ह भी मानते हैं। पेड़ की देखरेख 13 लोगों की एक टीम द्वारा की जाती है, जिसमें आपको बॉटनिस्ट से लेकर माली तक हर कोई मिल जाएगा। समय-समय पर इस पेड़ की जांच भी की जाती है, ये देखने के लिए इसे किसी भी तरह का नुकसान तो नहीं पहुंच रहा।

याप द्वीप पर आज भी इस्तेमाल होते हैं पत्थर के सिक्के

इंसान सदियों से करेंसी यानी मुद्रा का इस्तेमाल खरीद-फरोख्त और कारोबार के लिए करता आया है। एक दौर था जब महंगे रत्नों में कारोबार हुआ करता था। लोग मोती, कौड़ियां और दूसरे रत्न देकर चीजें खरीदा करते थे। फिर सिक्कों का चलन शुरू हुआ। सोने-चांदी, तांबे, कांसे और अल्यूमिनियम के सिक्के तमाम साम्राज्यों और सभ्यताओं में ढाले गए। सिक्कों के साथ ही नोटों का चलन भी शुरू हुआ। पर, क्या कभी आपने करेंसी के रूप में बड़े-बड़े पत्थरों के इस्तेमाल की बात सुनी है? नहीं न! तो, चलिए आज आप को ऐसी जगह की सैर पर ले चलते हैं, जहां की करेंसी पत्थर है और सदियों से ऐसा होता आ रहा है।

इसके लिए आप को प्रशांत महासागर के माइक्रोनेशिया इलाके में जाना पड़ेगा। यहां पर बहुत छोटे-छोटे जजीरे आबाद हैं। इन्हीं में से एक द्वीप है याप। ये छोटी सी जगह है, जहां कुल मिलाकर 11 हजार लोग रहते हैं। मगर इसकी शोहरत ऐसी है कि 11वीं सदी में मिस्र के एक राजा के हवाले से याप का जिक्र मिलता है। इसी तरह मशहूर यूरोपीय यात्री मार्को पोलो ने तेरहवीं सदी में लिखी अपनी एक किताब में इसका जिक्र किया है। इन दोनों ही मिसालों में कहीं भी याप का नाम नही लिखा है। मगर दोनों साहित्यों में एक ऐसी जगह का जिक्र है, जहां की करेंसी पत्थर हुआ करती थी।

जब आप याप पहुंचेंगे, तो आपका सामना घने जंगलों, दलदले बागों और बेहद पुराने दौर के हालात से होगा। दिन भर में सिर्फ एक फ्लाइट है, जो याप के छोटे से हवाई अड्डे पर उतरती है। हवाई अड्डे से बाहर निकलते ही आप को कतार से लगे छोटे-बड़े ढले हुए पत्थर दिखेंगे। इनके बीच मे छेद होता है, ताकि इन्हें कहीं लाने-ले जाने में सहूलियत हो। पूरे यप द्वीप पर ऐसे छोटे-बड़े पत्थर जहां-तहां पड़े दिख जाते हैं।

याप द्वीप की मिट्टी दलदली है। यहां चट्टानें नहीं हैं। फिर भी पत्थर की इस करेंसी का चलन यहां सदियों से है। किसी को नहीं पता कि इसकी शुरुआत कब हुई थी। लेकिन, स्थानीय लोग बताते हैं कि आज से सैकड़ों साल पहले याप के बाशिंदे डोंगियों में बैठकर चार सौ किलोमीटर दूर स्थित पलाऊ द्वीप जाया करते थे। वहां से वो चट्टानें काटकर ये पत्थर तराशा करते थे। फिर

इन्हें नावों में लाद कर यहां याप लाया जाता था। इन्हें राई कहा जाता है। पिछली कई सदियों से इन पत्थरों को करेंसी के तौर पर इस्तेमाल किया जाता रहा है। पहले याप के आदिवासी इन पत्थरों को बड़े बेढंगे तरीके से काटकर यहां लाते थे। फिर हथियारों के विकास से पत्थरों को सुघड़ तरीके से ढालकर यहां लाया जाने लगा।

उन्नीसवीं सदी में जब याप पर स्पेन का कब्जा हो गया, तब भी यहां पर पत्थरों से कारोबार थमा नहीं। जब पलाऊ जाने वाले नाविक अपने साथ ढले हुए पत्थर लाते थे, तो वो इन्हें याप के बड़े सरदारों को सौंप देते थे। फिर वो सरदार इन पत्थरों को अपना या अपने परिवार के किसी सदस्य का नाम देकर लाने वाले को सौंप देते थे। पांच में से दो पत्थर ये सरदार खुद

है। आज इन पत्थरों की करेंसी का इस्तेमाल रोजाना के लेन-देन में नहीं होता। बल्कि समाज में इसे कभी माफीनामे और कभी शादी-संबंध को मजबूत करने के लिए दिया जाता है। पत्थर के इन सिक्कों का आकार सात सेंटीमीटर से लेकर 3.6 मीटर तक होता है। इन सिक्कों का मोल इस बात पर निर्भर करता है कि वो किस काम में इस्तेमाल होता है और किसको दिया जाता है। कबीले के सरदार, आने वाली नस्लों को पत्थर के हर सिक्के का इतिहास बताते हैं।

यहां पिछले 200 सालों से पत्थर की इन करेंसी का इतिहास आने वाली नस्लों को जबानी याद कराया जा रहा है। अब पत्थर के इन सिक्कों को एक म्यूजियम में रखा गया है। जहां टूटे-फूटे पत्थर की इन करेंसी का भी इतिहास दर्ज किया गया है। ये किस गांव के हैं, इनका किस परिवार से नाता है।

अब भी कुछ नए पत्थर के सिक्के ढाले जा रहे हैं। मगर अब इनकी तादाद बहुत कम हो गई है। दिलचस्प बात ये है कि इन बहुमूल्य सिक्कों को चुराए जाने का डर नहीं है। जैसा कि नोटों या सिक्कों के साथ हो सकता है। ये इतने बड़े हैं और सब को इनके बारे में मालूम है, तो कोई इन्हें चुराकर ले भी कहां जा सकता है। आज पत्थर की ये करेंसी पीढ़ी दर पीढ़ी विरासत के तौर पर नई नस्ल को सौंपी जा रही है।

करेंसी के तौर पर याप में अमेरिकी डॉलर का इस्तेमाल होता है। लेकिन, इन पत्थरों की याप समाज में अपनी अहमियत बरकरार है। आज हर पत्थर का इतिहास है। उससे जुड़ा कोई न कोई किस्सा है। किसी भी परिवार के पास ये करेंसी होना बहुत सम्मान की बात मानी जाती

पर्यावरण प्रेमी चिड़िया मोरगला पतेना

पर्यावरण प्रेमी मोरगला पतेना या वर्डिटर फ्लाईकैचर उन पंछियों में से एक हैं जो पूरे भारत-वर्ष में पाई जाती हैं। ये पंछी हर साल सर्दियों में हिमालय की गोद से निकल कर दक्षिण भारत चले जाते हैं और फिर गर्मियां आते ही लौट आते हैं। आइए जानते हैं इसके बारे में कुछ खास बातें।

ऊंची डाली पर ही बैठती है

गहरे नीले रंग के पंखों से लदी यह चिड़िया अक्सर हवा में उड़ती हुई नीली गेंद की तरह प्रतीत होती है। आंख के पास काले भाग और स्लेटी-वेंट को छोड़कर, वयस्क नर पक्षी का शरीर गहरे नीले रंग का होता है। अक्सर यह पंछी ऊंची डाली और पेड़ की शीर्ष शाखाओं पर बैठे हुए दिख जाते हैं।

भारत में बसना है पसंद

शीत ऋतु के शुरू होते ही यह पंछी भारत के उत्तरी इलाकों से निकल कर दक्षिण की और रवाना हो जाते हैं। उत्तर में दिल्ली, पंजाब से लेकर, दक्षिण में केरल, तमिलनाडु, गुजरात से बंगाल तक सब जगह इस पछी को देखा जा चुका है। इनके खूबसूरत नीले रंगों का हर एक प्रकृति प्रेमी दीवाना है। यह कप के आकार का घोंसला बनाते हैं और इनके अंडों का रंग सफेद होता है, जिनके कुंद-अंत पर भूरे रंग के धब्बे होते हैं। मादा पंछी एक बार में 3 से 5 अंडे तक दे सकती है।

खुराक में खाते हैं कीड़े-मकोड़े

पक्षी की कीड़े-मकोडे इनकी खुराक का मुख्य हिस्सा होते हैं। ये पंछी अक्सर उड़ते हुए कीड़े-इत्यादि को हवा में ही पकड़ कर खाते हैं। इस प्रजाति की संख्या काफी ज्यादा हैं. जिसकी वजह से इस प्रजाति को अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) लाल सूची के अनुसार खतरे से बाहर वाली श्रेणी में रखा गया है। इनकी औसत उम्र 9 साल तक हो सकती हैं।

भारत के इस रहस्यमय किले में छुपा है गहरा राज

भारत में ऐसे कई रहस्यमय किले मौजूद हैं, जो बाहर से देखने पर तो काफी खूबसूरत लगते हैं, लेकिन वो अपने अंदर कुछ राज समेटे हुए हैं। एक ऐसा ही रहस्यमय किला है बुंदेलखंड प्रांत में, जिसे कालिंजर के किले के नाम से जाना जाता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि बुदेंलखंड प्रांत उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश दोनों राज्यों में बंटा हुआ है। इस प्रांत के अंदर आने वाले कुछ जिले उत्तर प्रदेश में पड़ते हैं तो कुछ मध्य प्रदेश में पड़ते हैं। वैसे कालिंजर यूपी के बांदा जिले में स्थित है।

कालिंजर का किला भारत के सबसे विशाल और अपराजेय दुर्गों में गिना जाता रहा है। प्राचीन काल में यह दुर्ग जेजाकभुक्ति (जयशक्ति चन्देल) साम्राज्य के आधीन था। बाद में यह 10वीं शताब्दी तक चन्देल राजपूतों के आधीन और फिर रीवा के सोलंकियों के आधीन रहा। इन राजाओं के शासनकाल में कालिंजर पर महमूद गजनवी, कुतुबुद्दीन ऐबक, शेर शाह सूरी और हुमांयू जैसे योद्धाओं ने आक्रमण किए, लेकिन इस पर विजय पाने में असफल रहे। कालिंजर विजय अभियान में ही तोप का गोला लगने से शेरशाह की मृत्यु हो गई थी। बाद में मुगल बादशाह अकबर ने इस पर अधिकार कर लिया और किले बीरबल को तोहफे में दे दिया। इस किले में कई प्राचीन मंदिर भी हैं। इनमें से कई मंदिर तीसरी से पांचवीं सदी यानी गुप्तकाल के हैं। यहां के शिव मंदिर के बारे में मान्यता है कि सागर-मंथन से निकले विष को पीने के बाद भगवान शिव ने यहीं तपस्या कर उसकी ज्वाला शांत की थी। यहां स्थित नीलकंठ मंदिर को कालिंजर के प्रांगण में सबसे ज्यादा महत्त्वपूर्ण और पूज्यनीय माना गया है। कहते हैं कि इसका निर्माण नागों ने कराया था। इस मंदिर का जिक्र पुराणों में भी है। इस मंदिर में एक शिवलिंग स्थापित है, जिसे बेहद प्राचीनतम माना गया है। नीलकंठ मंदिर के ऊपर ही जल का एक प्राकृतिक स्रोत है, जो कभी सूखता नहीं है। इसी जल से मंदिर में मौजूद शिवलिंग का अभिषेक निरंतर प्राकृतिक तरीके से होता रहता है। वैसे बुंदेलखंड का यह इलाका सूखे के कारण जाना जाता है, लेकिन यहां कितना भी सूखा पड़े, जल का यह स्रोत कभी नहीं सूखता है। कहते हैं कि कालिंजर के किले में कई रहस्यमयी छोटी-बड़ी गुफाएं भी मौजूद हैं। इन गुफाओं के रास्तों की शुरुआत तो किले से ही जमीन से 800 फीट की ऊंची पहाड़ी पर बना कालिंजर का यह किला जितना शांत है, उतना ही खौफनाक भी। कहते हैं कि रात होते ही यहां एक अजीब सी हलचल पैदा हो जाती है। लोगों का मानना है कि यहां मौजूद रानी महल से रात को अक्सर घुंघरुओं की आवाज सुनाई देती है। यही वजह है कि यहां दिन के समय तो लोग घूमने के लिए आते हैं, लेकिन रात होने से पहले ही वो यहां से निकल जाते हैं। इस किले में प्रवेश के लिए सात दरवाजे बने हुए हैं और ये सभी दरवाजे एक दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। यहां के स्तंभों और दीवारों में कई प्रतिलिपियां बनी हुई हैं। मान्यता है कि प्रतिलिपियों में यहां मौजूद खजाने का रहस्य छुपा हुआ है, जिसे अब तक कोई भी ढूंढ नहीं पाया है। इस किले में सीता सेज नामक एक छोटी सी गुफा है, जहां एक पत्थर का पलंग और तकिया रखा हुआ है। माना जाता है कि यह जगह माता सीता की विश्रामस्थली थी। यहीं एक कुंड भी है, जो सीताकुंड कहलाता है। किले में बुड्ढा और बुड्ढी नामक दो ताल हैं, जिसके जल को औषधीय गुणों से भरपूर माना जाता है। मान्यता है कि इनका जल चर्म रोगों के लिए लाभदायक है और इसमें स्नान करने से कुष्ठ रोग भी ठीक हो जाता है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

सुधारों से बढ़ेगी ग्रोथ

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमफ) ने कहा है कि भारत को मैक्रो-इकॉनमिक स्थिरता बनाए रखने के लिए कुछ ढांचागत सुधारों को लागू करना होगा। इन सुधारों से भारत 2047 तक विकसित बनने के सपने की ओर बढ़ पाएगा। आईएमएफ के सुझाव सही हैं और पहले भी एक्सपर्ट्स इस बात की ओर ध्यान दिला चुके हैं। दरअसल, केंद्र सरकार ने विकसित भारत का जो लक्ष्य रखा है, उसके लिए देश की सालाना जीडीपी ग्रोथ 8-9 प्रतिशत होनी चाहिए। अभी इस लक्ष्य से देश काफी पीछे चल रहा है। आईएमएफ का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2025 और अगले वित्त वर्ष यानी 2026 में भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.5 प्रतिशत रह सकती है। सरकार का अपना अनुमान इससे भी कम है। उसका मानना है कि वित्त वर्ष 2025 में ग्रोथ 6.4 प्रतिशत रह सकती है। इस साल की दूसरी तिमाही यानी जुलाई-सितंबर तिमाही में 5.4 प्रतिशत के साथ 8 वर्षों के निचले स्तर पर आ गई थी, जबकि अप्रैल-सितंबर यानी पहले 6 महीनों में ग्रोथ 6 प्रतिशत रही। शुक्रवार को डीजीपी ग्रोथ की तीसरी तिमाही के आंकड़े आए। इस तिमाही में ग्रोथ 6.2 प्रतिशत रही, जबकि पिछले साल की इसी तिमाही में ग्रोथ 8.6 प्रतिशत थी। आईएमएफ की आर्टीकल आईवी कंसल्टेशन रिपोर्ट में संस्था के बोर्ड ने देश की मैक्रो-इकॉनमिक नीतियों की सराहना की है। साथ ही, यह भी कहा है कि 2047 तक विकसित बनने के लक्ष्य के लिए कृषि, भूमि, श्रम और न्यायिक जैसे ढांचागत सुधार करने होंगे। हालांकि, कृषि सुधारों की कोशिश किसानों के विरोध की वजह से सरकार को वापस लेनी पड़ी थी। भूमि और न्यायिक सुधारों की कोशिश भी पहले फेल हो चुकी है। ये मुद्दे राजनीतिक तौर पर संवेदनशील हैं। इन्हें लेकर सरकार को कानून लाने से पहले आम सहमति बनानी चाहिए। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत को टैरिफ दरों में और कमी करने की जरूरत है। इस सिलसिले में हालिया बजट में की गई पहल की सराहना करनी चाहिए, जिसमें कई चीजों पर कस्टम ड्यूटी में कमी की गई थी। दरअसल, जब तक घरेलू कंपनियां लागत और गुणवत्ता के मामले में अंतरराष्ट्रीय कंपनियों का मुकाबला नहीं कर पाएंगी, तब तक विदेशी बाजार में वे जगह नहीं बना पाएंगी।

ग्रीन कार्ड से कमाई

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वीजा-सिटिजनशिप पॉलिसी पर एक और बड़ी घोषणा करके फिर सबको चौंका दिया है। गोल्ड कार्ड के जरिए अमीर विदेशियों को अमेरिका में स्थायी निवास की सुविधा और नागरिकता की राह मुहैया कराने का उनका ऐलान दुनिया भर में तीखी बहस की वजह बन गया है। अमल में आ जाए तो यह स्कीम अमीर विदेशियों को अमेरिकी नागरिकता मुहैया कराने का सबसे आसान उपाय साबित हो सकती है। जिस ईबी-5 कार्यक्रम का विकल्प इसे बताया जा रहा है, उसमें भी अमेरिकी बिजनेस में निवेश या कम से कम 10 अमेरिकियों को रोजगार उपलब्ध कराने जैसी शर्तें जुड़ी हैं। मगर इस नई योजना में तो 50 लाख डॉलर (करीब 44 करोड़ रुपये) का भुगतान करने भर से गोल्ड कार्ड मिल जाने की बात है। ट्रंप का जोर भी इस नई योजना से अमेरिका को होने वाली आमदनी पर ही ज्यादा दिख रहा है। हालांकि कई अन्य देश इस तरह की सुविधा पहले से दुनिया भर के अमीरों को मुहैया कराते हैं, लेकिन वे छोटे-छोटे देश हैं। अमेरिका जैसे देश का ऐसी योजना लेकर आना बड़ी घटना होगी। स्वाभाविक ही, इससे सुरक्षा जैसे सवाल भी जुड़ते हैं क्योंकि ऐसी सुविधाओं का फायदा उठाने वालों में अपराधी तत्व भी होते हैं, जो अपने देश के कानून से बचने के लिए ऐसा करते हैं। भले ट्रंप कह रहे हों कि कंपनियां इस योजना के जरिए टैलंटेड स्टूडेंट्स को ज्यादा आसानी से हायर कर पाएंगी, लेकिन यह साफ है कि नई पॉलिसी का जोर टैलंट से ज्यादा पैसों पर है। ऐसे में इस पॉलिसी का नुकसान उन लोगों को हो सकता है जो टैलंट की बदौलत अमेरिका में काम कर रहे हैं और बरसों से ग्रीनकार्ड के इंतजार में हैं। इनमें भारतीयों की अच्छी-खासी संख्या है। अभी इस घोषणा के साथ कई तरह के किंतु-परंतु जुड़े हैं। अमेरिका में इमिग्रेशन पॉलिसी में किसी भी बड़े बदलाव को कांग्रेस की मुहर चाहिए होती है। यह आशंका भी है कि कहीं इसकी गत ट्रंप की नागरिकता संबंधी घोषणा जैसी न हो, जिस पर अदालत ने रोक लगा दी है। इन सबके बावजूद, अमेरिकी राष्ट्रपति की इस घोषणा से यह सवाल ज्यादा स्पष्ट रूप में सामने आया है कि क्या सचमुच पैसा 'स्वर्ग' में बिना शर्त एंट्री दिला सकता है।

ट्रंप-जेलेंस्की बहस को छोड़िये, यूक्रेनी राष्ट्रपति ने अपने देश के साथ क्या किया

(नीरज कुमार दुबे)

एक वर्ग अमेरिकी राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति की ओर से जेलेंस्की के साथ किये गये बर्ताव को अमर्यादित बता रहा है लेकिन ऐसे लोगों को समझना होगा कि जेलेंस्की की सनक की सजा यूक्रेन के साथ ही पूरी दुनिया को भुगतने की इजाजत नहीं दी जा सकती। यूक्रेन में भी एक आपदा सरकार चल रही है जिसके राष्ट्रपति हैं वोलोदमीर जेलेंस्की। जेलेंस्की ने पद संभालने के बाद से अपने देश को आपदा में झोंक दिया। रूस के साथ तीन वर्ष से चल रहे युद्ध में यूक्रेन पूरी तरह तबाह हो चुका है। लाखों लोग मारे गये हैं, आधी जनता दूसरे देशों में भाग कर शरणार्थी जीवन गुजार रही है, सारे संसाधन तबाह हो चुके हैं लेकिन जेलेंस्की को युद्ध युद्ध खेलना अब भी अच्छा लग रहा है। वह अब भी कह रहे हैं कि संघर्षविराम के लिए राजी नहीं होंगे। देखा जाये तो इस युद्ध में यदि यूक्रेन को बड़ी शक्तियों का साथ नहीं मिलता तो वह दो दिन भी मैदान में नहीं टिक सकते थे लेकिन जेलेंस्की अब भी यह नहीं समझ पा रहे हैं कि किसी भी देश के लिए उनकी मदद करते रहने की एक सीमा है। जेलेंस्की को समझना होगा कि दो देशों का युद्ध अगर तीसरे विश्व युद्ध में तब्दील हुआ तो पहले ही तमाम चुनौतियों से जूझ रही दुनिया के लिए मुश्किलें और बढ़ जायेंगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने जेलेंस्की को ओवल ऑफिस में मुलाकात के दौरान जिस तरह खरी खरी सुनाई उसकी दुनियाभर में तारीफ हो रही है। हालांकि एक वर्ग अमेरिकी राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति की ओर से जेलेंस्की के साथ किये गये बर्ताव को अमर्यादित बता रहा है लेकिन ऐसे लोगों को समझना होगा कि जेलेंस्की की सनक की सजा यूक्रेन के साथ ही पूरी दुनिया को भुगतने की इजाजत नहीं दी जा सकती। जहां तक ओवल ऑफिस में अमेरिका और यूक्रेन के राष्ट्रपति के बीच हुई तीखी बहस की बात है तो आपको बता दें कि पहले से ही तनावपूर्ण माहौल में हो रही बैठक में उस समय बड़ा विस्फोट हो गया जब वेंस ने रूस-यूक्रेन युद्ध का समाधान निकालने के लिए कूटनीति की आवश्यकता पर जोर दिया। इस दौरान ज़ेलेंस्की ने हाथ जोड़कर प्रतिवाद किया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। जेलेंस्की ने कहा कि आप किस तरह की कूटनीति की बात कर रहे हैं, जेडी? इस पर वेंस ने पलटवार करते हुए कहा, मैं उस तरह की कूटनीति के बारे में बात कर रहा हूं जो आपके देश के विनाश को रोकेगी। इस दौरान ज़ेलेंस्की ने पुतिन के प्रति उनके नरम रुख को लेकर ट्रंप को खुली चुनौती दी और उनसे हत्यारे के साथ कोई समझौता नहीं करने का आग्रह किया। ज़ेलेंस्की ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के हमारे बड़े हिस्से पर कब्ज़ा कर लिया। उन्होंने कहा कि 2014 के दौरान किसी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को नहीं रोका। उन्होंने लोगों को मार डाला। जेलेंस्की ने कहा कि 2019 में मैंने उनके साथ युद्धविराम के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए मगर उन्होंने युद्धविराम तोड़ा, हमारे लोगों को मारा और कैदियों की अदला-बदली नहीं की इसलिए आप किस तरह की कूटनीति की बात कर रहे हैं? जेलेंस्की की बात का जवाब देते हुए, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा, मैं उस कूटनीति की बात कर रहा हूँ जो देश के विनाश को समाप्त कर सकती है। जेडी वेंस ने कहा कि आपको अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का शुक्रिया अदा करना चाहिए क्योंकि अमेरिका के ओवल ऑफिस में आना और उस प्रशासन पर हमला करना अपमानजनक है जो आपके देश के विनाश को रोकने की कोशिश कर रहा है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मैं पुतिन या किसी और के साथ नहीं हूं, मैं संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ हूं और दुनिया की भलाई के लिए संवाद में शामिल हूं। उन्होंने कहा कि पुतिन के लिए ज़ेलेंस्की के मन में जो नफरत है, उस तरह की नफरत के साथ समझौता करना बहुत मुश्किल है। ट्रंप ने कहा कि ज़ेलेंस्की को तत्काल युद्ध विराम करना चाहिए, युद्ध विराम तुरंत हो सकता है। यदि आप युद्ध समाप्त करना चाहते हैं, तो आपको एक समझौते पर हस्ताक्षर करना होगा। उन्होंने कहा कि यदि ज़ेलेंस्की कहते हैं कि उन्हें युद्ध विराम नहीं चाहिए तो उन्हें अमेरिका के बिना लड़ना होगा और यदि वे अमेरिका के बिना लड़ते हैं, तो ये आसान नहीं होगा क्योंकि हमारे बिना वे जीत नहीं सकते। उन्होंने कहा कि ज़ेलेंस्की को यह महसूस करने की जरूरत है कि वह युद्ध हार रहे हैं। ट्रंप ने कहा, मैं अब और युद्ध नहीं लड़ना चाहता। ट्रंप ने जेलेंस्की के प्रति तीखा रुख दिखाते हुए उन पर लाखों लोगों का जीवन खतरे में डालने का आरोप लगाया और कहा कि उनकी कार्रवाई से तीसरा विश्व युद्ध छिड़ सकता था। हम आपको यह भी बता दें कि इस तीखी बहस को पूरी दुनिया में लोगों ने देखा। जेलेंस्की को लंच भी नहीं लेने दिया इस बहस से माहौल इतना गर्म हो गया था कि ट्रंप ने अपने दो शीर्ष सहयोगियों को ज़ेलेंस्की को यह बताने का निर्देश दिया कि अब उनके जाने का समय हो गया है। ऐसा तब हुआ जब वेटर वहां आये प्रतिनिधिमंडलों को दोपहर का भोजन परोसने की तैयारी कर रहे थे। एक अधिकारी ने बताया कि वार्ता जारी रखने की जेलेंस्की की इच्छा के बावजूद यूक्रेनियन प्रतिनिधिमंडल को वहां से चले जाने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही यूक्रेन और अमेरिका खनिज समझौते पर हस्ताक्षर करने में भी विफल रहे। व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया है कि ट्रम्प को फिलहाल खनिज सौदे पर दोबारा विचार करने में कोई दिलचस्पी नहीं है। इस जुबानी जंग के बाद जेलेंस्की 'व्हाइट हाउस' से चले गए। हालांकि इस बहस ने अमेरिका और यूरोप के बीच उभरी गहरी दरार को उजागर कर दिया है। हम आपको यह भी बता दें कि ट्रंप ने वार्ता के दौरान जेलेंस्की को स्टूपिड भी कह दिया था। इससे पहले भी ट्रंप जेलेंस्की को तानाशाह बता चुके हैं। उधर, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने ओवल ऑफिस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ कहासुनी के बाद व्हाइट हाउस से रवाना होने के बाद यूक्रेन के समर्थन के लिए ट्रंप और अमेरिका का आभार व्यक्त किया। व्हाइट हाउस से प्रस्थान के कुछ ही मिनट बाद, जेलेंस्की ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, धन्यवाद अमेरिका, आपके समर्थन के लिए धन्यवाद, इस यात्रा के लिए धन्यवाद।

अमेरिका और यूरोप के बीच गहरी दरार दूसरी ओर, ट्रंप और जेलेंस्की के बीच 'ओवल ऑफिस' में हुई तीखी बहस के बाद यूक्रेन के यूरोपीय साझेदारों और दुनिया के अलग-अलग देशों के नेताओं ने जहां जेलेंस्की का समर्थन किया तो वहीं दूसरी ओर 'व्हाइट हाउस' ट्रंप के साथ खड़ा दिखाई दिया।

दिल्ली को विश्वस्तरीय अत्याधुनिक राजधानी बनाने का उचित अवसर

(दीपक कुमार त्यागी)

दिल?ली में तेजी से बढ़ती आबादी की समस?याओं के समाधान करने के उद्देश्य के लिए वर्ष 1962 में बने दिल्ली के पहले ही मास्टर प्लान में यह सिफारिश की गई थी कि दिल्ली के साथ-साथ इसके आसपास के राज्यों के शहरों को भी एक उप महानगरीय क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाए। देश का दिल दिल्ली की पहचान दुनिया भर में भारत की राजधानी के रूप में होती है, जो एक केंद्र शासित प्रदेश के रूप में चलती है, जहां पर कुछ शक्तियां राज्य सरकार व कुछ शक्तियां केंद्र की सरकार के पास होती है। केंद्र व राज्य दोनों के बेहतर सामंजस्य से ही दिल्ली का शासन बेहतर ढंग से चल सकता है। देश की राजधानी होने के चलते दिल्ली में ही भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य व अन्य न्यायाधीश, सेनाध्यक्ष, केंद्रीय कैबिनेट, दिल्ली के उप राज्यपाल, मुख्यमंत्री आदि बहुत सारे देश के महत्वपूर्ण पदों पर आसीन लोग रहते हैं, राजधानी होने के चलते दिल्ली में राजकीय व अधिकांश केंद्रीय कार्यालय भी है। रोजी-रोटी, शिक्षा चिकित्सा व देश की सबसे ताकतवर सत्ता का मुख्य केंद्र बिंदु होने के चलते ही देश की आज़ादी के बाद से ही दिल्ली की जनसंख्या में तेजी से वृद्धि हुई थी। दिल?ली में तेजी से बढ़ती आबादी की समस?याओं के समाधान करने के उद्देश्य के लिए वर्ष 1962 में बने दिल्ली के पहले ही मास्टर प्लान में यह सिफारिश की गई थी कि दिल्ली के साथ-साथ इसके आसपास के राज्यों के शहरों को भी एक उप महानगरीय क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाए। जिस परिकल्पना को धरातल पर मूर्त रूप देने के लिए वर्ष 1985 में नेशनल केपिटल रिजन प्लानिंग बोर्ड की शुरुआत की गई थी। जिससे इस पूरे क्षेत्र में व्यवस्थित विकास के लिए कार्य योजना बना करके उसका धरातल पर कार्यान?वयन किया जा सकें और एनसीआर क्षेत्र में शामिल किसी भी क्षेत्र का विकास अव?यवस्थित ढंग से होने से रोका जा सकें। दिल्ली को बेहतर बनाने के लिए ही वर्ष 1985 में उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान के कुछ जनपदों को मिलाकर के दिल्ली को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तो घोषित कर दिया गया था, लेकिन चार राज्यों व केंद्र की सरकारों के बीच का मामला होने के चलते उस वक्त की गयी पूरी प्लानिंग आज तक भी धरातल पर पूरी तरह से परवान नहीं चढ़ पाई है। जिसका बड़ा खामियाजा दिल्ली व एनसीआर की जनता लगातार भुगत रही है। सिस्टम को सर्वोच्च न्यायालय की बार-बार फटकार लगने के बावजूद भी दिल्ली व एनसीआर के निवासी स्वच्छ पेयजल व स्वच्छ सांसों तक के लिए तरस गये है। आज खराब पानी व प्रदूषित वायु के चलते दिल्ली एनसीआर क्षेत्र के बड़ी संख्या में पेट, लीवर व फेफड़ों से संबंधित रोगी आसानी से मिल जाते हैं। हालांकि हम भारतवासियों की यह खूबी है कि हम विपरीत से विपरीत स्थिति में भी उम्मीद की लो जलाकर रखते हैं। जिसके चलते ही आज भी दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा व राजस्थान के एनसीआर क्षेत्र के निवासियों का सपना है कि उनको भी एक दिन दिल्ली की तरह ही उच्च गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, बेहतरीन चिकित्सा, विश्वस्तरीय अत्याधुनिक सुविधाएं, रोजी-रोटी, व्यापार करने का अवसर मिलेंगे, जिस उद्देश्य को पूरा करने के लिए केंद्र शासित दिल्ली राज्य में कभी एनसीआर के क्षेत्र को जोड़ा गया था, लेकिन अफसोस वह आज तक भी अपने लक्ष्य को पूरा नहीं कर पाया। जिसके चलते ही अब एनसीआर क्षेत्र के एक बहुत बड़े वर्ग का मानना है कि देश का दिल दिल्ली राज्य अपनी सीमाओं का विस्तार करते हुए भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए कार्य करें। लेकिन देश में आये दिन क्षणिक स्वार्थों से पूर्ण राजनीति होने के चलते कभी भी देशहित की इस दूरगामी रणनीति पर किसी भी राजनीतिक दल ने कोई विशेष रणनीति बनाकर कार्य नहीं किया है। लेकिन जब से दिल्ली में भाजपा की सरकार बनी है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5661

					6			7
	6						9	8
1			4		2		3	
	4	9		6	7		5	
	1						6	
	3		8	9		4	7	
	2		5		1			4
5	8						2	
6			3					

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5660

5	1	7	3	6	9	8	2	4
8	4	9	7	1	2	6	5	3
6	2	3	8	5	4	7	1	9
4	9	8	5	2	3	1	6	7
3	6	5	1	4	7	2	9	8
1	7	2	9	8	6	4	3	5
7	8	1	6	3	5	9	4	2
2	5	6	4	9	8	3	7	1
9	3	4	2	7	1	5	8	6

आज का राशिफल

मेष

आज सुबहा चिंताओं से दिन प्रारम्भ होगा।दोपहर के बाद अच्छी सूचना मिलने से मन प्रसन्न होगा।बच्चो की उपलब्धियां संतोषप्रद रहेगी।संध्या तक शेयर बाजार में लाभ के संकेत मिलेंगे।नौकरीं में दिन आनंददायक होगा। रिस्तेदारो से सम्बंध अनुकूल रहेंगे। लोहे की वस्तु से चोट की सम्भवना है।ज्यादा तीखा खाने से पेट मे पीड़ा हो सकती है।

वृष

आज वस्त्रलंकार के नवीन साधन प्राप्त होंगे।राज्यसेवा के कार्यो में सफलता मिलेगी।पुराने मित्रों की याद कुछ पीड़ा दे सकती है।घर मे नया सदस्य आ सकता है। प्लास्टिक वस्तुओं के व्यापार में लाभ होगा। उपाय-शमी वृक्ष की पूजा करे। रिस्तेदारो से सम्बंध अनुकूल रहेंगे।लोहे की वस्तु से चोट की सम्भवना है।

कर्क

आज रोगभय हो सकता है।धन लाभ के योग भी बन रहे है।शत्रुयों में वृद्धि होगी।विना गलती के आपके ऊपर दोषारोपण हो सकता है।मन विचलित होगा पत्नी का सहयोग मिलेगा। उपाय-दूर्वा श्रीगणेश को अर्पण करे।वाहन दुर्घटना का समय बन रहा है।सावधानी से वाहन का उपयोग करे।अग्नि से दूर रहे।

सिंह

आज व्यवसायिक मुसीबतों का दौर आज रूकेगा।नये कार्यो की रुरेखा का चिंतन होगा। भूमि साधनों की समस्या दूर होने बाली है। मन विचलित होगा पत्नी का सहयोग मिलेगा। पितरों के निमत्त धार्मिक अनुष्ठान में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त होगा।मन प्रफुल्लित रहेगा। उपाय-काला वस्त्र पॉकेट में रखें।

मिथुन

आज भोर में देखे सपनो में कार्य सिद्धि मिलेगी।सामाजिक कार्यो में उपस्तिथि देने का अवसर मिलेगापशु,पक्षी,जीव-जंतु से कष्ट हो सकता है।पिता या घर के बढ़ो का मार्गदर्शन अनुकूल रहेगा। उपाय-मातापिता को देव दर्शन कराएं ।

कन्या

आज अपनी श्रेष्ठ कार्यप्रणाली के बल पर सबके सिरमोर बनेंगे।शिल्पकला ,पत्रकारिता, पुरोहिताई कर्म करने बाले विशेष लाभ प्राप्त करेंगे।पूंजीनिवेश बढेगा।वाहन चलाने में सावधानी रखें। उपाय-कुल ब्राह्मण को वस्त्र दे।

तुला

आज सर्व प्रगति की योग है।सुख सम्मान में वृद्धि होगी।वित्त लाभ मिलेगा।घर मे इंटीरियर का कार्य होगा। लोहे की वस्तु से चोट की सम्भवना है।ज्यादा तीखा खाने से पेट मे पीड़ा हो सकती है।रिस्तेदारो से सम्बंध अनुकूल रहेंगे।लोहे की वस्तु से चोट की सम्भवना है।बैंकिग लेनदेन धन वृद्धिकारक रहेंगे। उपाय-काजल कन्या को दे।

वृश्चिक

आज विघ्न बाधाओं से मुक्ति का दिन है।पुराने रुके कार्य पूर्ण होंगे।कानूनी कार्यो में सफलता प्राप्त होगी।आर्थिक लाभ होगा। प्रवास के योग है।नौकरीं वालो को पदोउन्नति मिलेगी। लोहे की वस्तु से चोट की सम्भवना है।ज्यादा तीखा खाने से पेट मे पीड़ा हो सकती है।व्यय में कमी होंगी।डरावने स्वप्न आ सकते है। उपाय- सिंदूर का तिलक मस्तक पर लगाएं ।

मकर

आज वाणी शक्ति से लोगो से अपने कार्य निकालने में सफल होंगे।बड़ी योजना का दायित्व आपको मिल सकता है।वाहन दुर्घटना का समय बन रहा है।सावधानी से वाहन का उपयोग करे।अग्नि से दूर रहे।शल्यक्रिया बन सकती है। उपाय-श्री आदित्यहृदय स्त्रोत्र का पाठ करे। लोहे की वस्तु से चोट की सम्भवना है।ज्यादा तीखा खाने से पेट मे पीड़ा हो सकती है।

कुंभ

आज मानसिक क्लेश हो सकता है।देहपीड़ा होने की पूरी सम्भवना है। लोहे की वस्तु से चोट की सम्भवना है।ज्यादा तीखा खाने से पेट मे पीड़ा हो सकती है।आर्थिक लाभ भी पूर्ण है।अतिथि के सत्कार में समय व्यतीत होगा उनसे लाभ भी प्राप्त सम्भव है।अधिक धन खर्च से मन दुःखी रहेगा। उपाय- तील के तेल का दीपक पीपल वृक्ष के सामने लगाएं।

धनु

आज संपदा क्रय के लिये विभिन्न प्रस्ताव आपके समक्ष होंगे,पर आप सभी प्रस्ताव के सम्बंध में निर्णय की दुविधा में रहेंगे। जिसे आप टाल देंगे।धार्मिक अनुष्ठान में समय देने का अवसर प्राप्त होगा।कार्यक्षेत्र में किसी से विवाद की स्थिति बन सकती है।क्रोध से बचे। उपाय-त्रिशूल की पूजा देवी मंदिर में करे।

मीन

आज आपका विजय दिवस है।कार्यसिद्धि प्राप्त होगी।पारिवारिक मजबूती को बल मिलेगा।निकटम जनों से संबंध अनुकूल बनेंगे।रोग में सुधार रहेगा।सुयश काल है।पराक्रम से समाज मे उच्च स्थान मिलना तय है।व्यापार में मिश्रित धन लाभ है। लोहे की वस्तु से चोट की सम्भवना है।ज्यादा तीखा खाने से पेट मे पीड़ा हो सकती है।

वर्ग पहेली 5661

1	2	3	■	4	5	6	
7			8	■	9		■
	■	10		11			■
12	13	■	14		■	■	15
16		17	■	18	19	20	
21			■	22			■
	■	23		■	■	24	25
26			■	27			

संकेत: बाएं से दाएं
1. 2002 में इस देश में मिलने के वायदे के साथ 14 वें एशियाई खेलों का बुसान में रंगारंग समापन (3)
4. उत्तरप्रदेश का गंगातट पर बसा एक शहर (4)
7. लहराना, धधकना, हवा का झोंका आना (4)
9. नगाड़ा पीटने का डंडा (2)
10. ट्रेजिडी क्वीन से प्रसिद्ध रही है ये अभिनेत्री (5)
12. पंचतत्वों में से एक, आब, नीर (2)
14. कमल, कुमुद फूलों की लंबी और खोखली नली (2)
16. संतान, वंशज (3)
18. एक मंगल वाद्य, मृदंग (4)
21. याद करने के लिए बारंबार दोहराना (3)
22. रोचना, टीका, धर्मचिन्ह (3)
23. कागज के चौबीस तत्वों की गड्डी, सेनिकों की टोली (2)
24. इस समय, इस वक्त (2)
26. भूमि आदि पर लगने वाला कर, भूकर (3)
27. जिसकी सभी सतह समान हों (4)

ऊपर से नीचे
1. भूतकाल, वर्तमान और भविष्यकाल में, इस फिल्म में कपूर परिवार की तीनों पीढ़ियों (पृथ्वीराजकपूर, राज कपूर व रणधीर कपूर) न एक साथ अभिनय किया (8)
2. नीचे वाला भाग, परत, स्तर (2)
3. दस्तावेज, लिखित, कलमबंद, तहरीरी (3)
5. गीत, तराना (3)
6. पूजा करने वाला (3)
8. सनिश्चय नहीं (3)
11. किसी विश्विद्यालय का सर्वोच्च अधिकारी (4)
13. मस्तक, माथा, पेशानी (3)
15. बाजा, वाद्य (2)
17. अविरामत, दन-दन शब्द करते हुए, निरंतर (4)
19. त्वचा, चमड़ी (2)
20. महत्व, गरिमा, महिमा (4)
25. शक्ति, ताकत, शिकन, मरोड़, ऐंठन (2)

वर्ग पहेली 5660 का हल

अ	तो	क	कु	मा	र	■	ब
प	ला	श	■	■	ज	प	ना
रा	■	■	मं	द	क	र	ना
भि	ग	री	दो	स्त	■	ख	■
ता	ब	■	द	■	न	■	ग
■	न	■	री	ता	फा	रि	या
छा	■	पो	■	न	स	■	ना
या	दें	■	स	ना	त	न	■

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

संक्षिप्त समाचार

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में दुकानों और घरों में लगी भीषण आग

शोपियां , एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के शोपियां में घरों और दुकानों में आग लगने की घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि शोपियां के टाक मोहल्ला में स्थित कई घरों और दुकानों में भीषण आग लगी है। आग इतनी भीषण है कि दर्जनों घर, दुकानें और कॉम्प्लेक्स जलकर खाक हो गए हैं। पता चला है कि दुकानों और घरों में आग अभी भी लगी हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंच गई है। दमकल और पुलिस की टीमें भीषण आग पर काबू पाने की कोशिश कर रही हैं। हालांकि, आग लगने की वजह का पता नहीं चल पाया है और आग को बुझाने का प्रयास जारी है। इससे पहले 25 जनवरी को जम्मू-कश्मीर में पुंछ जिले के मेंढर में सब डिवीजन में स्थित उप जिला अस्पताल के एक पुराने कॉम्प्लेक्स में आग लग गई थी। जिसमें दो कमरे पूरी तरह से जलकर खाक हो गए थे। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट था।

सोनी लिव ने 'महारानी 4' का टीज़र जारी किया

मुंबई एजेंसी। महारानी लौट आई है और सोनी लिव द्वारा जारी नए टीज़र में साफ नजर आ रहा है कि वह पहले से 'याजदा ताकतवर है। 'महारानी 4' में रानी भारती के रूप में हुमा कुरैशी अपने अब तक के सबसे प्रभावशाली अंदाज़ में नज़र आ रही हैं। एक अनपढ़ गृहिणी से सत्ता को चुनौती देने वाली मुख्यमंत्री बनने तक का उसका सफर बेमिसाल रहा है। सत्ता के लिये संघर्ष, साजिशों और राजनीति के नए-नए मोड़ के साथ, यह सीज़न निश्चित रूप से अब तक का सबसे रोमांचक सीजन होने वाला है!

रंग लाई कोशिशें, गंगा में बढ़ी डॉल्फिन की संख्या

लखनऊ, एजेंसी। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, गंगा नदी में एक बार फिर डॉल्फिन की संख्या बढ़ गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, डॉल्फिन की सबसे ज्यादा संख्या उत्तर प्रदेश में पाई गई है। उत्तर प्रदेश में 2397 डॉल्फिन पाई गई हैं, जबकि बिहार में 2220, पश्चिम बंगाल में 815 और असम में 635 डॉल्फिन पाई गई हैं। बता दें कि उत्तर प्रदेश में गंगा जल को निर्मल एवं स्वच्छ बनाने के लिए योगी सरकार लगातार काम कर रही है। नतीजतन नदी में जलीय जीवों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सभी गुण मौजूद हैं। लगातार नदियों की सफाई का नतीजा डॉल्फिनों की संख्या में वृद्धि के रूप में देखा जा सकता है।

10 मिनट तक नोंचता रहा पिटबुल, नोएडा में कर्मचारी का पैर चबाया

नोएडा, एजेंसी। नोएडा सेक्टर-108 में किराये के घर में चल रहे डॉग शेल्टर में सोमवार सुबह पिटबुल प्रजाति के कुत्ते ने कर्मचारी पर हमला कर दिया। पिटबुल करीब 10 मिनट तक कर्मचारी को नोंचता रहा। शेल्टर में काम करने वाले अन्य कर्मचारियों ने पीड़ित को बचाया। युवक को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों ने इसकी शिकायत पुलिस और प्राधिकरण के अधिकारियों से की है। सोशल मीडिया पर घटना के दो वीडियो वायरल हुए। वीडियो वायरल करने वाले का दावा है कि घटना सेक्टर-108 सी ब्लॉक स्थित डॉग शेल्टर की है। शेल्टर में कुत्तों को प्रशिक्षित किया जाता है। साथ ही, उनका इलाज भी किया जाता है। हमला करने वाला पिटबुल भी कुछ दिन पहले ही शेल्टर होम में लाया गया था। जिस युवक पर पिटबुल ने हमला किया, वह डॉग शेल्टर का कर्मचारी विशाल है। पहले वीडियो में पिटबुल ने युवक को पकड़ने का प्रयास किया और टांग को अपने जबड़ों से पकड़ लिया। पीड़ित की टांग से खून बहने लगा। दूसरे वीडियो में युवक की टांग में पट्टी बांधकर उसे अस्पताल ले जाया जा रहा है। उसका इलाज अस्पताल में हो रहा है। वहीं, पिटबुल को जंजीर से बांध दिया गया है। बताया जा रहा कि दिल्ली में रहने वाले एक व्यक्ति ने अपने कुत्ते को यहां छोड़ा था। आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष विनोद शर्मा ने बताया कि कुत्ते ने जब युवक की टांग को पकड़ा।

औरंगजेब की तारीफ कर फंसे विधायक अबू आजमी

एफआईआर दर्ज, शिवसेना ने की इस्तीफे की मांग

ठाणे, एजेंसी। मुगल शासक औरंगजेब की तारीफ करने पर शिवसेना ने सोमवार को समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और पुलिस ने रातों-रात मामला दर्ज कर लिया. अबू आजमी पर औरंगजेब की तारीफ करने का आरोप लगा है. उनके खिलाफ वागले एस्टेट पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है.

शिवसेना सांसद नरेश म्हस्के (ने उनके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी. अबू आजमी के खिलाफ विवादित बयान देकर दो समुदायों के बीच दुश्मनी पैदा करने, हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने और सरकार के खिलाफ झूठा प्रचार करने का मामला दर्ज किया गया है.

मुंबई के मानखुर्द शिवाजी नगर निर्वाचन क्षेत्र से विधायक अबू आजमी ने सोमवार को विधानसभा परिसर में विवादास्पद बयान दिया. उन्होंने औरंगजेब की तारीफ की और उसे अच्छा प्रशासक बताया. आजमी ने यह दावा भी किया कि औरंगजेब ने कई मंदिर बनवाए थे.

विधायक अबू आजमी के इस बयान ने नया विवाद खड़ा कर दिया है. आजमी के खिलाफ ठाणे में शिवसेना आक्रामक हो गई है. शिवसेना सांसद नरेश म्हस्के के नेतृत्व में सोमवार को वागले पुलिस थाने में आजमी के खिलाफ नारेबाजी की गई. शिवसैनिकों ने मांग की कि अबू आजमी विधायक पद से इस्तीफा दें।

शिवसेना-यूबीटी में विरोध की हिम्मत नहीं

पत्रकारों से बात करते हुए सांसद नरेश म्हस्के ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) हिम्मत हार चुकी है. उनके पास विरोध करने के लिए लोग भी नहीं हैं. उन्होंने अपने हिंदुत्व के विचारों और सिद्धांतों को इंदिरा गांधी के घर में गिरवी रख दिया है. उन्हें पहले राहुल गांधी और सोनिया गांधी से अनुमति लेनी होगी. उसके बाद वे विरोध में शामिल होंगे.

अबू आजमी के इस्तीफे की मांग

उन्होंने कहा कि हमारे महापुरुषों का अपमान किया गया है. जो कुछ भी किया जा रहा है वह एक तरह से देशद्रोह है. उन्होंने राज्यपाल, मुख्यमंत्री और गृहमंत्री को पत्र लिखकर उनके इस्तीफे की मांग की है. विधायक के तौर पर अबू आजमी ने देश के लिए शपथ ली थी. उन्होंने उसके खिलाफ काम किया है. मुख्यमंत्री ने इस मामले में सख्त आदेश जारी किए हैं. महापुरुषों का अपमान करने वालों में होड़ लगी हुई है, उन्हें समय रहते रोका जाना चाहिए और उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए. सांसद म्हस्के ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि इस मामले में कार्रवाई की जानी चाहिए.

उड़ीसा उच्च न्यायालय का ऐतिहासिक फैसला

13 वर्षीय बलात्कार पीड़िता का गर्भपात मंजूर

कटक, एजेंसी। उड़ीसा उच्च न्यायालय ने सोमवार को 13 वर्षीय बलात्कार पीड़िता को 24 सप्ताह से अधिक समय से चल रहे गर्भ को तत्काल चिकित्सकीय रूप से समाप्त करने की अनुमति दे दी, क्योंकि न्यायालय ने माना कि इससे उसके जीवन और स्वास्थ्य को गंभीर खतरा है.

नाबालिग सिकल सेल एनीमिया और मिर्गी से पीड़ित है, जो ऐसी स्थितियां हैं जो प्रसव से जुड़े खतरों को काफी हद तक बढ़ा देती हैं. अनुसूचित जनजाति समुदाय से ताल्लुक रखने वाली पीड़िता के साथ पिछले साल एक स्थानीय युवक ने कई बार बलात्कार किया था. धमकियों के कारण उसने अपराध का खुलासा तब तक नहीं किया जब तक कि उसकी बिगड़ती सेहत के कारण उसकी मां ने चिकित्सकीय सहायता नहीं ली. तब पता चला कि वह छह सप्ताह से अधिक गर्भवती है, जो कि चिकित्सकीय गर्भपात (एमटीपी) अधिनियम के तहत निर्धारित 24 सप्ताह की सीमा को पार कर गई है.

11 फरवरी को दर्ज की गई एफआईआर के बाद पीड़िता की चिकित्सकीय जांच की गई, जिसमें गर्भावस्था और उससे जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों की पुष्टि हुई. इसके बाद मामला उड़ीसा उच्च न्यायालय में लाया गया, जहां उसके पिता ने गर्भावस्था से होने वाली जानलेवा जटिलताओं का हवाला देते हुए गर्भपात की अनुमति मांगी.

गर्भावस्था का चिकित्सीय समापन (एमटीपी) अधिनियम नाबालिगों और बलात्कार पीड़ितों सहित कुछ श्रेणियों के लिए 24 सप्ताह से अधिक की गर्भावस्था के गर्भपात की भी अनुमति देता है. अदालत ने पिछले महीने अपने आदेश में मेडिकल कॉलेज और अस्पताल को उसकी स्थिति का आकलन करने के लिए एक मेडिकल बोर्ड गठित करने का निर्देश दिया था.

बोर्ड ने निर्धारित किया कि गर्भावस्था को पूर्ण अवधि तक ले जाना नाबालिग के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से खतरे में डाल देगा. इस रिपोर्ट के आलोक में, राज्य सरकार ने याचिका पर कोई आपत्ति नहीं जताई, यह तर्क देते हुए कि बच्चे को जन्म देने के लिए मजबूर करना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत उसके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होगा. न्यायमूर्ति एस के पाणिग्रही ने फैसला सुनाते हुए शारीरिक स्वायत्तता और प्रजनन अधिकारों के महत्व पर जोर दिया, यह देखते हुए कि नाबालिग, हालांकि खुद कोई सूचित विकल्प बनाने में असमर्थ है, उसका प्रतिनिधित्व उसके कानूनी अभिभावकों द्वारा किया जा रहा है.

तेलंगाना: संपत्ति विवाद में बेटे ने की मां की हत्या, गिरफ्तार

हैदराबाद, एजेंसी। संगारेड्डी जिले के रामचंद्रपुरम मंडल के तेलपुर में एक युवक ने संपत्ति विवाद में चाकू से गोदकर मां की हत्या कर दी. पिता ने रोकने की कोशिश की लेकिन उन्हे भी चोटें आई. इस संबंध में पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया.

जानकारी के अनुसार तेलपुर में रहने वाले मल्लारेड्डी और राधिका रेड्डी (50) के दो बेटे हैं. सबसे बड़े बेटे संदीप रेड्डी की एक साल पहले ही शादी हुई थी. छोटा बेटा कार्तिक रेड्डी (26) छोटी उम्र में ही भटक गया था. वह दोस्तों से नहीं मिलता था. वह दूसरे घर में अकेला रहता था. उसने डिग्री तक पढ़ाई की. जैसे-जैसे वह बड़ा होता गया, उसे शराब और ड्रग्स की लत लग गई. वह केवल उन लोगों का विरोध करता था जो उसके करीब थे.

उन्होंने अपने बेटे को नशे की लत से बाहर निकालने के लिए कई तरह की कोशिशें कीं. किसी तरह उन्होंने बेटे को मनाकर कोयंबटूर के एक पुनर्वास केंद्र में भेज दिया. वहां इलाज के बाद वह एक महीने पहले घर लौट आया. वह अपने माता-पिता के साथ रहने लगा. उसके माता पिता इस बात पर खुश थे कि उनका बेटा बदल गया है.

इस बीच उसने तेलपुर के पास करोड़ों रुपये की जमीन अपने नाम पर दर्ज करने के लिए दबाव बढ़ाया. यही नहीं रह-रह कर पैसे मांगना शुरू कर दिया. वह चाहता था कि जितना पैसा मांगे उसे मिल जाए. इसी बात को लेकर वह अपने माता-पिता से अक्सर झगड़ा करने लगा. रविवार को भी संपत्ति के बंटवारे को लेकर उसका झगड़ा हुआ था.

इसी बात को लेकर सोमवार की सुबह

वह फिर झगड़ करने लगा. बात बढ़ने पर उसने अपनी मां पर चाकू से अंधाधुंध हमला कर दिया. उसके पिता ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन उनके हाथ में चोट लग गई. खून से लथपथ राधिका रेड्डी को नलगंडला के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया. वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. बताया जा रहा है कि आरोपी पुलिस की हिरासत में है.

दिल्ली-एनसीआर में रहेगी किल्लत, कई इलाकों में दो दिन नहीं आएगा पानी

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले लोगों को दो दिन पानी की किल्लत का सामना करना पड़ेगा। लोगों को सावधानीपूर्वक पानी का इस्तेमाल करने और जरूरत अनुसार पहले से स्टोर करके रखने की सलाह दी गई है। दिल्ली में जहां चार और पांच मार्च को कई इलाके प्रभावित रहेंगे। वहीं फरीदाबाद में 48 घंटे जलापूर्ति बाधित रहेगी।

दिल्ली के इन इलाकों में आज और कल नहीं आएगा पानी: दिल्ली एयरपोर्ट के पास पाइप लाइन को जोड़े जाने और अंडरग्राउंड रिजर्वायर व बूस्टर पंपिंग स्टेशन की सालाना सफाई की वजह से मंगलवार और बुधवार को एयरपोर्ट समेत दिल्ली के कई इलाकों में पानी की आपूर्ति बाधित रहेगी। दिल्ली जल बोर्ड ने का कहना है कि चार मार्च की सुबह 10 बजे से पांच मार्च तड़के दो बजे तक पानी की आपूर्ति नहीं हो पाएगी। इस दौरान जरूरत पड़ने पर लोग हेल्पलाइन नंबर पर कॉल कर पानी का टैंकर मंगा सकेंगे।

ये इलाके रहेंगे प्रभावित: जल बोर्ड के अनुसार, शाहाबाद मोहम्मदपुर, एयरपोर्ट स्टेशन और आसपास के इलाकों, वसंत कुंज, छतरपुर, जसोला, नेहरू कैंप, रघुवीर नगर, गीता कॉलोनी, लक्ष्मी नगर, रमेश पार्क, मयूर विहार फेज-1 एलआईजी फ्लैट्स, मालवीय नगर, खानपुर गांव, कुतुब एनक्लेव, महरौली, तुगलकाबाद एक्सटेंशन, एमबी रोड, बदरपुर, चिराग दिल्ली, द्वारका, नसीरपुर, मंगलापुरी, यमुना विहार, भजनपुर, शास्त्री पार्क, उस्मानपुर सहित पूर्वी दिल्ली के कई इलाकों में जलापूर्ति प्रभावित हो सकती है।

फरीदाबाद में कल से 48 घंटे जल आपूर्ति नहीं होगी: फरीदाबाद के गांव रायपुर और बुखारपुर में पेयजल लाइन के स्थानांतरण के कारण पांच मार्च से सात मार्च तक सुबह 9 बजे से पेयजल आपूर्ति बंद रहेगी। इससे फरीदाबाद और बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्रों के निवासियों को जल आपूर्ति में असुविधा हो सकती है। एफएमडीए ने लोगों से पहले ही पानी स्टोर करने को कहा है। प्राधिकरण की ओर से गांव रायपुर और बुखारपुर स्थित रेनीवेल लाइन संख्या-2 दो क्षतग्रस्त अवस्था में है। पानी लीकेज के कारण शहरी क्षेत्र तक पूरा पानी नहीं पहुंच पाता है। इसलिए एफएमडीए ने लाइन को बदलने की योजना बनाई है। इसका कार्य शुरू कर दिया है। एफएमडीए ने लोगों से सहयोग की अपील की है और आश्वासन दिया है कि कार्य को समय पर पूरा करने के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे।

नमो भारत ट्रेन के रूट में आ रहे 3500 पेड़ काटने की तैयारी, एनसीआरटीसी ने वन विभाग से मांगी अनुमति

गुरुग्राम , एजेंसी। गुरुग्राम में नमो भारत ट्रेन के रूट में आ रहे करीब साढ़े 3 हजार पेड़ों को काटने की तैयारी चल रही है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने वन विभाग से इन पेड़ों को काटने की अनुमति मांगी है। इन पेड़ों को लेकर वन विभाग की टीम ने सर्वे कर लिया है और मौजूदा स्थिति से उच्चाधिकारियों को भी अवगत करवा दिया गया है। उच्चाधिकारियों की तरफ से ही अब इस मामले में फैसला लिया जाएगा।

एनसीआरटीसी ने दिल्ली-जयपुर हाईवे पर नमो भारत ट्रेन चलाने की योजना बनाई है। इसके तहत दिल्ली में चार, गुरुग्राम में आठ और धारूहेड़ा में एक स्टेशन का निर्माण किया जाना है। साइबर सिटी, इफको चौक, सेक्टर-32, सेक्टर-15 के पार्ट एक और दो, राजीव चौक, हीरो होंडा चौक, पचगांव और बिलासपुर के समीप करीब साढ़े तीन हजार पेड़ आ रहे हैं।

हीरो होंडा चौक पर भूमिगत स्टेशन बनाने की योजना है। इसके बीच में 94 पेड़ आ रहे हैं। इफको चौक स्टेशन निर्माण के बीच में 75 पेड़ आ रहे हैं। अधिकांश पेड़ सेक्टर-15 के पार्ट एक और दो में आ रहे हैं। दिल्ली-जयपुर हाईवे के साथ-साथ सिटीजन पार्क और रोज गार्डन हैं, जिसमें सैकड़ों की संख्या में पेड़ लगे हुए हैं। बता दें कि नमो भारत ट्रेन को प्रदेश सरकार की तरफ से मंजूरी मिल चुकी है।

एनसीआरटीसी की योजना दिल्ली के सराय काले खां से लेकर हरियाणा के धारूहेड़ा तक नमो भारत ट्रेन चलाने की है। इस करीब 30 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। पहले इस

योजना के तहत बहरोड़ तक नमो भारत ट्रेन चलाने की थी, लेकिन पहले चरण में धारूहेड़ा तक ट्रेन चलाई जाएगी।

दूसरे चरण में इस ट्रेन से राजस्थान के बहरोड़ क्षेत्र को जोड़ा जाएगा। पहले चरण में दिल्ली में चार स्टेशन और हरियाणा में नौ स्टेशन का निर्माण किया जाएगा। ये स्टेशन दिल्ली में सराय काले खां, जोरबाग, मुनीरका, एरो सिटी, गुरुग्राम में साइबर सिटी, इफको चौक, राजीव चौक, हीरो होंडा चौक, खेड़की दौला, मानेसर, पचगांव, बिलासपुर और रेवाड़ी के धारूहेड़ा होंगे।

संतोष देशमुख हत्याकांड: धनंजय मुंडे का मंत्री पद से इस्तीफा

सीएम फडणवीस ने रेजिग्नेशन स्वीकार किया

मुंबई, एजेंसी। सरपंच संतोष देशमुख हत्याकांड में फंसे महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे ने पद से इस्तीफा दे दिया है. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और रेजिग्नेशन लेटर राज्यपाल को भेज दिया है. मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए सीएम फडणवीस ने कहा कि धनंजय मुंडे ने अपना इस्तीफा सौंप दिया है.

सरपंच संतोष देशमुख की हत्या की फोटो सामने के बाद मंत्री धनंजय मुंडे के इस्तीफे की मांग फिर जोर पकड़ने लगी थी. फोटो में देखा गया कि आरोपियों ने संतोष देशमुख की बेरहमी से हत्या कर सेल्फी ली और वीडियो बनाए. बजट सत्र के पहले दिन विपक्ष ने सरपंच संतोष देशमुख की हत्या को लेकर मंत्री धनंजय मुंडे के इस्तीफे की मांग की थी. मामले की गंभीरता को देखते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सोमवार रात उपमुख्यमंत्री अजित पवार के देवगिरी स्थित बंगले पर पहुंचे और उनसे मुलाकात की. सूत्रों ने बताया कि दोनों के बीच करीब डेढ़ घंटे तक चर्चा हुई. देवगिरी स्थित बंगले पर पहले से ही एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे और मंत्री धनंजय मुंडे मौजूद थे.

सीएम फडणवीस ने मुंडे को इस्तीफा देने को कहा: मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि सीएम फडणवीस ने धनंजय मुंडे को मंत्री पद से इस्तीफा देने को कहा है और धनंजय मुंडे जल्द मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे सकते हैं.दरअसल, सरपंच संतोष देशमुख हत्याकांड की जांच कर रही सीआईडी ने धनंजय मुंडे के करीबी माने जाने वाले वाल्मिक कराड को मामले में मुख्य आरोपी घोषित किया है. जिससे धनंजय मुंडे की मुश्किलें बढ़ गई हैं. महाराष्ट्र के बीड जिले के कैज तहसील के मासाजोग गांव के तीन बार सरपंच रहे देशमुख को 9 दिसंबर को जबरन वसूली गिरोह के खिलाफ प्रतिरोध करने पर अगवा कर लिया गया, प्रताड़ित किया गया और हत्या कर दी गई।

गुरुग्राम में ग्वाल पहाड़ी से अंधेरिया मोड़ तक 50 मीटर चौड़ी होगी सड़क

दिल्ली-जयपुर हाईवे पर घटेगा जाम

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड स्थित गांव ग्वाल पहाड़ी से लेकर दिल्ली के अंधेरिया मोड़ तक सड़क को चौड़ा किया जाएगा। करीब 8.8 किलोमीटर लंबी इस सड़क की चौड़ाई बढ़ाने पर करीब 305 करोड़ रुपये का खर्चा आएगा। इसमें 106 करोड़ रुपये की लागत से जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा।

149 करोड़ रुपये से सड़क का निर्माण किया जाएगा। 50 करोड़ रुपये हरित क्षेत्र विकसित करने पर खर्च किए जाएंगे। मंजूरी मिलने के बाद इस योजना को ढाई साल के अंदर पूरा कर लिया जाएगा। इस योजना को एनसीआर प्लानिंग बोर्ड की बैठक में रखा गया। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) के एक अधिकारी ने बताया कि दिल्ली-जयपुर हाईवे पर यातायात का दबाव बेहद अधिक बढ़ गया है। सुबह और शाम के समय दिल्ली बॉर्डर पर आधे से एक घंटे तक का जाम रहता है। इससे दिल्ली एयरपोर्ट तक जाने वाले यात्रियों को बेहद असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। एनसीआर प्लानिंग बोर्ड ने दिल्ली-गुरुग्राम के बीच कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए हरियाणा और दिल्ली सरकार को योजना तैयार करने के आदेश जारी किए थे। दिल्ली के पीडब्ल्यूडी ने पिछले महीने हुई बैठक में इस योजना को रखा। इसमें बताया गया कि वित्तीय और योजना विभाग की वित्तीय कमेटी के समक्ष यह योजना रख दी गई है। मंजूरी मिलने पर इस दिशा में काम शुरू कर दिया जाएगा। मौजूदा समय में इस सड़क की चौड़ाई 10 मीटर है। इसकी चौड़ाई को 60 मीटर करने की योजना बनाई गई है। योजना के पूरा होने के बाद हाईवे पर यातायात दबाव कम हो जाएगा।

बेनतीजा रही पंजाब सरकार और किसानों के बीच की बैठक, गुस्से में बाहर चले गए सीएम भगवंत मान

चंडीगढ़, एजेंसी। प्रमुख कृषि मुद्दों पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और किसानों के प्रतिनिधियों के बीच बैठक बिना किसी समाधान के समाप्त हो गई, जिससे जारी गतिरोध और बढ़ गया। बैठक में पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुडियां और मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल भी मौजूद थे। इस बीच, किसान नेता जोगिंदर सिंह उग्राहन ने पुष्टि की कि अनिर्णायक बैठक के बावजूद, 5 मार्च को चंडीगढ़ में नियोजित विरोध कार्यक्रम निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ेगा। वहीं, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि आज पंजाब भवन में हुई बैठक में मैंने किसान संगठनों के सभी सम्मानित नेताओं से अपील की कि सड़कों और ट्रेनों को रोकना या पंजाब को बंद करना किसी भी मुद्दे का समाधान नहीं है। इन सबसे आम लोगों को असुविधा होती है। इसका समाज के अन्य वर्गों के काम और व्यवसायों पर भी बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है, आइए हम इस बारे में भी सोचें। कोई समाधान नजर नहीं आने के कारण, तनाव बरकरार है क्योंकि किसान अपनी मांगों पर लगातार जोर दे रहे हैं, जिससे पंजाब सरकार के साथ और टकराव की स्थिति तैयार हो गई है। दूसरी ओर किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल ने अपने बयान में कहा कि सीएम मान गुस्से में बैठक छोड़कर चले गए, किसानों ने फिर से चंडीगढ़ में आंदोलन करने की घोषणा की। कोई निष्कर्ष नहीं निकला। किसानों द्वारा विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा के बाद मान गुस्से में बैठक छोड़कर चले गए। सीएम ने चेतावनी दी कि अगर किसानों ने 5 मार्च को अपना नियोजित विरोध वापस ले लिया, तो उनकी मांगों पर विचार किया जाएगा।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ से हटाया प्रतिबंध

अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेलने का रास्ता साफ

नई दिल्ली, एजेंसी। फुटबॉल की विश्व नियामक संस्था फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ (पीएफएफ) पर लगे निलंबन को हटा लिया है। यह फैसला पीएफएफ असाधारण कांग्रेस द्वारा सुझाए गए संवैधानिक परिवर्तनों को मंजूरी मिलने के बाद लिया गया। पीएफएफ ने एक आधिकारिक बयान में कहा, ÷27 फरवरी को पीएफएफ असाधारण कांग्रेस के सफल नतीजे के बाद फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ पर से निलंबन हटा दिया है और उसके पूर्ण सदस्यता अधिकार बहाल कर दिए हैं।

संस्था ने आगे कहा कि वह फीफा और एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के निरंतर समर्थन के लिए आभार व्यक्त करता है और पाकिस्तान फुटबॉल समुदाय को बधाई देता है। तीसरी बार लगा था प्रतिबंध

फीफा ने 2017 और 2021 में तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के कारण पाकिस्तान पर दो बार प्रतिबंध लगाया था।

2019 में, संगठन ने पीएफएफ के संचालन और चुनावों की निगरानी के लिए एक सामान्यीकरण समिति गठित की थी। हाल ही में, 7 फरवरी 2025 को फीफा ने निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने वाले संविधान को न अपनाने के कारण पाकिस्तान पर तीसरी बार प्रतिबंध लगाया था। लेकिन अब फीफा द्वारा अनुमोदित संविधान में बदलाव के बाद पीएफएफ को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में हिस्सा लेने की अनुमति मिल गई है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान की स्थिति पाकिस्तान फुटबॉल टीम का प्रदर्शन बीते वर्षों में निराशाजनक रहा है। टीम 1962 मर्डेका कप और 1997 सैफ चैंपियनशिप में उपविजेता रही थी। हाल ही में, पाकिस्तान ने 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर में हिस्सा लिया, लेकिन सबसे निचले स्थान पर रहा। उसका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला ताजिकिस्तान के खिलाफ था, जिसमें उसे 0-3 से हार मिली थी। फीफा की ताजा रैंकिंग में पाकिस्तान 198वें स्थान पर है। अब टीम अगले 2027 एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में खेलेगी, जहां उसे सीरिया, म्यांमार और अफगानिस्तान के साथ मुकाबला करना है। पाकिस्तान 25 मार्च को सीरिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप: असम ने बिहार को 2-1 से हराया

पंचकूला, एजेंसी। ताऊ देवी लाल हॉकी स्टेडियम, पंचकूला में चल रही 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के डिवीजन बी के तीसरे दिन सोमवार को असम हॉकी ने हॉकी एसोसिएशन ऑफ बिहार को 2-1 से हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की।

मैच की शुरुआत से दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। पहला क्वार्टर बिना किसी गोल के समाप्त हुआ, लेकिन हाफ टाइम से ठीक पहले असम हॉकी की कप्तान मुनमुनी दास (29) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद असम हॉकी ने शानदार रक्षात्मक खेल दिखाते हुए तीसरे क्वार्टर तक अपनी बढ़त बनाए रखी। मैच के अंतिम क्षणों में रोमांच और बढ़ गया। खुशबू प्रजापति (59) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर असम हॉकी की बढ़त को 2-0 कर दिया। हालांकि, अगले ही मिनट में नुसरत खातून ने बिहार की ओर से एकमात्र गोल कर अंतर कम किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इस जीत के साथ असम हॉकी ने अंकतालिका में अपना खाता खोल लिया.

बाबर आजम को एक महीने में ट्रेविस हेड बना दूंगा, योगराज सिंह ने किया है ऐसा दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। बाबर आजम को एक महीने में ट्रेविस हेड बना दूंगा. ये बयान युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह का बताया जा रहा है, जो कि अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. अब अगर ऐसा है तो ये एक बड़ा दावा है. मगर योगराज सिंह के इस दावे की फिलहाल पुष्टि नहीं करता. सोशल मीडिया पर चल रहा योगराज सिंह का बयान हैंडल से पोस्ट किया गया है, जिसके मुताबिक वो बाबर आजम को एक महीने में ट्रेविस हेड बना देंगे.

योगराज सिंह ने कहा है कि बाबर आजम को सिर्फ एक महीने के लिए मेरे साथ छोड़ दो और फिर मैं उसे ट्रेविस हेड बना दूंगा. हालांकि, ये बयान कितना पुख्ता है, इस बारे में कुछ भी साफ नहीं है. हमने जब इसकी जानकारी जुटाने की कोशिश की तो हमें फिलहाल कहीं और कुछ भी नहीं मिला.

चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान के फीके प्रदर्शन के बाद योगराज सिंह ने स्पोर्ट्स नेक्स्ट को दिए इंटरव्यू में ये जरूर कहा था कि अगर वो पाकिस्तान के कोच बनते हैं तो उस टीम की दशा और दिशा दोनों बदल देंगे. योगराज ने कहा था कि कभी-कभी उन्हें लगता है कि पाकिस्तान की टीम को फोन करके कहें कि अगर उनके पास कोच नहीं है तो ये टीम एक साल के लिए उन्हें दे दें फिर वो उन्हें बब्बर शेर बना देंगे. योगराज सिंह ने माना था कि पाकिस्तान की टीम में वो सबकुछ है, जो एक बेहतर टीम बनने के लिए चाहिए. उनके पास बड़े स्टार्स है तो तेज रफ्तार वाले गेंदबाज भी हैं. अगर कुछ नहीं है तो वो है अच्छी व्यवस्था.

महान स्पिनर पद्माकर शिवलकर का निधन, सेमीफाइनल में काली पट्टी बांधकर उतरी भारतीय टीम

दुबई, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में आज भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सेमीफाइनल मुकाबला खेला जा रहा है। यह मैच दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में जारी है। भारतीय टीम इस मैच में बांह पर काली पट्टी बांधकर उतरी। दरअसल, मुंबई के महान स्पिनर पद्माकर शिवलकर का उम्र संबंधी समस्याओं के कारण सोमवार को निधन हो गया था। भारतीय खिलाड़ी उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। मैच में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया।

शिवलकर ने 84 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। बाएं हाथ के स्पिनर शिवलकर देश के सर्वश्रेष्ठ स्पिनरों में से एक थे जिन्हें कभी राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने का मौका नहीं मिला। उनकी गिनती घरेलू क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ स्पिनरों में होती थी। वह 10 बार रणजी चैंपियन बन चुके हैं। शिवलकर को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा 2017 में सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। महान सुनील गावस्कर ने सोमवार को मुंबई और घरेलू क्रिकेट के दिग्गज पद्माकर शिवलकर को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि कुछ अन्य की तुलना में भारतीय टीम में खेलने के अधिक हकदार थे।

शिवलकर ने 1961-62 से 1987-88 के बीच कुल 124 प्रथम श्रेणी मैचों में हिस्सा लिया और 19.69 की औसत से 589 विकेट लिए। बाएं हाथ के स्पिनर ने 22 साल की उम्र में रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया और 48 साल की उम्र तक खेलना जारी रखा। उन्होंने भारत की प्रमुख घरेलू प्रतियोगिता में 361 विकेट लिए जिसमें 11 बार मैच में 10 विकेट लेना शामिल हैं। शिवलकर ने 12 लिस्ट ए मैचों 16 विकेट लिए है। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा, मुंबई क्रिकेट ने आज एक सच्चे दिग्गज को खो दिया है। पद्माकर शिवलकर सर का खेल में योगदान, खासकर अब तक के सबसे बेहतरीन स्पिनरों में से एक के रूप में हमेशा याद किया जाएगा। मुंबई क्रिकेट पर उनका समर्पण, कौशल और प्रभाव अद्वितीय है।

रिजवान का पत्ता साफ, पाकिस्तान टीम को मिला नया कप्तान

31 साल के सलमान आगा के हाथों में कमान

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के समापन के ठीक बाद पाकिस्तान को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज खेलनी है. पाक टीम का एलान करके सलमान आगा को नया टी20 कप्तान नियुक्त कर दिया है. न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 टीम से मोहम्मद रिजवान और बाबर आजम की छुट्टी हो गई है, हालांकि चयनकर्ताओं ने दोनों फॉर्मेट में अब भी शाहीन शाह अफरीदी पर भरोसा दिखाया है.

अभी पाकिस्तान टीम के अंतरिम हेड कोच आकिब जावेद ने लाहौर में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके सलमान आगा को कप्तान बनाने की जानकारी दी. सबसे चौंकाने वाला फैसला यह है कि टी20 टीम से

बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को बाहर कर दिया गया है. आकिब जावेद ने बताया कि टीम मैनेजमेंट युवाओं को मौका देना चाहता है. बताते चलें कि टी20 स्क्वाड से नसीम शाह और मोहम्मद हसनैन को भी ड्रॉप कर दिया गया है.

कब खेली जाएगी पाकिस्तान-न्यूजीलैंड टी20 सीरीज

अभी न्यूजीलैंड टीम चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में खेल रही है, जहां 5 मार्च को उसे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेमीफाइनल मैच खेलना है. पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की टी20 सीरीज 16 मार्च से शुरू होगी और 26 मार्च तक दोनों टीमों के बीच पांच टी20 मैच खेले जाएंगे. बताते चलें कि टी20 सीरीज के बाद दोनों देशों के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज भी खेली जाएगी. पाकिस्तान, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में मेजबान होते हुए भी एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाया था और ग्रुप स्टेज में ही बाहर हो गया था.

पाकिस्तान का टी20 स्क्वाड:

सलमान अली आगा (कप्तान), शादाब खान (उप-कप्तान), अब्दुल समद, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, हसन नवाज, जहांदाद खान, खुशदिल शाह, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद अली, मोहम्मद हारिस, मुहम्मद इरफान खान, ओमैर बिन यूसुफ, शाहीन शाह अफरीदी, सुफयान मुकीम, उस्मान खान.

शमा मोहम्मद ने विराट कोहली को भी बताया था विदेशी, शादी को लेकर भी उठाया था सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के वजन पर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा का वजन जरूरत से ज्यादा है और प्रभावी कप्तान नहीं है। इस बयान के बाद काफी हंगामा मचा था। शमा ने पहली बार किसी क्रिकेटर पर बयान नहीं दिया है। वह इससे पहले विराट कोहली को लेकर भी विवादित बयान दे चुकी हैं।

शमा मोहम्मद ने कोहली को लेकर दिया था बयान

सोशल मीडिया पर शमा मोहम्मद का सात साल पुराना ट्वीट वायरल हुआ है। इस पोस्ट में वह विराट कोहली पर निशाना साध रही थीं। विराट कोहली ने उस समय एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि न्यूजीलैंड-ऑस्ट्रेलिया को पसंद करने वालों को वहीं चले जान चाहिए। शमा ने इसी इंटरव्यू को लेकर कोहली पर निशाना साधा था और वह उसकी शादी तक को बीच में ले आई थीं।

कोहली को किया था ट्रोल

उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, 'विराट कोहली ब्रिट्रिश द्वारा बनाया गया गेम खेलते हैं, वह विदेशी ब्रांड्स को एंडोर्स करके करोड़ों रुपए कमाते हैं, उन्होंने इटली में शादी की। हर्षल गिब्स को अपना

पसंदीदा क्रिकेटर और एंजलीक कर्बर को पसंदीदा टेनिस खिलाड़ी मानते हैं और विदेशी बल्लेबाजों को पसंद करने वालों को भारत छोड़ने को कहते हैं।'

रोहित शर्मा को लेकर दिया था विवादित बयान

शमा ने रोहित शर्मा को लेकर पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने कहा, 'शर्मा एक खिलाड़ी होने के लिहाज से मोटे हैं। उन्हें वजन कम करने की जरूरत है! और निश्चित रूप से वह भारत के अब तक का सबसे अप्रभावी कप्तान हैं।''कांग्रेस ने स्वीकार किया कि उन्होंने मर्यादा का उल्लंघन किया है और पार्टी ने उनसे पोस्ट डिलीट करने के लिये भी कहा।

एशियाई चैंपियंस लीग

रोनाल्डो की गैरमौजूदगी में अल-नासेर ने एस्तेघलाल से ड्रॉ खेला

तेहरान, एजेंसी। दिग्गज खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्ड की गैरमौजूदगी में सऊदी अरब के अल-नासेर ने एएफसी चैंपियंस लीग (एसीएल) फुटबॉल मैच में ईरान के एस्तेघलाल के साथ पहले चरण के मैच को गोलरहित ड्रॉ खेला। 40 साल के रोनाल्डो ने मैनचेस्टर यूनाइटेड और रीयाल मैड्रिड के साथ पांच बार यूएफा चैंपियंस लीग खिताब जीते हैं। इस साल जनवरी में एस्टन विला से अनुबंधित किए गए जॉन डुरान सोमवार को खेले गये मैच में गोल करने के करीब पहुंच कर चूक गए। लीवरपूल के पूर्व स्टार सादियो माने के पास मौके थे लेकिन एस्तेघलल के गोलकीपर सईद होसैन होसैनी ने शानदार खेल से उनके सभी प्रयासों को विफल कर दिया। दोनों टीमों के बीच दूसरे चरण का मैच 11 मार्च को रियाद में होगा, जिसे जीतने वाली टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंचेगी। एक अन्य मैच में संयुक्त अरब अमीरात के अल वस्ल को कतर के अल-साद ने गोलरहित बराबरी पर रोका।

जोशुआ चेप्टेगी ने 2025 विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए किया क्वालीफाई

नई दिल्ली, एजेंसी। युगांडा के दिग्गज धावक जोशुआ चेप्टेगी ने जापान के टोक्यो में आयोजित मैराथन में शानदार प्रदर्शन करते हुए 2025 विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता चेप्टेगी ने रविवार को टोक्यो मैराथन में 2 घंटे 5 मिनट 59 सेकंड का समय निकालते हुए नौवां स्थान हासिल किया और विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए निर्धारित 2:06:30 के क्वालीफाइंग समय को पार कर लिया। इस रेस में इथियोपिया के टाडेस ताकेले ने पहला स्थान प्राप्त किया। चेप्टेगी ने क्वालीफाई करने पर खुशी जताते हुए कहा, मैं बहुत उत्साहित हूं कि मैं अपनी दूसरी मैराथन में शीर्ष 10 में जगह बना सका। ट्रैक से मैराथन में आने के बाद से मैं अभी भी सीखने की प्रक्रिया में हूं।

युगांडा के ही एक अन्य धावक, स्टीफन किस्सा, 25वें स्थान पर रहे लेकिन क्वालीफाइंग समय को पार करने में असफल रहे। गौरतलब है कि चेप्टेगी ने पिछले साल 42 किमी मैराथन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए 5,000 मीटर और 10,000 मीटर की दौड़ से हटने की घोषणा की थी। उन्होंने 2023 में वालेंसिया मैराथन में अपना डेब्यू किया था, जहां वे 37वें स्थान पर रहे थे।

भारतीय विकेटकीपर ऋषभ पंत को मिल सकता है लॉरियस वर्ल्ड कमबैक अवॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को बड़ा सम्मान दिया जा सकता है। पंत दिसंबर 2022 में कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद क्रिकेट के मैदान पर वापसी करने में सफल रहे थे। पंत को प्रतिष्ठित लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड 2025 में साल के सर्वश्रेष्ठ कमबैक अवॉर्ड के लिए नामित किए गए हैं। यह पुरस्कार समारोह 21 अप्रैल को मैड्रिड में आयोजित होगा। पंत दिल्ली से रूड़की जाते वक्त 30 दिसंबर 2022 को कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। शुरुआत में उनका इलाज देहरादून में हुआ था और फिर उन्हें एयरलिफ्ट कर मुंबई लाया गया जहां भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के विशेषज्ञों की निगरानी में उनका इलाज चला। उनके घुटने के तीन लिगामेंट्स की सर्जरी की गई थी। पंत ने बंगलुरू में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में रिहैब किया था।

पंत पिछले साल आईपीएल से मैदान पर वापसी करने में सफल रहे थे। उन्होंने आईपीएल 2024 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच से वापसी की थी। पंत इसके बाद टी20 विश्व कप टीम में भी शामिल हुए थे। फिर उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में वापसी की थी।

कार दुर्घटना में घायल होने के बाद वापसी करते हुए अपने पहले ही टेस्ट मैच में पंत ने शतक लगाया था। उनकी शानदार पारी से भारत वो मुकाबला 280 रन से जीतने में सफल रहा था। पंत फिलहाल चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम का हिस्सा हैं। पंत को हालांकि, अब तक तीनों मुकाबले में खेलने का मौका नहीं मिला है और उनकी जगह केएल राहुल को प्लेइंग-11 में शामिल किया गया है।

पंत की अनुपस्थिति में वनडे विश्व कप 2023 में राहुल ने विकेट के पीछे जिम्मा संभाला था और प्रभावित करने में सफल रहे थे। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद पंत 22 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल 2025 में हिस्सा लेंगे। पंत इस बार लखनऊ सुपरजाएंट्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। पंत आईपीएल 2025 के लिए पिछले साल हुई खिलाड़ियों की मेगा नीलामी में सबसे ज्यादा कीमत पर बिकने वाले खिलाड़ी बने थे।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

अधिवक्ता मनुजेश्वर प्रसाद पटवर्द्धन के निधन पर शोकसभा

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। जिला विधिज्ञ संघ, औरंगाबाद के राजस्व कानून के वरीय अधिवक्ता मनुजेश्वर प्रसाद पटवर्द्धन के निधन पर संघ में एक शोकसभा आयोजित की गई। अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष विजय कुमार पांडेय ने की जबकि संचालन महासचिव जगनारायण सिंह ने किया। शोकसभा में सर्वप्रथम उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि वक्ताओं ने कहा कि लोहिया के विचारों से विशेष लगाव रखने वाले मनुजेश्वर प्रसाद पटवर्द्धन 1933 के जन्मे थे। उन्होंने पटना लॉ कॉलेज से 1961 में विधि स्नातक कर 1962 में संघ सदस्य बने। बिराटपुर निवासी मनुजेश्वर बाबू कुछ वर्षों से बीमार चल रहे थे। शोकसभा में संघ के अधिकांश अधिवक्तागण उपस्थित थे। शोकसभा के बाद सभी अधिवक्ताओं ने अपने आप को न्यायिक कार्य से विरत रखा, जिससे जमानत, बहस और न्यायिक निर्णय सहित अन्य कार्य प्रभावित हुए।

औरंगाबाद, डिहरी व सासाराम शहर को मिलेगी पेयजल संकट से मुक्ति, ड्रीम प्रोजेक्ट पर चल रहा तेजी से काम

ब्रिटिशकालीन एनिकट रिजर्वायर के पुनर्निर्माण से होगा तीन शहरों में शुद्ध जल की आपूर्ति

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद। औरंगाबाद, डिहरी और सासाराम शहरवासियों की पेयजल समस्या का शीघ्र समाधान होने जा रहा है। बिहार सरकार ने अति महत्वाकांक्षी जल जीवन हरियाली अभियान (जेजेएच) के तहत सोन नदी से तीनों शहरों को पाईपलाइन द्वारा पेयजल उपलब्ध कराने की योजना पर तेजी से कार्य प्रारंभ कर दिया है। इस योजना के तहत सोन नदी में बारूण और रोहतास के डिहरी के बीच स्थित, ब्रिटिशकालीन एनिकट रिजर्वायर का पुनर्निर्माण किया जा रहा है। पुनर्निर्माण कार्य पूरा होने के पश्चात् इस रिजर्वायर में सोन नदी के सतही जल का भंडारण किया जाएगा। भंडारित जल को डिहरी में निर्मित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट (डब्ल्यूटीपी) में शुद्ध किया जाएगा और उसी ट्रीटमेंट प्लांट से पाईपलाइन के माध्यम से औरंगाबाद, डिहरी एवं सासाराम शहरों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति की जाएगी। इस योजना से तीनों शहरों में पेयजल के लिए भूजल पर निर्भरता समाप्त हो जाएगी और गर्मी के दिनों में भी जल संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा।

इस महत्वाकांक्षी योजना के पूरा होने के बाद औरंगाबाद, डिहरी तथा सासाराम शहर के कुल 1,02,995 घरों में सोन नदी का शोधित जल उपलब्ध कराया जाएगा। नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा पेपलाइन बिछाई जा रही है, जबकि जलाशयों एवं जलशोधन के लिए आवश्यक संरचनाओं का निर्माण कार्य भी जारी है। इस परियोजना का क्रियान्वयन हैदराबाद की एनसीसी लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है।

कार्यस्थल पर दिन-रात युद्ध गति से काम चल रहा है। जबकि योजना को मार्च 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, काम की तीव्र गति को देखते हुए उम्मीद जताई जा रही है कि यह परियोजना निर्धारित समय से लगभग छह महीने पहले पूरी हो सकती है। वर्तमान में योजना का लगभग 15 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है और शेष 85 प्रतिशत कार्य तेजी से संपन्न किया जा रहा है।

इस परियोजना के शिलान्यास का गौरतलब रूप से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2 सितंबर 2024 को किया था। शिलान्यास के बाद से ही इस योजना का कार्य तेजी से आगे बढ़ा है। वर्तमान में पुराने एनिकट के बांध को डेवलप किया जा रहा है। डेवलपमेंट के पश्चात् बराज में जल भंडारण हेतु कुल 48 स्लुइस गेट लगाए जाएंगे, जिनमें से प्रत्येक की चौड़ाई 15 मीटर होगी। बराज में अधिक जल जमाव की स्थिति में ओवरफ्लो तथा स्लुइस गेट को उपर उठाकर अतिरिक्त जल सोन नदी में आगे बहाया जा सकेगा। पहले खनन विभाग द्वारा पुराने रिजर्वायर में जमा गाद के डिसिल्टेसन का कार्य भी किया जाएगा।

जल संसाधन विभाग, डिहरी के मुख्य अभियंता ब्रजेश मोहन ने बताया कि औरंगाबाद, डिहरी और सासाराम शहरों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ड्रीम प्रोजेक्ट 'अमृत जलधारा योजना' पर तेजी से काम चल रहा है। उन्होंने आगे कहा कि इस परियोजना की कुल लागत लगभग 1400 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। नियमित रूप से कार्यस्थल पर प्रतिदिन प्रगति का जायजा लेकर उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट भेजी जा रही है, जिससे योजना को निर्धारित समय पर पूरा करना सुनिश्चित किया जा सके। इस योजना के सफल क्रियान्वयन से राज्य के नागरिकों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी तथा पेयजल संकट से निजात मिलेगी।

एनटीपीसी में मनाया गया 54वां राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस

निज संवाददाता | नवीनगर (औरंगाबाद)

जिले के एनटीपीसी नबीनगर में मंगलवार को 54वां राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख एवं कार्यकारी निदेशक एल. के. बेहेरा ने राष्ट्रीय सुरक्षा ध्वज फहराकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों और श्रमिकों को सुरक्षा शपथ दिलाई और कार्यस्थल पर सुरक्षा के महत्व को दोहराया।

कार्यक्रम के तहत एनटीपीसी नबीनगर के सुरक्षा विभाग द्वारा एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसमें सुरक्षा नियमों और कार्यस्थल पर सतर्कता बनाए रखने के उपायों पर चर्चा की गई। सभा को संबोधित करते हुए परियोजना प्रमुख एल. के. बेहेरा ने कहा, 'राष्ट्र के विकास में कार्यस्थल सुरक्षा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि कर्मचारी सुरक्षित रहेंगे, तो उत्पादन और विकास भी निर्बाध रूप से आगे बढ़ेगा। सुरक्षा नियमों का पालन न केवल संगठन स्तर पर आवश्यक है, बल्कि यह हमारी सामुदायिक जिम्मेदारी भी है। हमें हमेशा कार्यस्थल पर सतर्क रहना चाहिए और सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन करना चाहिए।

इस अवसर पर महाप्रबंधक (ओएंडएम) के. डी. यादव, सुरक्षा अधिकारी, और संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने कर्मचारियों और श्रमिकों को कार्यस्थल पर सावधानी बरतने, नियमों का पालन करने और किसी भी आपातकालीन स्थिति में सही कदम उठाने के महत्व को समझाया। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि एनटीपीसी में सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी कर्मचारियों को इस दिशा में निरंतर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा नियमों का पालन केवल कार्यस्थल पर ही नहीं, बल्कि दैनिक जीवन में भी आवश्यक है। हर वर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस मनाने का उद्देश्य कार्यस्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देना है। इसका मुख्य उद्देश्य श्रमिकों को सुरक्षित कार्य वातावरण प्रदान करना और दुर्घटनाओं की संभावना को न्यूनतम करना है। एनटीपीसी नबीनगर प्रबंधन ने इस अवसर पर संकल्प लिया कि वे आगे भी अपने कर्मचारियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे और उन्हें बेहतर प्रशिक्षण, आवश्यक संसाधन और सुरक्षित कार्यस्थल उपलब्ध कराएंगे। कार्यक्रम के समापन पर अधिकारियों ने सभी कर्मचारियों और श्रमिकों को कार्यस्थल पर सुरक्षा के प्रति सजग रहने की अपील की और भविष्य में भी ऐसे जागरूकता अभियानों को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

प्रतियोगिताओं और पुरस्कार वितरण का आयोजन

कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इन प्रतियोगिताओं में कर्मचारियों, सहकर्मियों और श्रमिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसके अलावा, उन कर्मचारियों और श्रमिकों को विशेष सम्मान दिया गया, जिन्होंने वर्षभर सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन किया और दूसरों को भी प्रेरित किया। इस अवसर पर सभी को कार्यस्थल पर सुरक्षा का ध्यान रखने और अपने सहकर्मियों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की गई।

बिषेनी बड़कागांव में कलश एवं शोभायात्रा के साथ श्री श्री शतचंडी महायज्ञ का शुभारंभ

निज संवाददाता | बारूण (औरंगाबाद)

बारुण प्रखंड के बिषेनी बड़कागांव में मंगलवार को भव्य कलश एवं शोभायात्रा के साथ श्री श्री शतचंडी महायज्ञ का शुभारंभ किया गया। यज्ञ के शुभारंभ अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा जल से भरे कलश के साथ पारंपरिक वेशभूषा में नगर भ्रमण किया। पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा, और स्थानीय लोगों में उत्साह देखने को मिला। यज्ञ समिति के अध्यक्ष पति नाथ पंकज ने जानकारी दी कि यह महायज्ञ 10 मार्च तक चलेगा, जिसमें विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए जाएंगे। 5 मार्च को पंचांग पूजन एवं अग्नि उत्पन्न किया जाएगा, जबकि 6 मार्च को देवताओं का आह्वान होगा। इस महायज्ञ के दौरान ग्राम देवी की प्राण प्रतिष्ठा भी की जाएगी, जिससे पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का माहौल रहेगा।

इस महायज्ञ में दूर-दूर से आए विद्वान ब्राह्मणों द्वारा दुर्गा सप्तशती का पाठ, हवन और पूजन किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष ने बताया कि क्षेत्र में लंबे समय से इस तरह का कोई बड़ा यज्ञ नहीं हुआ था, जिसके कारण स्थानीय लोगों में विशेष हर्ष और उत्साह है। सायंकालीन सत्र में प्रसिद्ध कथावाचक अंजनी शरण सवर्णी द्वारा कथा और प्रवचन का आयोजन किया जाएगा। प्रवचन के माध्यम से धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व को उजागर किया जाएगा, जिससे श्रद्धालु आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त कर सकें। यज्ञ समिति ने बताया कि यह महायज्ञ सभी लोगों के कल्याण के लिए आयोजित किया गया है। यज्ञ से न केवल वातावरण शुद्ध होता है, बल्कि इससे मन और आत्मा का भी शुद्धिकरण होता है। इस आयोजन में देश के विभिन्न धर्मस्थलों से प्रतिष्ठित विद्वान और पंडित भाग ले रहे हैं, जिससे यज्ञ की पवित्रता और भव्यता बढ़ गई है।

श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था

यज्ञ समिति ने यह भी सुनिश्चित किया है कि किसी भी श्रद्धालु को कोई परेशानी न हो। भक्तों की सुविधा के लिए भोजन, जल एवं आवास की विशेष व्यवस्था की गई है। साथ ही, सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर स्वयंसेवकों की तैनाती की गई है ताकि यज्ञ शांतिपूर्ण और व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके। यज्ञ स्थल पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है, और भक्तगण पूरे श्रद्धाभाव से पूजा-अर्चना कर रहे हैं। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं से यज्ञ में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

बीआरबीसीएल में मनाया गया 54वां राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस

निज संवाददाता | नवनीगर (औरंगाबाद)

बीआरबीसीएल, नबीनगर ने 4 मार्च को 54वें राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के उपलक्ष्य में धूमधाम से कार्यक्रम का आयोजन किया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी बीजेसी शास्त्री ने ध्वजारोहण करते हुए समारोह का शुभारंभ किया, जिससे पूरे परिसर में उत्साह का माहौल बन गया।

इसके पश्चात, महाप्रबंधक, परिचालन एवं अनुरक्षण श्री बिमल कुमार साहा ने सभी विभागाध्यक्षों, कर्मचारियों, सीआईएसएफ अधिकारियों एवं ठेका कर्मियों को हिन्दी में सुरक्षा प्रतिज्ञा करवाई। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि श्री शास्त्री ने जोर देकर कहा कि सुरक्षा हर व्यक्ति और उसके परिवार के लिए अनिवार्य है। उन्होंने सभी को कार्य से पूर्व संभावित खतरों की पहचान करने, असुरक्षित परिस्थितियों को दूर करने और तकनीकी सुधार तथा प्रशिक्षण के माध्यम से दुर्घटनाओं को रोकने का आग्रह किया। बीआरबीसीएल के विभिन्न विभागाध्यक्ष, डिप्टी कमांडेंट, सीआईएसएफ तथा सहायक कमांडेंट समेत उच्च स्तरीय अधिकारी भी इस आयोजन में भाग लेने आए। कार्यक्रम का समन्वय अपर महाप्रबंधक, सुरक्षा, श्री अशोक कुमार झा ने किया, जिन्होंने वार्षिक सुरक्षा गतिविधियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। संचालन के जिम्मे वरिष्ठ प्रबंधक, पी एंड एस, श्री सुमित गुंजन ने भी अपनी भूमिका निभाई। सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने के लिए बीआरबीसीएल कर्मियों, उनके परिवारों, ठेका कर्मचारियों तथा स्कूल के बच्चों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिससे सुरक्षा संदेश को व्यापक स्तर पर फैलाया जा सके। इस कार्यक्रम के माध्यम से न केवल कर्मचारियों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी, बल्कि संगठन में एक सकारात्मक और सतर्क वातावरण भी स्थापित हुआ।

अनुग्रह मिडिल स्कूल में 227 बच्चों की हुई आंख जांच

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

शहर के अनुग्रह मध्य विद्यालय में जिला स्वास्थ्य समिति के चलंत चिकित्सा दल ने मंगलवार को डॉ. रितेश के नेतृत्व में 227 बच्चों की दृष्टि जांच की। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत विद्यालय में प्रथम स्तरीय दृष्टि जांच कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधानाध्यापक उदय कुमार सिंह, शिक्षाविद् आभा सिंह, आयुष चिकित्सक डॉ. रितेश, डीसीएम कुमार आनंद प्रकाश, करुणा सिंहा, सुगंधा सिंह आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रधानाध्यापक उदय कुमार सिंह ने बताया कि विद्यालय में उपस्थित कक्षा 6-8 तक के 227 बच्चों का दृष्टि जांच किया गया। जांच के क्रम में 11 बच्चों की दृष्टि बाधित पाई गई जिनका आगामी 8 मार्च को सदर अस्पताल में आधुनिक तकनीक से दृष्टि की पुनः जांच की जाएगी और उसके अनुरूप चश्मा मुहैया कराया जाएगा। प्राथमिक स्वास्थ केंद्र जम्होर के डॉक्टर रितेश, फार्मासिस्ट मो. तारिक एवं एएनएम पूनम व चंदा ने अच्छे टीम वर्क का नजीर पेश करते हुए अधिकतम बच्चों का विज्ञन चेक किया।

नीलाम पत्र से संबंधित समीक्षा बैठक, बॉडी वारंट कार्यवाही में तेजी

औरंगाबाद (एसवीवी सं.)। मंगलवार को जिला पदाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में नीलाम पत्र से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में यह चर्चा की गई कि अब तक 586 मामलों के खिलाफ बॉडी वारंट जारी किए जा चुके हैं। इनमें से 48 मामलों में गिरफ़्तारी की गई है और रिकवरी की प्रक्रिया भी तेजी से आगे बढ़ी है। जिले में अब तक कुल 22 करोड़ रुपये की रिकवरी हो चुकी है। बैठक में धारा 7, प्री वारंट, बीडब्ल्यू/डीडब्ल्यू के तमिल संबंधी मामलों पर संबंधित थानेदार से विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में डीपीआरओ इफ्तेखार अहमद, डीएसपी मुख्यालय, एडीएम आपदा प्रबंधन, अनुमंडल लोक शिकायत पदाधिकारी धर्मेंद्र कुमार, डीसीएलआर श्वेतांक लाल, सभी वरीय उप समाहर्ता एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक का उद्देश्य मौजूदा कार्यवाही का आंकलन करना और रिकवरी प्रक्रिया में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाने पर चर्चा करना था।

डीएम के जनता दरबार में ग्रामीण समस्याओं का त्वरित समाधान

औरंगाबाद (एसवीवी सं.)। मंगलवार को जिला पदाधिकारी श्रीकान्त शास्त्री (भा.प्र.से.) ने अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन करते हुए ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं की सुनवाई की। इस दरबार में ग्रामीणों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं को उठाया। दायर परिवार के सुजीत कुमार सिंह (ग्राम बसंतपुर, पोस्ट रामपुर, थाना बारुण) ने पीएम इलेक्ट्रॉनिक हाई मास्क लाइट के कारण धान एवं रबी फसल में हुए नुकसान के संबंध में मुआवजे की मांग की।

लोजपा के प्रदेश महासचिव प्रमोद सिंह ने किया गांवों में किया दौरा

निज सं. | रफीगंज (औरंगाबाद)

पार्टी के निर्देश पर मिशन 2025 के तहत 'फिर से नीतीश का संकल्प' लेकर लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के प्रदेश महासचिव एवं रफीगंज विधानसभा के प्रत्याशी, प्रखर समाजसेवी प्रमोद सिंह ने मंगलवार को रफीगंज के विभिन्न गांवों का दौरा किया। इस दौरे के दौरान उन्होंने ग्रामीण जनता से सीधा संवाद स्थापित करते हुए सरकार के विकासात्मक कार्यों और सामाजिक परिवर्तनों की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार का विकास और सोशल इंजीनियरिंग का डंका देश ही नहीं, विश्व पटल पर भी गूँज रहा है। चाहे वह केंद्र का बजट हो या बिहार का, हर मंच पर आम लोगों की उन्नति की बात की जा रही है। इसी संदेश को व्यापक स्तर पर फैलाने के लिए प्रमोद सिंह ने रफीगंज प्रखंड के अरथुआ पंचायत के नीमा हुण्डराही, धुड़ूआ, वासर बिगहा, अरथुआ मियाँ बिगहा, ढोली खाप तथा बुडैला जैसे गांवों का भव्य दौरा किया। दौर के दौरान प्रमोद सिंह ने हर घर में दस्तक देते हुए माता-पिता, बहन-भाई, नौजवानों और समाज के अन्य वर्गों से मुलाकात की। उन्होंने कहा, 'एक तरफ पांच पांडव और दूसरी तरफ कौरवों की सेना है। इस विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी पराजित होंगे क्योंकि उनके पास न तो नेतृत्व क्षमता है और न ही कोई विजन। उनके एजेंडे में सिर्फ ख्याली पुलाव ही है। प्रमोद सिंह ने ग्रामीणों को यह भी बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आने वाले पांच सालों में राज्य को विकास के नए आयामों पर ले जाएंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बजट में विशेष प्रयास किए हैं। प्रत्येक पंचायत में कन्या विवाह मंडप बनाने की घोषणा के साथ-साथ दलित, महादलित, पिछड़े और अति पिछड़े तबकों की बेटियों के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। दौर में प्रमोद सिंह के साथ अजय पासवान, लालदेव पासवान, बिनोद सिंह, उमेश पासवान, राजीव सिंह, उपेन्द्र पासवान, सिंटू सिंह, दीपेश सिंह एवं अभिषेक सिंह समेत कई समाजसेवी भी उपस्थित रहे। इनके साथ मिलकर उन्होंने ग्रामीण जनता से विकासात्मक योजनाओं का समर्थन करने और आगामी चुनाव में देश के हित में सही विकल्प चुनने की अपील की।

इस प्रकार प्रमोद सिंह का रफीगंज के गांवों का दौरा न केवल सरकार की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का एक प्रयास है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि बिहार में विकास और सामाजिक बदलाव की लहर निरंतर आगे बढ़ रही है।

बिहार सरकार
पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग

पशुपालन ज्ञान
पशुपालक कल्याण

बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लूएंजा) के संबंध में आवश्यक तथ्य एवं जानकारी

सामान्य जानकारी

- यह वायरस जनित पक्षियों की बीमारी है जो मुख्यतः जंगली जलीय पक्षियों में स्वाभाविक रूप से होते हैं।
- बर्ड फ्लू मुख्यतः मुर्गियों का बड़ा ही संक्रामक रोग है। संक्रमित पक्षी के सम्पर्क में आने से यह संक्रमण मनुष्यों में फैल सकता है। यह अत्यन्त संक्रामक वायरस जनित रोग है। जिसके कारण मुर्गी पालन व्यवसाय को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।
- मनुष्य खासकर बच्चे, अगर बीमार पक्षी की (म्यूकस) बीट और पंखों के सम्पर्क में आ जायें तो उनमें संक्रमण फैल सकता है।
- मनुष्यों में बर्ड फ्लू के लक्षण साधारण फ्लू से मिलते–जुलते हैं। जैसे कि साँस लेने में तकलीफ, तेज बुखार, जुकाम और नाक बहना, ऐसी शिकायत होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र को तुरंत इसकी सूचना दें।
- सामान्यत: बर्ड फ्लू का वायरस 70°C तापमान पर नष्ट हो जाता है। किसी स्थान पर बर्ड फ्लू रोग की पुष्टि होने पर भी अण्डे व चिकन 70°C तापमान पर पकाकर खाने में कोई नुकसान नहीं हैं।

इससे डरें नहीं सावधानियाँ बरतें

- बीमार मुर्गियों के सीधे सम्पर्क में न आयें। दस्ताने या किसी भी अन्य सुरक्षा साधन का इस्तेमाल करें। बीमार पक्षियों के पंख, श्लेष्मा (म्यूकस) और बीट को न छुयें। छुये जाने की स्थिति में साबुन से तुरंत अच्छे तरीके से हाथ धोयें।
- मुर्गियों को बाड़े में रखें। संक्रमित पक्षियों को मार कर उनका सुरक्षित निपटान करें। बीमार अथवा मरे हुए पक्षी की सूचना निकटतम पशु चिकित्सालय को तुरंत दें। ऐसा करना जन स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।

मुर्गे–मुर्गियों के संक्रामक रोगों से बचाव के लिए सोने–से खरे कुछ उपाय

पक्षियों को रानीखेत गम्बोरो और बर्ड फ्लू जैसी कई बीमारियां हो सकती है। ये बीमारियां एक पक्षी से दुसरी पक्षी में व दूषित पानी से अथवा प्रभावित पक्षी के मल–मूत्र, पंखों आदि के जरिये पूरे झुंड को तेजी से प्रभावित कर सकती है। मुर्गी पालन से जुड़े होने के नाते आप अच्छी तरह जानते हैं कि अपने पक्षियों को इन बीमारियों से बचाना कितना महत्वपूर्ण है।

आइये अपने पक्षियों के साथ–साथ अपने बचाव के लिए निम्नलिखित तरीके अपनाएँ :

1. **बाड़े में सुरक्षित रखें :** अपने पक्षियों को बाड़े में रखिये, केवल आपकी पौल्ट्री फार्म की देखभाल करने वालों को ही पक्षियों के पास जाना चाहिए। अनावश्यक लोगों को बाड़े में प्रवेश न करने दें। अपने मुर्गे–मुर्गी को दूसरे पक्षियों/पशुओं के सम्पर्क में न आने दें। दो प्रजातियों के पक्षियों को एक ही बाड़े में न रखें।
2. **साफ–सफाई रखें :** पक्षियों के बाड़े में और उसके आसपास साफ–सफाई बहुत जरूरी है। इस प्रकार जीवाणु और विषाणुओं से बचा जा सकता है, पक्षियों के बाड़ों को साफ–सुथरा रखें। अपने पौल्ट्री फार्म/बाड़े को नियमित रूप से चूने अथवा कीटाणुनाशक दवाओं को छिड़काव कर संक्रमण मुक्त करते रहें।
3. **आहार एवं पेयजल व्यवस्था :** पक्षियों को स्वस्छ एवं शीतल पेयजल और संतुलित आहार दें। पक्षियों का भोजन एवं पेयजल रोजाना बदलें व पेयजल और भोजन के बर्तनों की नियमित साफ–सफाई करें।
4. **अपने पौल्ट्री फार्म में बीमारियों को प्रवेश करने से रोकें :** अपने आपको और बाजार या अन्य फार्मों में अन्य पक्षियों के संपर्क में आने वाली हर चीज की साफ–सफाई रखें। नये पक्षी को कम–से–कम 30 दिनों तक अपने स्वस्थ पक्षियों से दूर रखें। बीमारी को फैलने से रोकने या बचाव के लिए पौल्ट्री के संपर्क में आने से पहले और बाद में अपने हाथ, कपड़ों और जूतों को धोयें तथा संक्रमण मुक्त करें।
5. **बीमारी उधार न लें :** यदि आप अन्य फार्मों से उपकरण या पक्षी लेते हैं तो अपने स्वस्थ पक्षियों के संपर्क में आने से पहले भली भांति उनकी सफाई करें और संक्रमण मुक्त करें। अनावश्यक लोगों व अन्य फार्म पर कार्यरत मजदूरों एवं वाहनों को अपने फार्म पर प्रवेश न दें।
6. **लक्षणों को पहचानें :** अपने पक्षियों पर नजर रखें, यदि पक्षियों की आंख, गर्दन और सिर के आस–पास सूजन है और आँखों से रिसाव हो रहा है, कलनी और टांगों में नीलापन आ रहा है, अचानक कमजोरी, पंख गिरना बढ़ रहा है और पक्षियों की हरकत में कमी आ रही है, पक्षी आहार कम ले रहे हैं व अण्डे भी कम दे रहे हैं और असामान्य रूप से अधिक पक्षी मर रहे हैं, तो यह सब खतरे के संकेत हैं। यदि पक्षियों में ऐसे असामन्य लक्षण दिखाई देते है तो इसे छुपायें नहीं क्योकि यह आपके परिवार के स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकता है।
7. **बीमार पक्षी की सूचना :** अपने पक्षियों की हर असामान्य बीमारी अथवा मौत की सूचना निकटतम पशु चिकित्सालय को तत्काल दें।

PR No.- 020842 (Animal)D. 2024-25

विशेष जानकारी के लिए पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन संस्थान, बिहार, पटना के नियंत्रण कक्ष के दुरभाष सं. 0612–2226049 पर संपर्क करें।
पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, पशुपालन सूचना एवं प्रसार कार्यालय, बिहार, पटना द्वारा जनहित में प्रचारित